

Bi-Lingual  
Bi-Annual



Vol.-1 | Issue-02  
July-December, 2024

महात्मा गांधी न्यूज़ लेटर

# MGCU News Letter



महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय

**Mahatma Gandhi Central University**

*(A Central University Established by an Act of Parliament)*

Bihar-845401, India



**Smt. Droupadi Murmu**

*Hon'ble President of India*



**Shri Dharmendra Pradhan**

*Hon'ble Education Minister, Govt. of India*



**Shri. Narendra Modi**

*Hon'ble Prime Minister of India*



**Prof. Sanjay Srivastava**

*Hon'ble Vice-Chancellor*

**Chief Patron**

**Prof. Sanjay Srivastava**

*Hon'ble Vice-Chancellor*

**Advisory Bord**

- |                                      |  |
|--------------------------------------|--|
| <b>Prof. Prasoon Dutta Singh</b>     | - Dean, School of Humanities & Languages   |
| <b>Prof. Shirish Mishra</b>          | - Dean, Pandit Madan Mohan Malaviya School of Commerce and Management Sciences     |
| <b>Prof. Ranjeet Kumar Choudhary</b> | - Dean, School of Computational Sciences, Information and Communication Technology |
| <b>Dr. Anjani Kumar Jha</b>          | - Head, Department of Media Studies  |

**Editor**

- |                                  |  |
|----------------------------------|--|
| <b>Dr. Parmatma Kumar Mishra</b> | - Assistant Professor, Department of Media Studies |
|----------------------------------|--|

**Co-Editor**

- |                         |  |
|-------------------------|--|
| <b>Dr. Shyam Nandan</b> | - Assistant Professor, Department of Hindi |
|-------------------------|--|

**Editorial Board**

- |                                |  |
|--------------------------------|--|
| <b>Dr. Umesh Patra</b>         | - Assistant Professor, Department of English       |
| <b>Dr. Sunil Deepak Ghodke</b> | - Assistant Professor, Department of Media Studies |
| <b>Dr. Babaloo Pal</b>         | - Assistant Professor, Department of Sanskrit      |
| <b>Ms. Shephalika Mishra</b>   | - Public Relation Officer                          |

- |                     |   |
|---------------------|---|
| <b>Pratik Kumar</b> | - Composing & Lay-out Design (Student, MAJMC 2023-25) |
|---------------------|---|

**Published By**

**OSD (Administration), Mahatma Gandhi Central University, Bihar**

***Distribution & Circulation:- Public Relation Cell, MGCU***

**© All Rights Reserved**





## कुलपति की कलम से...

**म**हात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित छमाही 'एमजीसीयू न्यूज़ लेटर' का द्वितीय अंक आपको सौंपते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। न्यूज़ लेटर में जुलाई-दिसम्बर, 2024 की अकादमिक गतिविधियों और विश्वविद्यालय के उन्नयन की दिशा में किये जा रहे प्रयासों से सम्बंधित समाचार हैं। इस अवधि में विश्वविद्यालय के भौतिक स्वरूप को स्थापित करने की दिशा में अनेक सकारात्मक कदम उठाए गए। डीपीआर से लेकर विश्वविद्यालय के भवनों का निर्माण के लिए निर्धारित भूमि में से शेष भूमि को प्राप्त किए जाने की दिशा में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त हुई है। विश्वविद्यालय ने इस कालावधि में अपना द्वितीय दीक्षांत समारोह मुख्य अतिथि माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ जी की गरिमामयी उपस्थिति में भव्य तरीके से आयोजित किया। साथ ही मुख्य अतिथि के रूप में बिहार के माननीय राज्यपाल श्री राजेंद्र विश्वनाथ आलेंकर जी की गौरवपूर्ण उपस्थिति में नवांगतुक विद्यार्थियों के लिए दीक्षारंभ कार्यक्रम आयोजित किये गये। विश्वविद्यालय ने अपना स्थापना दिवस समारोह और गाँधी जयंती कार्यक्रम भी धूम-धाम से मनाया। हमने अपनी अकादमिक गतिविधियों को और अधिक विस्तार देते हुए बाबासाहब भीमराव अम्बेडकर बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर, भाभा कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केंद्र, डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद, नेपाल के नीति अनुसंधान प्रतिष्ठान और मुजफ्फरपुर प्रौद्योगिकी संस्थान (एमआईटी) जैसे प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों और संस्थानों से एमओयू पर हस्ताक्षर किया। शोध और अनुसंधान की दिशा में भी विश्वविद्यालय ने बेहतर प्रदर्शन किया। विश्वविद्यालय के शिक्षकों का राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में शोध पत्रों का प्रकाशन, महत्वपूर्ण विषयों पर पेटेंट की मान्यता और प्रमुख अकादमिक कार्यक्रमों में सहभागिता और 47 शोधार्थियों को पीएचडी उपाधि का दिया जाना अत्यंत सुखद रहा।

विश्वविद्यालय, महात्मा गाँधी के शिक्षा संबंधी सिद्धांतों और आदर्शों को आत्मसात करते हुए आगे बढ़ने को कृत संकल्पित है। विद्यार्थियों के चहुँमुखी विकास के लिए हम निरन्तर प्रयत्नशील हैं। ओपेन जिम की स्थापना, ताइक्वांडो का निःशुल्क प्रशिक्षण, विभिन्न खेलों में विद्यार्थियों की रुचि को बढ़ावा और उन्हें समाज से जोड़कर व्यावहारिक सीख प्रदान करने की योजना को फलीभूत देखना हम सभी के लिए अत्यंत गौरवपूर्ण है।

न्यूज़ लेटर में विश्वविद्यालय के अकादमिक और प्रशासनिक सफर को विस्तार से जानने एवं समझने को मिलेगा। मुझे पूर्ण विश्वास है कि नए वर्ष 2025 में हम शिक्षकों, अधिकारियों, शोधार्थियों, विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों के साथ मिलकर विश्वविद्यालय को तीव्र गति से प्रगति के मार्ग पर ले जाने में अधिक सक्षम होंगे।

आप सभी के सुझाव और मार्गदर्शन की अपेक्षा के साथ।  
शुभकामनाएं!

प्रो. संजय श्रीवास्तव  
कुलपति



## From the desk of the Vice Chancellor...

It gives me great pleasure to present to you the second issue of the bi-annual 'MGCU News Letter' published by Mahatma Gandhi Central University. The newsletter contains news related to the academic activities of July-December, 2024 and the efforts being made towards the development of the university. During this period, many positive steps were taken towards establishing the permanent structure of the university. Considerable success has been achieved in the direction of acquiring the remaining land and the DPR preparation for the construction of the university. The University organized its Second Convocation during this period in a grand manner in the dignified presence of the Chief Guest, Hon'ble Vice President of India, Shri Jagdeep Dhankhar Ji. The Induction Ceremony was organized for the new students in the proud presence of the Chief Guest, Hon'ble Governor of Bihar, Shri Rajendra Vishwanath Arlekar Ji. The University also enthusiastically celebrated its Foundation Day and Gandhi Jayanti. We are further expanding our academic activities through MOUs signed with prestigious universities and institutes like Babasaheb Bhimrao Ambedkar Bihar University, Bhabha Cancer Hospital and Research Centre, Dr. Ram Manohar Lohia Avadh University, Ayodhya, the Policy Research Foundation of Nepal and Muzaffarpur Institute of Technology (MIT). The university also performed better in the area of research and innovations. The publication of research papers by the teachers of the university in national and international research journals, recognition of patents on important areas, participation in major academic programs and award of PhD degrees to 47 researchers were extremely gratifying.

MGCU is determined to move forward by following the educational principles and ideals of Mahatma Gandhi. We are continuously striving for the all-round development of the students. It is a matter of great pride for all of us to see the plans of establishing of an open gym, free Taekwondo training to students, promoting students' interest in various sports and providing practical learning by connecting them with the society, coming to fruition.

You will get to know and understand the academic and administrative journey of the university in detail in the MGCU News Letter. I have full confidence that in the new year 2025, together with the teaching and non-teaching faculty, administrative officers, researchers and students, we will be more capable of taking the university on the path of rapid progress.

Looking forward to your suggestions and guidance.

Best wishes!

**Prof. Sanjay Srivastava**  
Vice chancellor



## संपादक की कलम से...

From the Desk of the Editor...

**श**्वास और संचार का अन्योन्याश्रित सम्बन्ध है। महात्मा गाँधी ने संचार के जरिए जन-जन तक अपने विचारों को फैलाया। वह पत्रकारिता को लोगों की सेवा का साधन मानते थे। महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी, बिहार भी गाँधी जी के उक्त विचारों से अनुप्राणित है। एमजीसीयू न्यूज़ लेटर के प्रकाशन का उद्देश्य भी आप सभी तक विश्वविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों को विस्तारपूर्वक पहुँचाना है। एमजीसीयू न्यूज़ लेटर का यह द्वितीय अंक जुलाई से दिसम्बर, 2024 अवधि का है। महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय ने इस बीच सफलता के अनेक आयाम प्राप्त किये। एमजीसीयू को भौतिक स्वरूप में लाने की दिशा में डीपीआर निर्माण, लगभग चार दर्जन से अधिक विद्यार्थियों को शोध उपाधि, द्वितीय दीक्षांत समारोह, नैक मूल्यांकन की तैयारी, ओपेन जिम निर्माण जैसे अनेकों उपलब्धियां विश्वविद्यालय ने अर्जित की। माननीय कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव जी के कुशल नेतृत्व और शिक्षकों, प्रशासनिक अधिकारियों और कर्मचारियों के परिश्रम से विश्वविद्यालय नित नये प्रगति की ओर अग्रसर है। न्यूज़ लेटर के अंतर्वस्तु की संरचना, डिजाइन, भाषा की शुद्धता आदि को बहुत सूक्ष्मतापूर्वक प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है। न्यूज़ लेटर को बेहतर बनाने के लिए आपके अनमोल सुझाव अपेक्षित हैं।

Breathing and communication have an interdependent relationship. Mahatma Gandhi was adept in communicating his message to the masses and he considered journalism to be a means of service to the people. Mahatma Gandhi Central University, Motihari, Bihar is also inspired by the above views of Gandhi Ji. The purpose of publication of MGCU News Letter is also to make all of you aware of the various activities of the university. This second edition of MGCU News Letter is from July to December 2024. Mahatma Gandhi Central University, meanwhile, achieved many milestones in the direction of bringing MGCU into a physical form, enabling more than four dozen researchers have successfully completed Ph.D. theses, organizing the Second Convocation, preparing for NAAC Evaluation and establishing Open Gyms for the students, faculties, teaching and non-teaching staff. Due to the efficient leadership of Hon'ble Vice Chancellor Prof. Sanjay Srivastava and the industrious efforts of faculties and administrative officers, the university is making rapid strides to a bright future. We have tried our best to present the information in an appealing design, coherent structure and clear diction. Your valuable suggestions are expected to improve the newsletter.

**Dr. Parmatma Kumar Mishra**  
Editor





“सपने वो नहीं जो हम सोते समय देखते हैं, सपने वो हैं जो हमें सोने नहीं देते।”  
~ ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

## चंपारण की धरती सत्याग्रह और अहिंसा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि: उप-राष्ट्रपति



**एमजीसीयू न्यूज।** महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा राजा बाजार स्थित महात्मा गांधी प्रेक्षागृह में दिनांक 07 दिसंबर, 2024 को द्वितीय दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि भारत गणराज्य के उपराष्ट्रपति माननीय श्री जगदीप धनखड़ थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में सूबे के राज्यपाल श्री राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर थे। सांसद सह पूर्व केंद्रीय कृषि व किसान कल्याण मंत्री राधा मोहन सिंह उपस्थित थे। दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. महेश शर्मा ने की व विवि के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया।

दीक्षांत समारोह की शुरुआत शैक्षणिक शोभा यात्रा के साथ सशस्त्र सीमा बल की धुन पर हुआ। राष्ट्रगान के पश्चात विश्वविद्यालय की कुलगीत का गायन हुआ। माँ सरस्वती की प्रतिमा व बापू की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन कार्यक्रम की शुरुआत की गई। कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव के द्वारा उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़, सूबे के राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर, सांसद राधामोहन सिंह एवं कुलाधिपति डॉ. महेश शर्मा को उत्तरीय, संकट मोचन की प्रतिमा व महात्मा गाँधी का जीवन चक्र चरखा देकर सम्मानित किया गया। कुलानुशासक प्रो. प्रसून दत्त सिंह ने कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव को सम्मानित किया।

स्वागत वक्तव्य में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने कहा कि विश्वविद्यालय शोध का प्रमुख केंद्र बनता जा रहा है। विश्वविद्यालय नित प्रतिदिन नई ऊंचाइयों को छू रहा है। हाल ही में आईआईआरएफ रैंकिंग में विश्वविद्यालय ने 20वां स्थान प्राप्त की है और भविष्य में नैक विजिट की तैयारी भी विश्वविद्यालय कर रहा है। विश्वविद्यालय अनेक संस्थाओं के साथ एमओयु पर हस्ताक्षर कर रहा है। विद्यार्थी विश्वविद्यालय के ब्रांड एंबेसडर हैं, जिनकी उपलब्धि हमारे लिए महत्वपूर्ण हैं।

स्वागत भाषण के पश्चात विश्वविद्यालय के कुलानुशासक द्वारा उपाधि प्राप्त करने वाले छात्रों की सूची प्रस्तुत की गई। जिसमें 121 छात्र स्नातक से, 265 स्नातकोत्तर और 47 छात्र पीएचडी से शामिल थे। स्वर्ण पदक माननीय उपराष्ट्रपति के द्वारा दिया गया।

मुख्य अतिथि **माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़** ने कहा कि चंपारण की धरती सत्याग्रह और अहिंसा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि है। जिसका नतीजा आजादी के आंदोलन में बड़ा बदलाव लाने के लिए सक्रियता से लोग जुड़े। यहां के लोग राष्ट्रवाद व राष्ट्र चेतना की भावना से ओत-प्रोत है। इस विश्वविद्यालय से जो भी अध्ययन होगा वह राष्ट्रीय चेतना के लिए समर्पित है। नेशन फर्स्ट के लिए समर्पित है। इस विश्वविद्यालय के पहले दीक्षांत समारोह में भारत के राष्ट्रपति महामहिम द्रौपदी मुर्मू आयी थी और द्वितीय दीक्षांत समारोह में मैं खुद यहां आया हूँ, इस क्षण को मैं हमेशा याद रखूंगा। उन्होंने कहा कि नदी में एक स्थान पर रहने के लिए भी कदम ताल जरूरी है। वैसे ही हमारे जीवन में भी अध्ययन बेहद ही जरूरी है। बच्चा जब जन्म लेता है तो आगे बढ़ता है, गिरता है और वह वही से चलना सीखता है। हमें कभी नहीं डरना चाहिए। आगे बढ़ते रहना चाहिए। आज भारत अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में प्रगति कर रहा है। विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में अपना मिसाल कायम कर रहा है। सभी निर्णय पारदर्शिता के साथ लिए जा रहे हैं। विकसित भारत की संकल्पना किसी एक व्यक्ति से नहीं बल्कि 140 करोड़ लोगों के मेहनत से होगी। गाँधी जी ने प्रकृति से प्रेम करने को कहा था लेकिन उसे हम भूल गए हैं। इसे वापस लाने के लिए प्रधानमंत्री जी का योजना एक पेड़ मां के नाम काम आएगा। हमें स्वदेशी की तरफ आने की भी जरूरत है। हमें वो कल फॉर लोकल होने की जरूरत है। पहले देश की विदेशी मुद्रा भंडार काफी कम हुआ करती थी, लेकिन वर्तमान समय में विदेशी मुद्रा भंडार भरा हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि विश्वविद्यालय के छात्रों को प्रण लेना चाहिए कि वह विश्वविद्यालय को फंड दे चाहे वह कितना भी हो। हमें अपने परिवेश से बाहर निकल कर सोचने की जरूरत है। बिहार की धरती सांस्कृतिक विरासत कि मिसाल है। यहां डॉ. राजेंद्र प्रसाद से लेकर कर्पूरी ठाकुर हुए। आज के समय में भारत की प्रगति समुद्री, धरती और आकाश तीनों क्षेत्र में प्रगति कर रहा है। 2047 की मैराथन मार्च की कर्मधार युवा है।

**राज्यपाल श्री राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर** ने कहा की सभागार मे उपस्थित सभी लोग बधाई के पात्र है। आज उपाधि प्राप्त करने वाले छात्रों का दीक्षा का अंत हो रहा है, शिक्षा का नहीं। शिक्षा बाहर से हर व्यक्ति, हर चुनौतियों से प्राप्त होगी। शिक्षा आप सभी के व्यक्तित्व का निर्माण करेगा तो ही राष्ट्र का निर्माण संभव हो पाएगा।



सांसद सह पूर्व केंद्रीय कृषि व किसान कल्याण मंत्री राधा मोहन सिंह ने सभी उपाधि प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को बधाई व मंगलकामना दी। दीक्षांत समारोह चंपारण के लिए गर्व का विषय है, जो इतनी भव्यता के साथ मनाया जा रहा है। विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत व समर्पण का फल आज उन्हें मिल रहा है। विद्यार्थी इस विश्वविद्यालय के प्राण व धुरी हैं। भले आज यहां से उपाधि प्राप्त करके जा रहे हैं लेकिन उनका संबंध विश्वविद्यालय से सदैव रहेगा। छात्रों की प्रसिद्धि ही हमारे विश्वविद्यालय की भी प्रसिद्धि है। विद्यार्थियों से कहा कि जीवन का हर दिन सीखने का अनुभव होगा और हर दिन नई परीक्षा देनी होगी। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से हुई।



### कुलाधिपति स्वर्ण पदक :

विश्वविद्यालय में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों अंजलि सिंह, सुनिधि सिंह, और स्वेता कुमारी को कुलाधिपति स्वर्ण पदक प्रदान किया गया। ये तीनों छात्राये पुस्तकालय विज्ञान विभाग से हैं।

### विशिष्ट स्वर्ण पदक :

#### स्नातकोत्तर (२०२४)

**महर्षि कणाद स्वर्ण पदक:** दिग्विजय पॉल, भौतिकी विभाग।

**महर्षि सुश्रुत स्वर्ण पदक:** राहुल राजेश गुप्ता जीवन विज्ञान संकाय।

**आर्यभट्ट स्वर्ण पदक:** अंजलि सिंह, संगणक विज्ञान, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी संकाय।

**महर्षि वाल्मीकि स्वर्ण पदक:** हेमंत बर्मन मानविकी और भाषा संकाय।

**सम्राट अशोक स्वर्ण पदक:** हिमांशु रंजन, सामाजिक विज्ञान संकाय।

**महर्षि कात्यायन स्वर्ण पदक:** आजाद आलम, शिक्षा संकाय।

**आचार्य कौटिल्य स्वर्ण पदक:** नवीन कुमार मंडल, वाणिज्य और प्रबंधन विज्ञान संकाय।

#### स्नातक (२०२४)

**आर्यभट्ट स्वर्ण पदक:** सुनिधि, संगणक विज्ञान, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी संकाय।

**आचार्य कौटिल्य स्वर्ण पदक:** मानवी भार्गव, वाणिज्य और प्रबंधन विज्ञान संकाय।

**प्रोफेसर जनार्दन प्रसाद पदक:** सुभलक्ष्मी दास, अर्थशास्त्र विभाग।

### कुलपति स्वर्ण पदक :

26 कुलपति स्वर्ण पदक विभिन्न विभागों के टॉपर्स को दिए गये।

दिग्विजय पॉल, सुमना पॉल, मोबासिरा फिदौस, प्रियंका कुमारी, राहुल राजेश गुप्ता, फिदौस जहां, शुभम रंजन, आयुषी दास, अंजलि सिंह, पंकज कुमार, आर्यन कुमार, हेमंत बर्मन, नमन गौतम, सुभलक्ष्मी दास, रक्षित सिंह, जाकी अहमद, संदीप कुमार, हिमांशु रंजन, आजाद आलम, शिवांगी, नवीन कुमार मंडल, शालिनी साक्षी, आकाश राज, मधुरी सिंह, सुनिधि, और मानवी भार्गव।

### समारोह की मुख्य विशेषताएं :

- 433 डिग्रियों का वितरण।

- उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।

स्वर्ण पदक की संख्या 40 थी।

- विश्वविद्यालय अपने इतिहास में पहली बार 47 पी.एच.डी. डिग्रियां प्रदान किया गया।

### साफा/पगड़ी के रंग विभिन्न शैक्षणिक समूहों के लिए निर्धारित :

- भगवा: माननीय कुलपति और अन्य गणमान्य व्यक्तियों के लिए

- बैंगनी: डीन, विभागाध्यक्ष और कार्यकारी एवं शैक्षणिक परिषद के सदस्य

- मैरून: पी.एच.डी. प्राप्तकर्ता

- गुलाबी: स्नातक छात्र

- पीला: परास्नातक छात्र

## The land of Champaran is the historical background of Satyagraha and non-violence- Vice President

**MGCU News** | Mahatma Gandhi Central University organized the Second Convocation ceremony on 07 December, 2024 in Mahatma Gandhi Auditorium located at Raja Bazar. The Chief Guest of the convocation was the Hon'ble Vice President of the Republic of India, Shri Jagdeep Dhankhar. The Governor of the state Shri Rajendra Vishwanath Arlekar was the Guest of Honor. MP cum former Union Minister of Agriculture and Farmers Welfare Radha



Mohan Singh also graced the occasion. The convocation was presided over by the Chancellor of the University Dr. Mahesh Sharma and the Vice Chancellor of the University Prof. Sanjay Srivastava presented the welcome address.

The convocation ceremony started with the academic procession to the tune of the Sashtra Seema Bal. After the national anthem, the university's anthem was sung. The program was started by garlanding the statue of Maa Saraswati and the statue of Bapu and lighting of the lamp.

Prof. Sanjay Srivastava, the Vice-Chancellor felicitated Hon'ble Vice President Shri Jagdeep Dhankhar, Governor of the state Rajendra Vishwanath Arlekar, MP Radhamohan Singh and Chancellor Dr. Mahesh Sharma by presenting them with *Uttariya*, statue of Sankat Mochan and a symbol of Mahatma Gandhi's life, the spinning wheel. Prof. Prasoon Dutta Singh felicitated Vice Chancellor Prof. Sanjay Srivastava.

In his welcome address, Vice Chancellor of the University Prof. Sanjay Srivastava stated that the university is becoming a major centre of research. The university is reaching new heights every





*"If you want to see the divine, look at the beauty of nature."  
~ Sri Aurobindo's Integral Yoga Philosophy*



day. Recently, the university has secured 20th position in IIRF ranking and the university is also preparing for NAAC visit in future. The university is signing MoUs with many institutions. Students are the brand ambassadors of the university, whose achievements are testimony of our success.

After the welcome address, the list of graduands receiving degrees was released by the Deans of various schools of the University. Among them 121 students were from graduation, 265 from post graduation and 47 students were from PhD. The gold medals were given by the Vice President.

The Chief Guest **Hon'ble Vice President Shri Jagdeep Dhankhar** said that the land of Champaran has a historical background of Satyagraha and non-violence. People of this land voluntarily participated in the freedom struggle. The people here are imbued with the spirit of nationalism and national consciousness. The lessons imparted to the students in this university is dedicated to national consciousness. It is dedicated to Nation First. He highlighted the fact that, the Hon'ble President of India Smt. Droupadi Murmu graced the first convocation of this university. Attending the second convocation as the Chief Guest would remain a memorable moment for him. He said that learning is a life long process. When a child is born, it moves forward, falls and learns to walk from there. We should never be afraid. We should keep moving forward. He said that even to stay at one place in the river, rhythm of steps is necessary. Today India is marching ahead in the field of economy. It is setting an example as the fifth largest economy of the world. All decisions are being taken with transparency. The concept of developed India will not be possible by a single person's efforts, but by the hard work of 140 crore people. Gandhiji had advised us to love nature but we

have forgotten it. The Scheme "Ek Ped Maa Ke Naam" launched by the Prime Minister fulfills the Gandhian vision. We also need to move towards Swadeshi. We need to be Vocal for Local. Earlier the country's foreign exchange reserves used to be very low, but at present the foreign exchange reserves are full. He also said that university students should take a pledge to contribute to the development of the university even after graduation. The land of Bihar is an example of cultural heritage. From Dr. Rajendra Prasad to Karpoori Thakur, everyone lived and shared their wisdom here. In today's time, India is progressing in all domains and contribution of Bihar is immense. The youth are the drivers towards the marathon march of 2047.

**Governor Shri Rajendra Vishwanath Arlekar** said that all the people present in the auditorium deserve congratulations. Today marks the end of the official period of the students' graduation, but it does not mean the end of learning. Education will be obtained from the world, from every person, from every challenge. Only when education builds the personality of all of



you, will the nation be built.

MP and former Union Agriculture and Farmers Welfare Minister Radha Mohan Singh congratulated all the graduands receiving degrees. The convocation ceremony is a matter of pride for Champaran, which is being celebrated with such grandeur. Today, the students are getting the fruits of their hard work and dedication. Students are the life and pivot of this university. Even though they are leaving from here, after receiving degrees, their connection with the university will always remain. The fame of the students is the fame of our university as well. He told the students that every day of life will be a learning experience and every day a new test will have to be given. In future, whenever students come to the university, they should come back with new feathers in their caps. The programme concluded with the National Anthem followed by the academic procession moving out of the auditorium in ceremonial fashion.

#### **Chancellor's Gold Medal**

The Chancellor's Gold Medal was awarded to Anjali Singh, Sunidhi Singh, and Swetha Kumari, the top ranked students in the university. All three students are from the Department of Library Science.







### Special Gold Medals:

#### **Post Graduate Programme 2024**

**Maharishi Kanada Gold Medal:** Digvijay Paul, Department of Physics.

**Maharishi Sushruta Gold Medal:** Rahul Rajesh Gupta, Faculty of Life Sciences.

**Aryabhatta Gold Medal:** Anjali Singh, Faculty of Computer Science, Information and Communication Technology.

**Maharishi Valmiki Gold Medal:** Hemant Barman, Faculty of Humanities and Languages.

**Samrat Ashok Gold Medal:** Himanshu Ranjan, Faculty of Social Sciences.

**Maharishi Katyayan Gold Medal:** Azad Alam, Faculty of Education.

**Acharya Kautilya Gold Medal:** Naveen Kumar Mandal, Faculty of Commerce and Management Sciences.

#### **Under Graduate Programme (2024)**

**Aryabhatta Gold Medal:** Sunidhi, Faculty of Computer Science, Information and Communication Technology.

**Professor Janardan Prasad Medal:** Subhalakshmi Das, Department of Economics.

**Acharya Kautilya Gold Medal:** Manvi Bhargava, Faculty of Commerce and Management

### Vice Chancellor Gold Medals :

26 Vice Chancellor Gold Medals were awarded to the toppers of various departments.

Digvijay Paul, Sumana Paul, Mobasira Firdous, Priyanka Kumari, Rahul Rajesh Gupta, Firdous Jahan, Shubham Ranjan, Ayushi Das, Anjali Singh, Pankaj Kumar, Aryan Kumar, Hemanta Barman, Naman Gautam, Subhalakshmi Das, Rakshit Singh, Zaki Ahmed, Sandeep Kumar, Himanshu Ranjan, Azad Alam, Shivangi, Naveen Kumar Mandal, Shalini Sakshi, Akash Raj, Madhuri Singh, Sunidhi, and Maanvi Bhargav.

### Highlights of the ceremony :

433 degrees distributed, 40 gold medals were awarded to outstanding students.

For the first time in the history of the university, 47 Ph.D. degrees were awarded.

### Colours of Safa/Pagri prescribed for different academic groups :

- Saffron: For Hon'ble Vice Chancellor and other dignitaries
- Purple: Deans, Heads of Departments and Members of Executive and Academic Council
- Maroon: Ph.D. recipients
- Pink: Undergraduate students
- Yellow: Postgraduate students

## **दीक्षान्त समारोह के उपलक्ष्य में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन**



**एमजीसीयू न्यूज।** महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के सांस्कृतिक और साहित्य परिषद द्वारा द्वितीय दीक्षान्त समारोह के उपलक्ष्य में भव्य रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राजा बाजार स्थित महात्मा गाँधी प्रेक्षागृह में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. शैलेश एन. झाला और श्रीमती नमिता श्रीवास्तव उपस्थित थे। विश्वविद्यालय के कूलानुशासक सह अध्यक्ष सांस्कृतिक एवं साहित्य परिषद प्रो. प्रसून दत्त सिंह ने अतिथियों का अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह के द्वारा स्वागत किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में मनमोहक कथक नृत्य की प्रस्तुति हुई। सम्पूर्ण कथक नृत्य की प्रस्तुति बनारस घराने से सम्बद्ध प्रसिद्ध कथक नर्तक अनुज मिश्र के निर्देशन में सम्पन्न हुई। अनुज मिश्र पारंपरिक संगीत परिवार में कलाकारों की तेरहवीं पीढ़ी और लखनऊ घराने के प्रतिपादक हैं। उनके पिता पं. अर्जुन मिश्रा बहुत प्रसिद्ध और प्रसिद्ध कथक गुरु, नर्तक और कोरियोग्राफर थे। अनुज मिश्र अपने दादा पदमविभूषण पंडित बिरजू महाराज से भी कथक नृत्य सीखा है।

कथक नृत्य का शुभारम्भ विघ्नहर्ता श्रीगणेश के वंदना से हुई। उसके बाद भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण के जीवन दर्शन पर केंद्रित नृत्य की सुंदर प्रस्तुति अनुज अर्जुन मिश्र और उनकी टीम के कलाकारों, सिद्धि टंडन - मुख्य महिला डांसर, प्रज्ञांशी पाठक - नृत्यांगना, मैत्री चौहान - महिला नर्तक, वंशिका शर्मा - महिला डांसर, आकृति पांडे - महिला डांसर, विवेक वर्मा - पुरुष नर्तक, कमल कुमार- पुरुष नर्तक द्वारा की गई।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर संजय श्रीवास्तव ने कहा कि कथक नृत्य हमारी सांस्कृतिक विरासत है। यह शास्त्रों के अनुसार संयोजित है। जिसमें भाव, लय और मुद्रा बहुत ही सम्प्रेषणीय होते हैं।

उन्होंने कलाकारों के नृत्य की सराहना की। अंत में प्रसिद्ध कथक नर्तक अनुज मिश्र और उनकी टीम के कलाकारों का सम्मान कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव द्वारा अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों की हजारों की संख्या में उपस्थिति थी। संचालन डॉ. स्वेता और डॉ. उमेश पात्रा ने की।





## A grand cultural fiesta was organized on the occasion of the convocation ceremony

**MGCU News** | A grand colourful cultural fiesta was organized by the Cultural and Literature Council of Mahatma Gandhi Central University on the occasion of the Second Convocation. The cultural programme organised at Mahatma Gandhi Auditorium, Raja Bazar was presided over by Vice Chancellor Prof. Sanjay Srivastava. Prof. Shailesh N. Jhala and Mrs. Namita Srivastava were present as Guests of Honor. Chairman of Cultural and Literature Council of the University, Prof. Prasoon Dutta Singh welcomed the guests with a *shawl* and a memento.

A captivating Kathak dance was presented in the cultural programme. The entire Kathak dance was presented under the direction of famous Kathak dancer Anuj Mishra belonging to the Banaras Gharana. Anuj Mishra is the thirteenth generation of artists in a traditional music family and an exponent of the Lucknow Gharana. His father Lt. Pt. Arjun Mishra was a very famous and renowned Kathak guru, dancer and choreographer who had learnt Kathak dance also under the tutelage of Padma



Vibhushan Pandit Birju Maharaj. The Kathak dance started with the worship of Lord Ganesha, the destroyer of obstacles. After that, a beautiful dance performance centered on the life philosophy of Lord Shri Ram and Shri Krishna was presented by Shri Anuj and his team of artistes. His troupe included Siddhi Tandon - main female dancer, Pragyanshi Pathak - dancer, Maitri Chauhan - female dancer, Vanshika Sharma - female dancer, Aakriti Pandey - female dancer, Vivek Verma - male dancer, Kamal Kumar - male dancer.

Hon'ble Vice Chancellor Professor Sanjay Srivastava said that Kathak dance is our cultural heritage. It is organized according to the scriptures in which emotions, rhythm and posture are very expressive. He praised the dance of the artistes. In the end, the famous Kathak dancer Anuj Mishra and the artistes of his team were honored by the Vice Chancellor with *Angavastram* and memento. The teachers, officials, researchers and students of the university were present in the program. The emcees of the event were Dr. Sweta and Dr. Umesh Patra.

## दीक्षारंभ

**“हमें जॉब सीकर नहीं जॉब गिवर होना चाहिए - राज्यपाल”**



**एमजीसीयू न्यूज** | महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी द्वारा दीक्षारंभ समारोह का आयोजन दिनांक 13 अगस्त, 2024 को किया गया। समारोह गाँधी प्रेक्षागृह, राजा बाजार स्थित मोतिहारी में हुई। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि श्री राजेन्द्र विश्वनाथ आलेंकर, राज्यपाल, बिहार, विशिष्ट अतिथि राधा मोहन सिंह, सांसद, पूर्वी चंपारण और अध्यक्षता कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने की।

मुख्य अतिथि माननीय **राज्यपाल श्री राजेन्द्र विश्वनाथ आलेंकर** ने कहा कि १५ अगस्त २०४७ को जब आजादी के सौ साल पूरे होंगे, तब भारत विकसित देशों की श्रेणी में खड़ा होगा। यह आप युवाओं की बदौलत होगा। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विकसित भारत की बात करते हैं तो आप जैसे युवाओं का चित्र उनके जेहन में रहता है। नव-प्रवेशी छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत सोने की चिड़िया नहीं, शेर बने ताकि उसकी दहाड़ दूर तक सुनाई दे। राज्यपाल ने कहा कि पीएम जिस अमृतकाल की बात करते हैं, उसे पूरा करने वाली अमृतशक्ति आप जैसे युवा हैं। आज पूरा विश्व हमारी ओर देख रहा है कि भारत आगे बढ़ने वाला है। ऐसे में आप सब संकल्प लें कि विकसित भारत का सपना हमारे कारण पूरा होगा। विद्यार्थी प्रमाणपत्र प्राप्त कर केवल नौकरी के बारे में सोचते हैं। उन्होंने कहा कि पुरानी शिक्षा पद्धति ने गुलामी की मानसिकता बना दी है, जबकि हमें नौकरी देने वाला होना चाहिए। हमें जॉब सीकर नहीं जॉब गिवर होना चाहिए। आज की राष्ट्रीय शिक्षा नीति जॉब देने वाली है।

सांसद राधामोहन सिंह ने कहा कि जब इतिहास और वर्तमान का समावेश कर भविष्य की रूपरेखा तैयार करते हैं तो सफलता जरूर मिलती है। केवल किताबी शिक्षा पर जोर न देकर व्यवहारिक शिक्षा को भी समझे। आज राष्ट्रीय शिक्षा में प्राचीन ग्रंथों पर जोर दिया गया है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के छात्रों का प्लेसमेंट हो रहा है और सरकारी और गैर-सरकारी संस्थाओं में बड़ी संख्या में वे नियुक्त हो रहे हैं। लेकिन अब जमाना उद्यमिता का है। आप लोग उद्यमी बनिये।

कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने कहा कि अगले ढाई वर्षों में महात्मा गाँधी



केन्द्रीय विश्वविद्यालय अपने मूल स्वरूप में होगा। वर्ष २०१६ में स्थापना के बाद से विश्वविद्यालय के विगत आठ वर्षों में विकास की लंबी यात्रा तय की है। कुल ३०२ एकड़ में जहां १६२ एकड़ जमीन मिला था, अब २६२ एकड़ भूमि उपलब्ध हो चुका है। भवन निर्माण के लिए डीपीआर निर्माण की दिशा में आगे कदम उठाये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ने ३३ पीएचडी कि उपाधि प्रदान की है। ४५१ शोधार्थी शोध कर रहे हैं। ११० ऑफलाइन जर्नल १७ सौ ई-बुक प्रकाशित हुए हैं। देश के सभी केन्द्रीय विश्वविद्यालय में महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय नया है। इसके बावजूद भी आईआईआरएफ रैंकिंग में २० वां स्थान प्राप्त किया है। नेट-जेआरएफ भी बढ़ी संख्या में छात्रों ने पास किया है। १०६ छात्रों ने यूजीसी फैलोशिप प्राप्त की है। उद्यमिता के विकास के लिए इनक्यूबेशन यूनिट बनाने की योजना है।

उद्घाटन समारोह के उपरांत नव प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए द्वितीय अकादमिक सत्र आयोजित हुई। कार्यक्रम में हर घर तिरंगा अभियान का शुभारंभ कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव के कर कमलों द्वारा हुई। द्वितीय सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने की। अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने कहा कि विश्वविद्यालय का सदैव प्रयास है कि विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्तापूर्ण स्वस्थ अध्ययन का माहौल मिले। उन्होंने कहा कि दीक्षारम्भ का उद्देश्य विश्वविद्यालय के विभिन्न आयामों से आप सभी को परिचित कराना है। द्वितीय सत्र को सुप्रसिद्ध प्रेरक वक्ता डॉ. विक्रान्त सिंह तोमर और एनआईपीए में प्रो. आरती श्रीवास्तव ने संबोधित किया। डॉ. विक्रान्त सिंह तोमर ने अनेक उदाहरणों के माध्यम से विद्यार्थियों के सामने लक्ष्य निर्धारण से लेकर स्वयं को पहचानने तक की बातें सूत्र वाक्य में रखी। उन्होंने कहा कि सफलता के लिए लक्ष्य निर्धारण, उसके लिए निरंतर प्रयास, असफलता को स्वीकार करना, किसी से तुलना नहीं करना जरूरी है। जिज्ञासा भी व्यक्ति को ज्ञानवान बनाता है, जो विद्यार्थियों में होनी चाहिए।

नई शिक्षा नीति 2020 के विभिन्न आयामों से परिचित कराते हुए नीपा में प्रो. आरती श्रीवास्तव ने कहा कि हमें उच्च शिक्षा के महत्व को समझना चाहिए। क्योंकि उच्च शिक्षा ही वह समय होता है जिस पर पूरे जीवन का फाउंडेशन बनता है। उन्होंने अमेरिका और अन्य विकसित देशों के शिक्षा संसाधनों का जिक्र करते हुए भारत में शिक्षा की बेहतरी के लिए किए जा रहे प्रयासों के बारे में चर्चा की।

कार्यक्रम को मुख्य कुलानुशासक प्रो. प्रसून दत्त सिंह ने संबोधित करते हुए प्रोक्टोरियल बोर्ड की कार्यप्रणाली पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने विद्यार्थियों के लिए तैयार अनुशासन केंद्रित मैनुअल पढ़ने की सलाह दी। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता (डीएसडब्ल्यू) प्रो. अर्त्तात्रण पाल ने विद्यार्थियों के लिए अनेक उपयोगी जानकारी साझा की। परीक्षा नियंत्रक प्रो. के. के. उपाध्याय ने परीक्षा और प्रवेश से जुड़ी अनेक महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। प्रोवोस्ट प्रो. रफीक उल इस्लाम ने हॉस्टल सम्बन्धित जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अभी विश्वविद्यालय के पास छात्राओं के लिए हॉस्टल की सीमित सुविधा उपलब्ध है। जिसमें रहने और भोजन की उत्तम व्यवस्था और अध्ययन का बेहतर माहौल प्रदान की जाती है। छात्रों के लिए भी हॉस्टल की सुविधा देने की लिए प्रयास किए जा रहे हैं। शोध सुविधा, प्रक्रिया और उन्नत के निदेशक प्रो. सुनील कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि शोध की दिशा में विद्यार्थियों के लिए अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। नई शिक्षा नीति की अनुशासना के अनुसार शोध सुविधा प्रदान करने के हर सम्भव कार्य विश्वविद्यालय में हो

रहे हैं।

पुस्तकालय प्रभारी प्रो. रणजीत कुमार चौधरी ने पुस्तकालय में प्रदान की जा रही सुविधाओं का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि पुस्तकालय में विभिन्न विषयों के लगभग 33 हजार से अधिक पुस्तकें और सैकड़ों ई रिसोर्स हैं, जिससे पुस्तकें और शोध पत्र पढ़े जा सकते हैं। वित्त अधिकारी प्रो. विकास पारीक ने विद्यार्थियों के लिए वित्त सम्बन्धित उपयोगी जानकारी दी। विशेष कार्याधिकारी डॉ. सचिदानन्द सिंह ने विश्वविद्यालय के विभिन्न गतिविधियों के लिए गठित समितियों एवं अनेक कार्य दायित्व से विद्यार्थियों को परिचित कराया। उन्होंने कहा कि अपने कार्यों एवं समस्याओं को प्रॉपर चैनल के माध्यम से जानकारी प्राप्त करें। मंचासीन पदाधिकारियों का स्वागत डॉ. बिमलेश कुमार सिंह, डॉ. श्याम कुमार झा, डॉ. शतरुद्र प्रकाश, डॉ. अंजनी कुमार श्रीवास्तव, डॉ. राकेश पाण्डेय, डॉ. युगल किशोर दधीचि, डॉ. असलम खान ने किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. शहाना मजूमदार ने की। संचालन गरिमा तिवारी ने किया।



### Induction Ceremony Organised by MGCU

**MGCU News** | Mahatma Gandhi Central University, Motihari organised the Induction Ceremony for the newly admitted students on 13 August 2024 at Mahatma Gandhi Auditorium, Motihari. The chief guest of the ceremony was Shri Rajendra Vishwanath Arlekar, Hon'ble Governor, Bihar. Shri Radha Mohan Singh, Hon'ble Member of Parliament, East Champaran graced the occasion as the Guest of Honour. The ceremony was presided over by Prof. Sanjay Srivastava, Hon'ble Vice Chancellor, MGCU.

The chief guest, Hon'ble Governor Shri Rajendra Vishwanath Arlekar, stated that on August 15, 2047, when India celebrates 100 years of independence, the nation will be recognised among developed countries. He emphasised that this transformation will be driven by the youth. He said, "When Prime Minister Narendra Modi talks about a developed India, he envisions young individuals like you". Addressing the newly admitted students, the Governor remarked that India should not just be a 'golden bird' but rather a 'lion,' whose roar can be heard far and wide. He expressed that the 'Amrit Shakti'—the vital energy that will realise the vision of 'Amritkal' as envisioned by the Prime Minister—lies within the youth. The world is currently looking toward India. In this context, he urged all students to



pledge to fulfil the dream of a developed India. He acknowledged that while students often receive certificates and focus solely on job acquisition, the traditional education system has fostered a mentality of dependency. Instead, he encouraged students to aspire to be job creators rather than job seekers. He emphasised that the National Education Policy 2020 today aims to cultivate job providers.

MP Radha Mohan Singh said that when we prepare the outline of the future by incorporating history and the present, then success is definitely achieved. “Do not only focus on bookish education but also understand practical education”, he said. Today, emphasis has been laid on ancient knowledge in national education. He expressed happiness with the fact that the university students are being appointed in large numbers in reputed government and non-government organisations. But he emphasised that in the era of entrepreneurship, they should also become entrepreneurs.

The Hon'ble Vice Chancellor, Prof. Sanjay Srivastava, stated that Mahatma Gandhi Central University is set to establish a comprehensive infrastructure on its permanent campus over the next two and a half years. Since its inception in 2016, the university has made significant strides in its development journey. Initially, 162 acres were available, but now a total of 262 acres has been secured for expansion. Steps are actively being taken to prepare the Detailed Project Report (DPR) for upcoming building construction. Prof. Srivastava highlighted that the university has conferred 33 PhD degrees and currently boasts 451 researchers engaged in various projects. Despite being one of the newest central universities, MGCU has achieved an impressive 20th position in the IIRF rankings. A notable number of students have successfully cleared the NET-JRF exam, with 106 students securing UGC fellowships. Additionally, plans are underway to establish an incubation centre aimed at fostering entrepreneurship development.

Hon'ble Vice Chancellor inaugurated the Har Ghar Tiranga Abhiyan during the program. The second session of the Induction Ceremony was also presided over by him. This academic session featured presentations from the well-known motivational speaker Dr. Vikrant Singh Tomar and Prof. Aarti Srivastava at NIEPA. Dr. Vikrant Singh Tomar shared several examples that highlighted important concepts, from goal setting to self-recognition, aimed at inspiring the students. He emphasised that achieving success requires setting goals, making continuous efforts, accepting failures, and avoiding comparisons with others. Additionally, he stressed the importance of curiosity, as it contributes to a person's knowledge and should be cultivated in students.

During the presentation about the various aspects of the New Education Policy 2020, Prof. Aarti Srivastava from NIEPA



emphasised the importance of higher education in today's global context. She noted that students in higher education should recognise that this period is crucial for laying the foundation for their entire lives. Citing educational resources from various countries, she discussed the efforts being made to improve education in India. At the event, Chief Proctor Prof. Prasoon Dutta Singh, provided an in-depth overview of the Proctorial Board's functions and encouraged students to read the manual on students' discipline. Prof. Arttatrana Pal, The Dean of Student Welfare (DSW), shared various student related facilities and initiatives at the university campus. Controller of Examinations, Prof. K. K. Upadhyay, provided critical information related to examinations and admissions. Provost Prof. Rafiq Ul Islam discussed hostel facilities, informing attendees that the university currently has limited accommodations for female students, which include excellent living and dining arrangements, as well as a conducive study environment. Efforts are also being made to improve hostel facilities for male students. Prof. Sunil Kumar Srivastava, Director, Research & Development Cell, highlighted that significant steps are being taken to enhance research opportunities for students in alignment with the recommendations of the new education policy. Library In-charge Prof. Ranjit Kumar Chaudhary detailed the resources available in the library, mentioning that it houses more than 33,000 books on various subjects, as well as hundreds of electronic resources, including books and research papers.

OSD (Finance) Prof. Vikas Pareek offered important financial information for students. OSD (Admin) Mr Sachchidanand Singh introduced students to the committees established for various university activities and their respective responsibilities, encouraging them to seek help through proper channels for any work-related issues.

Dignitaries on stage were welcomed by Dr. Bimlesh Kumar Singh, Dr. Shyam Kumar Jha, Dr. Satarudra Prakash Singh, Dr. Anjani Kumar Srivastava, Dr. Rakesh Pandey, Dr. Jugul Kishor Dadhich, and Dr. Aslam Khan. Dr. Shahana Majumdar delivered the vote of thanks, and the program was emceed by Dr Garima Tiwari.

The formal session of the ceremony was followed by a cultural segments where the students presented a bouquet of performances, including folk dance, songs, and an adaptation of the play Gabar Ghichor by Bhojpuri playwright Bhikhari Thakur.



# गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के दीप को देदीप्यमान करते हुए एमजीसीयूबी ने पूरे किए अपने 8 वर्ष

**एमजीसीयू न्यूज।** गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के दीप को देदीप्यमान करते हुए महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय ने अपने 8वर्ष पूरे कर लिए। इस अवसर को यादगार बनाते हुए दिनांक 03 अक्टूबर, 2024 को विश्वविद्यालय ने धूम-धाम के साथ अपना 8वां स्थापना दिवस मनाया। स्थापना दिवस समारोह मोतिहारी शहर स्थित प्रेक्षागृह में मनाया गया। समारोह की विधिवत शुरुआत मंचासीन अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर तथा माता सरस्वती एवं महात्मा गाँधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई।

समारोह की अध्यक्षता केविवि के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने की। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. क्षिति भूषण दास, सारस्वत अतिथि के रूप में संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति पद्मश्री प्रो. राजेन्द्र मिश्र 'अभिराज' तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में जय प्रकाश विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. प्रमेन्द्र कुमार वाजपेयी उपस्थित थे। कार्यक्रम में आए सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत एमजीसीयू के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने अंगवस्त्र, स्मृति चिह्न, पादप, मधुबनी चित्रकला भेंट कर किया तथा माननीय कुलपति का स्वागत विवि के चीफ प्रॉक्टर प्रो. प्रसून दत्त सिंह ने किया।

अध्यक्षीय उद्बोधन के दौरान केविवि के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने सभी शिक्षकों, शोधार्थियों, विद्यार्थियों, प्रशासनिक अधिकारियों, शिक्षणोत्तर कर्मचारियों को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दी और कहा कि विश्वविद्यालय के उन्नयन में इन सभी का विशेष योगदान है। विश्वविद्यालय की आगामी योजनाओं को रेखांकित करते हुए कहा कि आने वाले कुछ वर्षों में अनेक नये विभाग एवं केंद्र स्थापित होंगे। हमारा प्रयास होगा अधिकांश विषयों का अध्ययन, एवं शोध यहां पर हो। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित एमजीसीयू न्यूज लेटर, परिसर प्रतिबिम्ब और ज्ञानाग्रह का जिक्र करते हुए इसे विश्वविद्यालय से सम्बंधित गतिविधियों और शिक्षकों व विद्यार्थियों के रचनात्मक अभिव्यक्ति का सुनहरा मंच बताया।

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि सह झारखंड केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. क्षिति भूषण दास ने स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय कोई साल-दो साल में बन जाने वाला कोई भौतिक भवन नहीं है बल्कि वहां पढ़ने वाले विद्यार्थी एवं पढ़ाने वाले शिक्षकों के वर्षों की त्याग-तपस्या

की तापोस्थाकी होती है। सारस्वत अतिथि के रूप में संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति पद्मश्री प्रो. राजेन्द्र मिश्र ने कहा कि चंपारण की धरती महान है। जिसने गाँधी को महात्मा बना दिया, जिस धरती से जागी सत्याग्रह की चिंगारी ने अंग्रेजों के हुकूमत को जलाकर खाक कर दिया, उस धरती पर स्थापित महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय अपना 8वां स्थापना दिवस मना रहा है, इसके लिए मैं आप सभी को बहुत-बहुत बधाई देता हूं। इतिहास गवाह रहा है कि

हमारे देश के ऋषियों, गुरुओं एवं अध्यापकों ने इस राष्ट्र की रक्षा की है और आप भी उस परंपरा को आत्मसात कर युवाओं में राष्ट्र प्रथम की भावना को जागृत करते हुए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहे हैं, इसके लिए भी मैं आपको बधाई देता हूं। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित जय प्रकाश विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. प्रमेन्द्र कुमार वाजपेयी ने कहा कि यह बहुत ही हर्ष की बात है कि एमजीसीयू आज अपना 8 वां स्थापना दिवस समारोह मना रहा है। भौतिक संसाधनों की पूर्ण व्यवस्था ना होने के बावजूद गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने की दिशा में जो योगदान आप दे रहे हैं वो अतुलनीय है। स्वागत उद्बोधन में भाषा एवं मानविकी संकाय के अधिष्ठाता सह कुलानुशासक प्रो. प्रसून दत्त सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय निरंतर कुलपति जी के नेतृत्व में आगे बढ़ रहा है। हम सभी का यह दायित्व बनता है कि विश्वविद्यालय को जनसरोकारों से जोड़कर इसे ज्ञान और अनुसंधान का बड़ा केंद्र बनायें। आधार ज्ञापन अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष डॉ. बिमलेश कुमार सिंह एवं सफल संचालन सहायक प्रोफेसर डॉ. उमेश पात्रा ने की।



## MGCUB Celebrates its 8th Foundation Day

**MGCU News |** Mahatma Gandhi Central University celebrated its 8th Foundation Day on October 3, 2024, with great enthusiasm. The celebrations took place at Mahatma Gandhi Auditorium, Motihari. The ceremony commenced with the guests on stage lighting a lamp and paying floral tribute to the statues of Mother Saraswati and Mahatma Gandhi.

The ceremony was presided over by Vice Chancellor Prof. Sanjay



कल के लिए सबसे अच्छी तैयारी यह है कि आज अच्छा करो।  
~ एच. जैक्सन ब्राउन जूनियर

Srivastava. Among the attendees were Prof. Kshiti Bhushan Das, Vice Chancellor, Central University of Jharkhand as the Chief Guest; Padma Shri awardee Prof. Rajendra Mishra 'Abhiraj', former Vice Chancellor Sampurnanand Sanskrit University, who was the Saraswat Guest; and Prof. Pramendra Kumar Bajpai, Vice-Chancellor, Jai Prakash University as the Guest of Honour.

All the dignitaries were welcomed by MGCU Vice Chancellor Prof. Sanjay Srivastava, who presented them with shawls, souvenirs, saplings, and Madhubani paintings. The Chief Proctor of the University, Prof. Prasoon Dutta Singh, also extended a warm welcome to Prof. Srivastava, Vice-Chancellor of MGCU.

During his presidential address, Prof. Sanjay Srivastava wished all the teachers, researchers, students, administrative officers, and non-teaching staff a happy foundation day, emphasizing their vital contributions to the university's development. He outlined the university's future plans, stating that many new departments and centres will be established in the coming years. He expressed a commitment to enhancing study, research, and learning opportunities across various subjects. Prof. Srivastava also highlighted the significance of the MGCU News Letter, Parisar Pratibimb, and Gyanagraha, which are published by the university. He referred to them as excellent platforms for showcasing university-related activities and the creative expressions of both teachers and students. Addressing the ceremony, Chief Guest and Vice Chancellor of Central University of Jharkhand, Prof. Kshiti Bhushan Das said that a university is not a physical building that is constructed in a year or two, but we get it as a result of years of sacrifice and penance of the students studying there and the teachers teaching there. As Saraswat guest, former Vice Chancellor of Sampurnanand Sanskrit University, Padma Shri Prof. Rajendra Mishra said that the land of Champaran made Gandhi a Mahatma; it is the land from which the spark of Satyagraha arose and burnt down the British rule. Mahatma Gandhi Central University, established on that land, is celebrating its 8th Foundation Day, for which I congratulate all of you. History has been a witness that the sages, gurus and teachers of our country have protected this nation, and you, too, have imbibed that tradition and are providing quality education by awakening the spirit of the nation first in the youth, for this also I congratulate you. Vice Chancellor of Jai Prakash University, Prof. Bajpai said that it is a matter of great joy that MGCU is celebrating its 8th Foundation Day today. Despite the lack of complete arrangement of physical resources, the contribution you are making towards providing quality education is incomparable. In the welcome address, Prof. Prasoon Dutta Singh, Chief Proctor and Dean, Humanities & Languages, said that the university is constantly moving forward under the leadership of the Vice Chancellor. It is the responsibility of all of us to connect the university with public concerns and make it a big

centre of knowledge and research. The vote of thanks was proposed by Dr. Bimlesh Kumar Singh, Head of the Department of English. Dr Umesh Patra emceed the ceremony.

## स्थापना दिवस समारोह में विश्वविद्यालय की छमाही पत्रिका 'एमजीसीयू न्यूजलेटर' का विमोचन



**एमजीसीयू न्यूज** | महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय के 8वें स्थापना दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय की छमाही पत्रिका 'एमजीसीयू न्यूजलेटर' का विमोचन किया गया। पत्रिका का विमोचन महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव, झारखंड केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. क्षिति भूषण दास, संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के भूतपूर्व कुलपति पद्मश्री प्रो. राजेन्द्र मिश्र तथा जय प्रकाश विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. प्रमेन्द्र कुमार वाजपेयी के कर कमलों द्वारा हुआ।

पत्रिका की सराहना करते हुए कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने बताया कि विश्वविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों को देश के विभिन्न अकादमिक और अन्य महत्वपूर्ण संस्थाओं तक पहुँचाना इस न्यूज लेटर का प्रमुख उद्देश्य है। पत्रिका के कलेवर और अंतर्वस्तु को सुंदर बताते हुए इसे निरन्तर प्रकाशित करने पर जोर दिया। पत्रिका के संपादक डॉ. परमात्मा कुमार मिश्र ने बताया कि इस पत्रिका में विश्वविद्यालय की जनवरी से जून तक की सभी गतिविधियों, कार्यक्रमों, उपलब्धियों आदि का विवरण दिया गया है। यह द्विभाषी और छमाही है जिसमें विश्वविद्यालय के समाचार और शिक्षकों के शोध, महत्वपूर्ण संगोष्ठी में सहभागिता, प्लेसमेंट आदि को अंतर्वस्तु के रूप में शामिल किया गया है। जनसम्पर्क प्रकोष्ठ के समन्वयक डॉ. श्याम नन्दन ने बताया कि पत्रिका को देश के विश्वविद्यालयों और महत्वपूर्ण अकादमिक संस्थाओं तक पहुँचाने का लक्ष्य जनसम्पर्क प्रकोष्ठ की ओर से निर्धारित है।

विमोचन के अवसर पर एमजीसीयू न्यूजलेटर के सलाहकार समिति के सदस्य प्रो. प्रसून दत्त सिंह, प्रो. शिरीष मिश्रा, प्रो. रणजीत कुमार चौधरी, पत्रिका के संपादक डॉ. परमात्मा कुमार मिश्र, संपादन मंडल के सदस्य डॉ. अंजनी कुमार झा, डॉ. श्याम नंदन, कुलसचिव सह प्रकाशक डॉ. सचिदानन्द सिंह, डॉ. उमेश पात्रा, डॉ. सुनील दीपक घोड़के, सुश्री शोफालिका मिश्रा आदि मंच पर उपस्थित थे।

## Launch of MGCU News Letter, half-yearly magazine of the university in the Foundation Day celebration

**MGCU News** | On the occasion of the 8th Foundation Day of Mahatma Gandhi Central University, the half-yearly magazine of the university 'MGCU News' was launched. The magazine was released by the Vice Chancellor of Mahatma Gandhi Central





University, Prof. Sanjay Srivastava, Vice Chancellor, Central University of Jharkhand, Prof. Kshiti Bhushan Das, former Vice Chancellor of Sampurnanand Sanskrit University, Padma Shri Prof. Rajendra Mishra and Vice Chancellor of Jai Prakash University, Prof. Pramendra Kumar Bajpai.

Praising the magazine, Vice Chancellor Prof. Sanjay Srivastava highlighted its main objective: to share the university's various activities with academic and other significant institutions across the country. He described the magazine's format and content as appealing and emphasized the importance of continuous publication.

The magazine's editor, Dr. Paramatma Kumar Mishra, noted that it features details about all the university's activities, programs, and achievements from January to June. This bilingual, semi-annual publication includes university news, faculty research, participation in important seminars, and information about placements.

Dr. Shyam Nandan, the Coordinator of the Public Relations Cell, announced that the goal is to distribute the magazine to universities and key academic institutions across the country. During the release event, members of the MGCU Newsletter Advisory Committee were present on stage, including Prof. Prasoon Dutta Singh, Prof. Shirish Mishra, Prof. Ranjit Kumar Choudhary, the magazine's editor; Dr Paramatma Kumar Mishra, members of the editorial board: Anjani Kumar Jha, Dr. Shyam Nandan, Dr. Umesh Patra, Dr. Sunil Deepak Ghodke, Ms. Shephalika Mishra, and Shri Sachidanand Singh, OSD (Admin) and Publisher among others.

## सेहत केन्द्र द्वारा विश्वविद्यालय स्तरीय मैराथन प्रतियोगिता



**एमजीसीयू न्यूज** महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय में स्थापित सेहत केन्द्र द्वारा विश्वविद्यालय स्तरीय मैराथन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के छात्र-छात्राओं ने बहुत उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। छात्राओं में शान्ति (समाज शास्त्र विभाग) ने प्रथम स्थान, लिप्सा मोहंती (अर्थशास्त्र विभाग) द्वितीय, रंजू यादव (संस्कृत विभाग) तृतीय, पूनम कुमारी (अंग्रेजी विभाग) चतुर्थ तथा मोहना सिंह (समाज कार्य विभाग) पांचवें स्थान पर रहीं। छात्रों में दिग्विजय राज (संस्कृत विभाग) प्रथम, विवेक कुमार (अंग्रेजी

विभाग) द्वितीय, बलिराम (संस्कृत विभाग) तृतीय, अशर्फी लाल (हिन्दी विभाग) चतुर्थ तथा शिव प्रसाद पाल (संस्कृत विभाग) पांचवें स्थान पर रहे। मैराथन प्रतियोगिता में प्रतिभाग ग्रहण करने वालों में से प्रथम ५ छात्राओं तथा प्रथम ५ छात्रों का चयन जिला स्तरीय मैराथन प्रतियोगिता के लिए किया गया। इस अवसर पर सेहत केन्द्र के समन्वयक प्रो. पवनेश कुमार तथा सेहत केन्द्र के सह समन्वयक डॉ. बबलू पाल की भूमिका महत्वपूर्ण थी।

## University Level Marathon Competition Organised by Sehat Kendra

**MGCU News** | The Sehat Kendra at Mahatma Gandhi Central University organised a marathon competition at the university level on 10 July 2024. Students from various departments participated enthusiastically in the event.

Among the girls, the following students achieved top positions: Shanti from the Department of Sociology secured 1st place, followed by Lipsa Mohanti from the Department of Economics in 2nd place, Ranju Yadav from the Department of Sanskrit in 3rd place, Poonam Kumari from the Department of English in 4th place, and Mohana Singh from the Department of Social Work in 5th place.

For the boys, the top finishers were Shrivastava Digvijay Raj from the Department of Sanskrit in 1st place, Vivek Kumar from the Department of English in 2nd place, Baliram from the Department of Sanskrit in 3rd place, Asharfi Lal from the Department of Hindi in 4th place, and Shiv Prasad Pal from the Department of Sanskrit in 5th place.

The top five girls and boys from the competition have been selected to participate in the district-level marathon competition. On this occasion, Prof. Pavnesh Kumar, the coordinator of Sehat Kendra, and Dr. Babaloo Pal, the Co-coordinator of the Health Centre, played significant roles as patrons of the event.

## पत्रकारिता का मूल आधार विश्वसनीयता : बृजेश दुबे

**एमजीसीयू न्यूज** महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय के मीडिया अध्ययन विभाग द्वारा चाणक्य परिसर स्थित पंडित राजकुमार शुक्ल सभागार में 'पत्रकारिता का बदलता स्वरूप' विषयक एक दिवसीय विद्यार्थी उन्मुखीकरण सह संगोष्ठी आयोजित हुई। कार्यक्रम के संरक्षक एमजीसीयूबी के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव थे। मुख्य वक्ता वरिष्ठ पत्रकार बृजेश दुबे, सारस्वत अतिथि प्रो. शिरीष मिश्र, संकायाध्यक्ष वाणिज्य एवं प्रबंध संकाय, अध्यक्षता डॉ. अंजनी कुमार झा, विभागाध्यक्ष मीडिया अध्ययन विभाग और संयोजक डॉ. परमात्मा कुमार मिश्र थे। बतौर मुख्य वक्ता बृजेश दुबे ने कहा कि पत्रकारिता में बदलाव को जानने के लिए इसके इतिहास को समझनी जरूरी है। पत्रकारिता का मूल आधार विश्वसनीयता, सत्यता तथा निष्पक्षता होती है तथा एक सच्चे पत्रकार को इसे कभी नहीं छोड़नी चाहिए। प्रो. शिरीष मिश्र ने कहा कि मीडिया लोकतंत्र की चौथी सबसे मजबूत स्तंभ है तथा इसे मजबूत बनाये रखने के लिए इसमें विश्वसनीयता व सत्यता होनी चाहिए। उन्होंने प्रिंट मीडिया को विश्वसनीयता का स्रोत बताया और कहां की आज भी लोग अखबारों पर अधिक विश्वास करते हैं। अध्यक्षीय उद्बोधन में मीडिया अध्ययन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अंजनी कुमार झा ने कहा कि विद्यार्थी उन्मुखीकरण का



मुख्य उद्देश्य है कि विद्यार्थी विभाग को अच्छी तरह जानें तथा सभी नए प्रवेशीय छात्र-छात्राओं को अच्छी मार्गदर्शन मिले कि वह भविष्य में अच्छे पत्रकार बन सकें। स्वागत उद्बोधन में डॉ. परमात्मा कुमार मिश्र ने कहा कि उन्मुखीकरण कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए आयोजित किया गया है, ताकि वह विश्वविद्यालय को समझें और उससे परिचित हों। आयोजन समिति के सदस्य डॉ. साकेत रमण, डॉ. सुनील दीपक घोड़े एवं डॉ. उमा यादव ने भी विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। मंच संचालन रुचि भारती, छात्रा एमजेएमसी और अंकित कुमार बीएजेएमसी ने की।

### ***"Credibility is the Foundation of Journalism": Orientation Cum Seminar At Media Studies Dept.***



**MGCUC News** | The Department of Media Studies at Mahatma Gandhi Central University organised an orientation cum one-day seminar on "The Changing Nature of Journalism" on 10 July 2024 at the Pandit Rajkumar Shukla Sabhagar at Chanakya Parisar. The event's Chief Patron was Prof. Sanjay Srivastava, Vice-Chancellor, MGCUC. The keynote speaker was senior journalist Brijesh Dubey. Prof. Shirish Mishra, Dean of the PMMM School of Commerce and Management Sciences was the guest of honour. The event was presided over by Dr. Anjani Kumar Jha, Head of the Department of Media Studies. Dr. Paramatma Kumar Mishra was the coordinator of the event.

In his keynote address, Mr Brijesh Dubey emphasized the importance of understanding journalism's history to appreciate its evolution. He stated that the foundational principles of journalism are credibility, truth, and impartiality, which a true journalist must never compromise. Prof. Shirish Mishra highlighted that media serves as the fourth pillar of democracy and stressed the need for it to maintain credibility and truthfulness. He pointed out that print media is still viewed as a credible source, and many people continue to trust newspapers more than other forms of media. In his presidential address, Dr. Anjani Kumar Jha explained that the main objective of the student orientation was to familiarize new students with the department and to provide them with guidance to help them become successful journalists in the future. Dr. Paramatma Kumar Mishra added in his welcome address that the orientation program was designed to help students understand and become acquainted with the university.

Members of the organizing committee, including Dr. Saket

Raman, Dr. Sunil Deepak Ghodke, and Dr. Uma Yadav, also provided guidance to the students. The event was conducted by Ruchi Bharti, a student in the MJMC program, and Ankit Kumar from the BAJMC program.

### ***एमजीसीयू में ईएसएफ स्मॉल फाइनेंस बैंक के लिए कैम्पस भर्ती अभियान का आयोजन***

**एमजीसीयू न्यूज** | महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय के करियर काउंसलिंग और प्लेसमेंट सेल द्वारा ईएसएफ स्मॉल फाइनेंस बैंक के लिए कार्यकारी प्रशिक्षु पद हेतु एक कैम्पस भर्ती अभियान का सफल आयोजन किया गया। यह अभियान ओरिएंटेशन सत्र और समूह चर्चा सत्र के साथ शुरू हुआ, जिसके बाद ऑनलाइन योग्यता परीक्षा आयोजित की गई। विभिन्न विभागों के कुल 60 पंजीकृत छात्रों में से सात छात्रों ने पहले स्तर का साक्षात्कार पास किया। अंततः पाँच छात्रों ने दूसरे स्तर का साक्षात्कार सफलतापूर्वक पास किया। चयनित उम्मीदवारों में प्रबंधन विज्ञान विभाग से श्री अंकित कुमार मिश्रा, श्री सोनू कुमार और श्री अंकुश कुमार पांडेय तथा कंप्यूटर विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग से श्री विवेक कुमार और सुश्री ऋषिता श्रीवास्तव शामिल हैं। कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि हमारे छात्रों की यह उपलब्धि न केवल उनकी मेहनत और समर्पण का परिणाम है, बल्कि हमारे संकाय सदस्यों और प्लेसमेंट सेल की लगातार मेहनत और सहयोग का भी प्रतिफल है। डॉ. सपना सुगंधा और डॉ. सुनील कुमार सिंह ने कैम्पस भर्ती अभियान में अहम भूमिका निभाई।

### ***Campus Recruitment Drive for ESAF Small Finance Bank organised at MGCUC***



*प्रतीकात्मक तस्वीर*

**MGCUC News** | Career Counselling and Placement Cell of Mahatma Gandhi Central University successfully organised a campus recruitment drive for the post of Executive Trainee for ESAF Small Finance Bank on 12 July 2024. The drive started with an orientation session and group discussion session, followed by an online aptitude test. Out of a total of 60 registered students from various departments, seven students cleared the first-level interview. Eventually, five students successfully cleared the second-level interview. The selected candidates include Mr. Ankit Kumar Mishra, Mr. Sonu Kumar and Mr. Ankush Kumar Pandey from the Department of Management Sciences and Mr. Vivek Kumar and Ms. Rishita Srivastava from the Department of Computer Science and Information Technology. Hon'ble Vice Chancellor Prof. Sanjay Srivastava,





while congratulating the successful students, said that this achievement of the students is not only the result of their hard work and dedication but also the result of the continuous hard work and cooperation of our faculty members and placement cell. Dr. Sapna Sugandha and Dr. Sunil Kumar Singh played an important role in the campus recruitment drive.

### महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय के आकांक्षा और मुकुल आनंद टीसीएस में चयनित

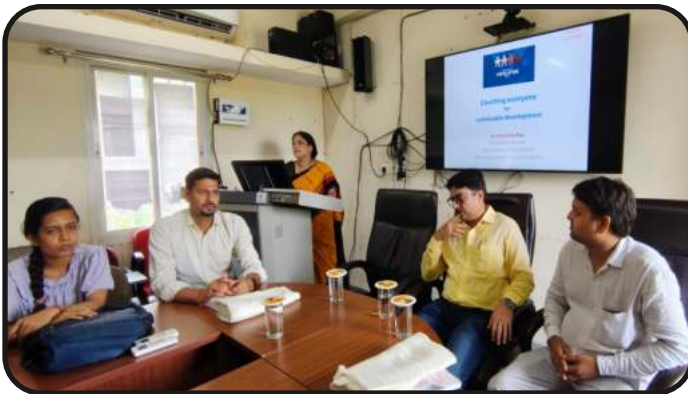


आकांक्षा (फाइल फोटो)

मुकुल आनंद (फाइल फोटो)

**एमजीसीयू न्यूज** | महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय के दो विद्यार्थियों का चयन टाटा कंसल्टेंसी सर्विस के लिए हुआ। विभागाध्यक्ष प्रो. विकास पारीक ने बताया कि बीटेक के विद्यार्थी आकांक्षा का चयन सिस्टम इंजीनियर और मुकुल आनंद का चयन असिस्टेंट सिस्टम इंजीनियर के रूप में टीसीएस द्वारा किया गया है। इस चयन पर विवि के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने प्रसन्नता व्यक्त और विभाग को अपनी शुभकामना प्रेषित की है। बीटेक के दौरान विद्यार्थियों प्रो. विकास पारीक के निर्देशन में स्टॉक मार्केट पूर्वानुमान पर एक प्रोजेक्ट पर सफलता पूर्वक कार्य किया है। इसके अतिरिक्त ये दोनों विद्यार्थी इससे पहले गेट परीक्षा में भी सफल हो चुके हैं। इस सफलता पर संकायाध्यक्ष प्रो. रणजीत चौधरी एवं विभाग के शिक्षकों डॉ. विपिन कुमार, डॉ. अतुल त्रिपाठी, डॉ. सुनील कुमार व शुभम कुमार ने हर्ष व्यक्त किया है।

### सेहत केन्द्र द्वारा विश्व जनसंख्या दिवस पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन



**एमजीसीयू न्यूज** | महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय के सेहत केन्द्र द्वारा विश्व जनसंख्या दिवस के उपलक्ष्य में समावेशी जनसंख्या एवं वर्तमान परिदृश्य" विषयक एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। विशिष्ट वक्ता के रूप में समाज कार्य विभाग की सहायक आचार्य डॉ. रश्मिता राय ने संबोधित किया। विश्व जनसंख्या दिवस २०२४ की थीम "लीव नो वन बिहाइंड, काउंट एवरीवन" को

ध्यान में रखते हुए समावेशी और सतत विकास युक्त जनसंख्या पर अपना गहन चिंतन प्रस्तुत किया। मुख्य वक्ता के रूप में गाँधी एवं शान्ति अध्ययन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अभय विक्रम सिंह ने विश्व जनसंख्या दिवस की संकल्पना, उद्देश्यों एवं नीतियों पर अपना उद्बोधन दिया। अपने उद्बोधन में डॉ. सिंह ने एक संतुलित जनसंख्या को ही समावेशी एवं सतत विकास का उत्तम उपाय बताया। संचालन समाज कार्य विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अनुपम कुमार वर्मा एवं धन्यवाद ज्ञापन सेहत केन्द्र के सह समन्वयक डॉ. बबलू पाल ने किया।

### Sehat Kendra Organised a Special Lecture on World Population Day

. A special lecture on "Inclusive Population and Current Scenario" was organised by the Sehat Kendra of Mahatma Gandhi Central University on the occasion of World Population Day on 11 July 2024. Dr. Rashmita Ray, Assistant Professor of Social Work addressed as the distinguished speaker. With the theme of World Population Day 2024 being "Leave No One Behind, Count Everyone," she delivered a profound address on the relationship between population and inclusive, sustainable development. As the keynote speaker, Dr. Abhay Vikram Singh, Assistant Professor in the Department of Gandhi and Peace Studies, discussed the key concepts, objectives, and policies associated with World Population Day. He emphasized that a balanced population is essential for achieving inclusive and sustainable development. The program was conducted by Dr. Anupam Kumar Verma, Assistant Professor in the Department of Social Work, and the vote of thanks was proposed by Dr. Babaloo Pal, Co-Coordinator of the Sehat Kendra.

### महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय में जनसंपर्क प्रकोष्ठ का गठन



**एमजीसीयू न्यूज** | महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय के जनसंपर्क प्रकोष्ठ का पुनर्गठन किया गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा अधिसूचित और नवगठित जन-संपर्क प्रकोष्ठ के संयोजक केन्द्रीय विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. श्याम नंदन को नियुक्त किया गया है। इसके अतिरिक्त नौ अन्य सदस्य बनाए गए हैं, जिसमें डॉ. अंजनी कुमार झा (विभागाध्यक्ष, मीडिया अध्ययन), डॉ. सपना सुगंधा (विभागाध्यक्ष, प्रबंधन विभाग), डॉ. पंकज कुमार सिंह (राजनीतिक विज्ञान विभाग), डॉ. उमेश पात्रा (अंग्रेजी विभाग), डॉ. कुंदन किशोर (जंतु विज्ञान विभाग), डॉ. गोविंद प्रसाद वर्मा (हिंदी विभाग), डॉ. परमात्मा कुमार मिश्रा



"आपो हि ष्ठा मयोभुवस्ता न ऊर्जे दधातना" (जल जीवनदायी और ऊर्जा प्रदान करने वाला है।)

~ ऋग्वेद 10.9.1-2

(मीडिया अध्ययन विभाग), डॉ. सुनील दीपक घोडके (मीडिया अध्ययन विभाग), डॉ. अनुपम कुमार वर्मा (सामाजिक कार्य विभाग), डॉ. आशा मीणा (हिंदी विभाग) के अलावा केंद्रीय विश्वविद्यालय की जनसंपर्क अधिकारी सुश्री शेफालिका मिश्रा सदस्य-सचिव के रूप में शामिल हैं।

## Public Relations Cell Reconstituted at Mahatma Gandhi Central University

**MGCU News** | The Public Relations Cell of Mahatma Gandhi Central University has been reconstituted. Dr. Shyam Nandan, an Assistant Professor in the Hindi Department, has been appointed as the Coordinator of the Cell. Alongside Dr. Nandan, nine other members have been appointed, including Dr. Anjani Kumar Jha, Head of the Department of Media Studies; Dr. Sapna Sugandha, Head of the Department of Management Science; Dr. Pankaj Kumar Singh from the Department of Political Science; Dr. Umesh Patra from the Department of English; Dr. Kundan Kishor Rajak from the Department of Zoology; Dr. Govind Prasad Verma from the Hindi Department; Dr. Paramatma Kumar Mishra and Dr. Sunil Deepak Ghodke, both from the Department of Media Studies; Dr. Anupam Kumar Verma from the Department of Social Work; and Dr. Asha Meena from the Hindi Department. In addition, Ms. Shefali Mishra, the Public Relations Officer of the Central University, will serve as the Member-Secretary of the Cell. The PR Cell will be responsible for publicising the events of the university through the official channels.

## महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय ने IIRF 2024 में 20वां स्थान प्राप्त कर रचा इतिहास

**एमजीसीयू न्यूज** | महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय (एमजीसीयू) ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए भारतीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (IIRF) 2024 में 40 केंद्रीय विश्वविद्यालयों में से 20वां स्थान प्राप्त किया है। यह सफलता एमजीसीयू के शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुसंधान और समग्र विकास के प्रति समर्पण को प्रदर्शित करती है। आईआईआरएफ रैंकिंग में देशभर के 1000 से अधिक संस्थानों का मूल्यांकन किया गया है। यह फ्रेमवर्क सात प्रमुख मापदंडों पर आधारित है, जिनमें शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुसंधान, प्लेसमेंट प्रदर्शन, कॉर्पोरेट इंटरफेस, प्लेसमेंट रणनीतियाँ और समर्थन, शिक्षण संसाधन एवं पेडागोजी और भविष्य की ओरिएंटेशन शामिल हैं।

एमजीसीयू के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने इस सफलता पर खुशी और गर्व व्यक्त करते हुए कहा, "आईआईआरएफ 2024 में 20वां स्थान प्राप्त करना हमारे विश्वविद्यालय के लिए एक गौरवपूर्ण क्षण है। यह हमारे शैक्षणिक नवाचार, उत्कृष्ट



अनुसंधान और समग्र विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस सफलता का श्रेय हमारे संकाय सदस्यों, छात्रों और कर्मचारियों की कड़ी मेहनत को जाता है।" जनसंपर्क अधिकारी शेफालिका मिश्रा ने इस उपलब्धि को एमजीसीयू के सामूहिक प्रयासों का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि 'एमजीसीयू अपने मिशन के प्रति प्रतिबद्ध है और शिक्षा, अनुसंधान और सामुदायिक जुड़ाव के क्षेत्रों में और अधिक उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इस उपलब्धि ने विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा को और मजबूत किया है और हमें गर्व है कि हमने यह सफलता प्राप्त की है।

## Mahatma Gandhi Central University Creates History by Securing 20th Position in IIRF 2024

**MGCU News** | Mahatma Gandhi Central University (MGCU) has achieved a significant feat by securing the 20th position out of 50 central universities in the Indian Institutional Ranking Framework (IIRF) 2024. This success demonstrates MGCU's dedication to academic excellence, research and holistic development. More than 1000 institutions across the country have been evaluated in the IIRF ranking. This framework is based on seven major parameters, which include academic excellence, research, placement performance, corporate interface, placement strategies and support, teaching resources and pedagogy and future orientation.

MGCU Vice Chancellor, Prof. Sanjay Srivastava, expressed pride and joy over the university's latest achievement, stating, "Securing the 20th rank in the IIRF 2024 is a proud moment for our university. It reflects our unwavering commitment to academic innovation, excellence in research, and holistic development. This success is a result of the collective dedication of our faculty, students, and staff."

Public Relations Officer Ms. Shefalika Mishra also emphasized the collaborative spirit behind this accomplishment. She said, "This achievement is a testament to the united efforts of everyone at MGCU. The university remains steadfast in its mission and continues to strive for excellence in education, research, and community engagement. This recognition further strengthens our reputation, and we take great pride in this success."

## दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय एक्सपो में एमजीसीयूबी को मिला द्वितीय पुरस्कार

**एमजीसीयू न्यूज** | महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय ने दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय एक्सपो में केंद्रीय विश्वविद्यालयों, आईआईटी, आईआईएम और अन्य राज्य और केंद्र सरकार के संस्थानों के बीच द्वितीय पुरस्कार जीता। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 20 से 22 जुलाई, 2024 तक भारत मंडपम, नई दिल्ली में सरकारी उपलब्धियों और योजनाओं के एक्सपो में भाग लिया। एक्सपो में, एमजीसीयू ने एनईपी आधारित शैक्षणिक संरचना, भारतीय ज्ञान प्रणाली पर जोर, विकल्प आधारित क्रेडिट संरचना, अनुसंधान उन्मुख शिक्षाशास्त्र, अनुभवी संकाय द्वारा कक्षाओं की नियमितता सहित अपने शैक्षणिक आधार का बेहतर प्रदर्शन किया। विश्वविद्यालय ने स्वच्छ भारत अभियान, आजादी का अमृत महोत्सव, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, फिट इंडिया सप्ताह और भारत सरकार की अन्य अनोखे





पहल का भी प्रदर्शन किया। डिजिटल पहल के तहत, एमजीसीयू ने ई-संसाधनों, स्वयं पाठ्यक्रम एकीकरण, स्मार्ट कक्षाओं, टर्नितिन और व्याकरण पहुंच की उपलब्धता पर प्रकाश डाला। ऑडियो-विज़ुअल डिस्प्ले के माध्यम से, एमजीसीयू ने दीक्षांत समारोह, सांस्कृतिक और खेल गतिविधियों, प्रकाशनों, पुरस्कारों और संकाय सदस्यों द्वारा पेटेंट का भी अच्छा प्रदर्शन किया।

एमजीसीयू द्वारा लगाए प्रदर्शनी में स्कूली बच्चों, विभिन्न राज्यों के गणमान्य व्यक्तियों और उच्च शिक्षण संस्थानों के शिक्षाविदों, सरकारी संस्थानों के प्रतिनिधियों, मीडिया कर्मियों और दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों के स्थानीय लोगों सहित कई आगंतुक का आगमन हुआ। सभी ने विश्वविद्यालय की सराहना की। आगंतुकों ने आईआईआरएफ रैंकिंग में सभी केंद्रीय विश्वविद्यालयों के बीच २०वीं रैंक हासिल करने के लिए विश्वविद्यालय को बधाई भी दी। प्रदर्शनी में, एमजीसीयू को केंद्रीय विश्वविद्यालयों, आईआईटी, आईआईएम और राज्य और केंद्र सरकार के संगठनों सहित सभी भाग लेने वाले संस्थानों के बीच द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

एमजीसीयू के प्रतिनिधि प्रोफेसर शिरीष मिश्रा, डॉ. उमेश पात्रा, शोधकर्ता रवि रंजन और नवीन कुमार ने नई दिल्ली में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। रसायन विज्ञान विभाग के प्रमुख डॉ. राकेश पांडे, डॉ. नीलाभ श्रीवास्तव, डॉ. कुंदन किशोर राजक और डॉ. बबलू पाल सहित टीम के सभी सदस्यों के नवीन विचारों और मेहनती प्रयासों से प्रदर्शनी को मूर्त रूप दिया जा सका।

## ***MGCUB Bags 2nd Prize at National Expo Held in Delhi***

**MGCU News** | Mahatma Gandhi Central University won the 2nd prize among Central Universities, IITs, IIMs and other state and central government institutions at the National Expo held in Delhi. Mahatma Gandhi Central University participated in the Expo of Government Achievements and Schemes at Bharat Mandapam, New Delhi, from 20th to



22nd July 2024. At the Expo, MGCU showcased its academic base, including its NEP-based academic structure, emphasis on the Indian knowledge system, choice-based credit structure, research-oriented pedagogy, and regularity of classes by experienced faculty. The university also showcased Swachh Bharat Abhiyan, Azadi Ka Amrit Mahotsav, International Yoga Day, Fit India Week and other unique initiatives of the Government of India. Under the digital initiatives, MGCU highlighted the availability of e-resources, Swayam integration, smart classrooms, Turnitin and Grammarly access. Through audio-visual displays, MGCU also showcased convocations, cultural and sports activities, publications, awards and patents by faculty members.

The exhibition put up by MGCU drew a large and diverse crowd, including school children, dignitaries from various states, academicians from higher educational institutions, representatives of government bodies, media professionals,



and local residents from Delhi and surrounding areas. The university received widespread appreciation from visitors, who also extended their congratulations to MGCU for securing the 20th rank among all Central Universities in the IIRF 2024 rankings. At the event, MGCU was honoured with the second prize among all participating institutions, which included Central Universities, IITs, IIMs, and various state and central government organizations.

The university was proudly represented by Prof. Shirish Mishra, Dr. Umesh Patra, and researchers Ravi Ranjan and Naveen Kumar. The exhibition came to life thanks to the innovative ideas and dedicated efforts of the entire team, including Dr Rakesh Pandey, Head of the Department of Chemistry, along with Dr Neelabh Srivastava, Dr Kundan Kishor Rajak, and Dr Babaloo Pal.



## शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से एमजीसीयू में प्रशिक्षु जागरूकता कार्यक्रम आयोजित



**एमजीसीयू न्यूज** | महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के अप्रेंटिसशिप सेल द्वारा चाणक्य परिसर स्थित पण्डित राजकुमार शुक्ल सभागार में व्यावहारिक प्रशिक्षण बोर्ड (पूर्वी क्षेत्र) बीओपीटी, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग प्रशिक्षु जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन ब्लेंडेड मोड में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों और उद्योग के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु के रूप में काम करना और व्यावहारिक कौशल विकास और कैरियर उन्नति के लिए एक मंच प्रदान करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. पवन कुमार, नोडल अधिकारी, अप्रेंटिसशिप सेल, एमजीसीयू द्वारा परिचय एवं स्वागत भाषण से हुआ। उन्होंने कार्यक्रम के विशिष्ट वक्ता, कामिनेदी चंद्र मौली, सहायक निदेशक, व्यावहारिक प्रशिक्षण बोर्ड, पूर्वी क्षेत्र, कोलकाता का स्वागत किया। प्रशिक्षु कार्यक्रम में 80 से अधिक विद्यार्थी ऑनलाइन और 60 विद्यार्थी ऑफलाइन सहभागिता किए। कार्यक्रम को सफल बनाने में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के चेयरमैन प्रो रफीक उल इस्लाम, प्रो. सुनील कुमार श्रीवास्तव, प्रो अजय कुमार गुप्ता, डॉ. नीलाभ, डॉ. अरविंद, डॉ. श्वेता, की भूमिका प्रमुख थी।

## Apprentice Awareness Program organized at MGCU in collaboration with Ministry of Education, GoI

**MGCU News** | The Apprenticeship Cell of Mahatma Gandhi Central University organized an apprenticeship awareness program in blended mode in Pandit Rajkumar Shukla Auditorium located in Chanakya Campus in collaboration with Board of Practical Training (Eastern Region) BOPT, Ministry of Education, Government of India. The objective of the program was to serve as an important bridge between students and industry and provide a platform for practical skill development and career advancement. The program was inaugurated with an introduction and welcome address by Dr. Pawan Kumar, Nodal Officer, Apprenticeship Cell, MGCU. He welcomed the special speaker of the program, Kaminedi Chandra Mouli, Assistant Director, Board of Practical Training, Eastern Region, Kolkata. More than 80 students participated online and 60 students offline in the

apprenticeship program. Prof. Rafiq Ul Islam, Chairman of Training and Placement Cell, Prof. Sunil Kumar Srivastava, Prof. Ajay Kumar Gupta, Dr. Neelabh, Dr. Arvind, Dr. Shweta, played a major role in making the program successful.

## Three Management Students selected by Shriram Finance Ltd through Campus Placement.



**MGCU News** | The Departmental Placement Cell of the Department of Management Sciences, Mahatma Gandhi Central University (MGCU), organised a campus selection campaign in collaboration with Shriram Finance Limited for the position of Management Trainee. As a result of the recruitment drive, three students from the Department of Management Sciences—Mr. Happy Kumar, Mr. Roshan Kumar, and Mr. Kumar Naman—were successfully selected for the role of Management Trainee.

Prof. Sanjay Srivastava, hon'ble Vice Chancellor of MGCU, extended congratulations to the selected candidates for their achievement. He also commended the efforts of Dr. Sapna Sugandha, Head of the Department and Coordinator of the Departmental Placement Cell, for her instrumental role in facilitating the successful placement drive.

## दिल्ली विश्वविद्यालय में असिस्टेंट लाइब्रेरियन पद पर मुचकुंद श्री का चयन

**एमजीसीयू न्यूज** | महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के पूर्व परास्नातक विद्यार्थी मुचकुंद श्री का चयन दिल्ली विश्वविद्यालय में असिस्टेंट लाइब्रेरियन पद पर हुआ है। मंगांकेविवि के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने मुचकुंद श्री को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के लिए यह प्रसन्नता की बात है। हमारे विद्यार्थी लगातार उच्च पदों पर रोजगार पाने में सफल हो रहे हैं जो विद्यार्थियों सहित विश्वविद्यालय के शिक्षकों के कठिन परिश्रम का परिणाम है। उन्होंने





पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. रणजीत कुमार चौधरी एवं शिक्षकों को भी बधाई दी। विभागाध्यक्ष प्रो. रणजीत कुमार चौधरी डॉ. मधु पटेल और डॉ. सपना ने भी बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

## ‘प्रेमचंद का राष्ट्रभाषा विषयक चिंतन’ पर एक दिवसीय परिसंवाद कार्यक्रम का आयोजन



**एमजीसीयू न्यूज** | महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के तत्वावधान में ‘प्रेमचंद का राष्ट्रभाषा विषयक चिंतन’ विषय पर एक दिवसीय परिसंवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। परिसंवाद कार्यक्रम की अध्यक्षता मानविकी एवं भाषा संकाय के अधिष्ठाता प्रो. प्रसून दत्त सिंह ने की। अध्यक्षीय वक्तव्य देते हुए प्रो. प्रसून दत्त सिंह ने कहा कि भाषा मनुष्य की हृदय भूमि से प्रवाहित धारा है, जिसमें अवगाहन करके मनुष्य अपनी निजता का विस्तार करता है। मुख्य वक्तव्य देते हुए दिग्विजय नाथ पीजी कॉलेज, गोरखपुर के हिन्दी विभाग के अध्यक्ष प्रो. नित्यानंद श्रीवास्तव ने कहा कि “भाषा ही वह शक्ति है, जो राष्ट्रीय संदर्भों में हमारे सांस्कृतिक धरातल का निर्माण करती है। भाषा की जड़ों के माध्यम से ही राष्ट्रीय एकता बनाए रखने की शक्ति आती है।

परिसंवाद कार्यक्रम का संयोजन हिन्दी विभाग के अध्यक्ष डॉ. अंजनी कुमार श्रीवास्तव ने की। वक्तव्य देते हुए डॉ. अंजनी श्रीवास्तव ने कहा कि प्रेमचंद अपने समय के बड़े साहित्यकार थे। राष्ट्रीय संदर्भ में उनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं। स्वागत भाषण देते हुए हिन्दी विभाग के वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. राजेन्द्र सिंह ने वैश्विक पटल पर कथाकार प्रेमचंद की स्वीकार्यता एवं महत्ता रेखांकित की। धन्यवाद ज्ञापन करते हुए हिन्दी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. श्याम नंदन ने वर्तमान की चुनौतियों के सापेक्ष प्रेमचंद की भाषा की लोकप्रियता के मूल तत्वों की ओर संकेत किया। उन्होंने बताया कि प्रेमचंद का भाषा चिंतन भारतीय परंपरा के विस्तार की एक कड़ी है, जो प्रकृति में समन्वयवादी है। कार्यक्रम का संचालन शोधार्थी विकास कुमार ने किया। इस एक दिवसीय राष्ट्रीय परिसंवाद कार्यक्रम के दौरान हिन्दी विभाग की सहायक आचार्य डॉ. गरिमा तिवारी, डॉ. गोविंद प्रसाद वर्मा एवं डॉ. आशा मीणा सहित शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों की बड़ी संख्या में सहभागिता थी।

## National Symposium Explores Premchand's Vision on National Language

**MGCU News** | The Department of Hindi at Mahatma Gandhi Central University (MGCU) organised a one-day symposium on the theme “Premchand's Thoughts on National Language” on 29 July 2024. The event offered an insightful academic platform to reflect on the literary and cultural contributions of the legendary writer Munshi Premchand, particularly in the context of national

language and identity. The symposium was presided over by Prof. Prasoon Dutta Singh, Dean of the School of Humanities and Languages. In his presidential address, he emphasised, “Language is a stream flowing from the heart of man; by immersing in it, one expands their inner world.” Prof. Nityanand Srivastava, Head of the Hindi Department at Digvijai Nath Post Graduate College, Gorakhpur, delivered the keynote address. Echoing similar sentiments, he said, “Language forms the cultural foundation of a nation. The strength to uphold national unity is deeply rooted in language.”

Dr. Anjani Kumar Srivastava, Head of the Hindi Department was the Coordinator of the event. In his address, Dr. Srivastava highlighted that Premchand was a towering literary figure whose ideas remain relevant in contemporary national discourse. Prof. Rajendra Singh, Professor of the Hindi Department, delivered the welcome address, emphasising Premchand's global literary acceptance and enduring significance.

Delivering the vote of thanks, Dr. Shyam Nandan, Assistant Professor of the Hindi Department, reflected on the timelessness of Premchand's language, describing it as a “coordinating link in the continuity of Indian tradition,” particularly significant in addressing the linguistic challenges of the present. The event was gracefully conducted by researcher Vikas Kumar and witnessed active participation from a large number of researchers and students. Dr. Garima Tiwari, Dr. Govind Prasad Verma, and Dr. Asha Meena, Assistant Professors in the Hindi Department also participated in the event.

## शैक्षिक अध्ययन विभाग द्वारा विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन



**एमजीसीयू न्यूज** | महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के शैक्षिक अध्ययन विभाग, शिक्षा संकाय द्वारा “वर्तमान भारतीय शिक्षा में महात्मा गाँधी जी के विचारों का अनुशीलन” विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर के मुख्य वक्ता प्रोफेसर उमेश चन्द्र वशिष्ठ (पूर्व विभागाध्यक्ष एवं संकायाध्यक्ष, शिक्षा संकाय, लखनऊ विश्वविद्यालय, पूर्व सदस्य, राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद्, नई दिल्ली) थे।

व्याख्यान के सफल आयोजन में विभागाध्यक्ष डॉ. मुकेश कुमार, प्रो. आनन्द प्रकाश (अध्यक्ष, राष्ट्रीय शिक्षा नीति क्रियान्वयन समिति) प्रो. सुनील महावर



(संकायाध्यक्ष, सामाजिक विज्ञान विभाग) और प्रो. रणजीत कुमार चौधरी (संकायाध्यक्ष, संगणक विज्ञान, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी) की मुख्य भूमिका थी। मुख्य वक्ता प्रो. उमेश चन्द्र वशिष्ठ ने अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी, बिहार "आशा की किरण" के रूप में उभरा है जो गाँधी जी के विचारों को आगे बढ़ाएगा। उन्होंने गुरुकुल व्यवस्था तथा विभिन्न शिक्षा समितियों पर भी प्रकाश डाला और कहा कि भारतीय शिक्षा में सुधार के लिए नियम और योजना तो पहले से ही बनाये गए हैं, अब समय आ गया है कि उनका क्रियान्वयन पूर्ण रूप से हो। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मनीषा रानी और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. रश्मि श्रीवास्तव द्वारा दिया गया।

### **Special Lecture Explores Relevance of Gandhian Thought in Contemporary Indian Education**

**MGCU News** | The Department of Educational Studies, Mahatma Gandhi Central University (MGCU), organised a special lecture on the theme "Study of Mahatma Gandhi's Thoughts in Current Indian Education" on 29 July 2024 at Brihaspati Sabhagar.

The keynote speaker for the event was Prof. Umesh Chandra Vashishtha, former Head and Dean of the Faculty of Education at University of Lucknow and former Member of the National Council for Teacher Education (NCTE), New Delhi. In his address, Prof. Vashishtha emphasized that Mahatma Gandhi Central University, Motihari, Bihar, has emerged as a "ray of hope" in advancing Gandhian educational ideals. He highlighted the relevance of the Gurukul system and underscored the importance of implementing the educational reforms and frameworks already laid out by various committees. "The time has come for the full execution of existing plans to truly reform Indian education," he asserted.

The successful organization of the event was made possible through the efforts of Dr. Mukesh Kumar, Head of the Department, along with the active support of Prof. Anand Prakash (Chairman, National Education Policy Implementation Committee), Prof. Sunil Mahawar (Dean, School of Social Sciences), and Prof. Ranjit Kumar Chaudhary (Dean, School of Computer Science and ICT). The program was expertly conducted by Dr. Manisha Rani, and the vote of thanks was delivered by Dr. Rashmi Srivastava, marking the conclusion of a thought-provoking and impactful academic session.

### **लेआउट और डिजाइनिंग के लिए कलात्मकता और काल्पनिकता का होना जरूरी**

**एमजीसीयू न्यूज** | महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के मीडिया अध्ययन विभाग द्वारा चाणक्य परिसर स्थित पंडित राजकुमार शुक्ल सभागार में "लेआउट डिजाइनिंग" विषयक विशेष एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के संरक्षक विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव थे। अध्यक्षता मीडिया अध्ययन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अंजनी कुमार झा ने की। मुख्य वक्ता के रूप में समाचारपत्र के मुख्य लेआउट डिजाइनर आलोक श्रीवास्तव



उपस्थित थे। स्वागत विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. परमात्मा कुमार मिश्र ने की। कार्यशाला के संयोजक डॉ. सुनील दीपक घोड़के थे।

बतौर मुख्य वक्ता आलोक श्रीवास्तव ने कहा कि ले-आउट और डिजाइनिंग बनाने के लिए विद्यार्थियों की कलात्मक सोच विकसित होनी चाहिए। उन्होंने समाचार पत्रों में ले-आउट और डिजाइनिंग से जुड़े कई सारे महत्वपूर्ण तत्वों को विद्यार्थियों के साथ साझा किया। उन्होंने कहा कि लेआउट और डिजाइनिंग किसी भी समाचार पत्र की आत्मा होती है, जिससे पाठक वर्ग खबरों की ओर आकर्षित होते हैं व उसे पढ़ने में रुचि लेते हैं। उन्होंने समाचार पत्रों में उपयोग होने वाले ग्राफिक्स, पाई चार्ट, फ्रंट पेज डिजाइनिंग, फोटो एडिटिंग, कलर कंट्रास्ट, न्यूज पोजिशनिंग, इफोग्राफ, बार ग्राफ, गटर स्पेस, साइज बैलेंस, हैडलाइन तथा मास्ट हेड से संबंधित कई सारी जानकारी विद्यार्थियों के समक्ष प्रस्तुत की और उसके महत्व व जरूरतों के बारे में समझाया।

अध्यक्षीय उद्बोधन में मीडिया अध्ययन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अंजनी कुमार झा ने कहा कि लेआउट और डिजाइन किसी भी समाचारपत्र के नींव से जुड़ी है तथा विद्यार्थियों को उसके बारे में जानकारी होनी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कौन सी खबर कहा लागेगी यह खबरों के महत्व के ऊपर निर्भर करता है। स्वागत उद्बोधन में डॉ. परमात्मा कुमार मिश्र ने कहा कि समाचारपत्रों के लेआउट डिजाइन के बारे में विस्तार से जानना पत्रकारिता के विद्यार्थियों के लिए आवश्यक है।

धन्यवाद ज्ञापन डॉ. परमात्मा कुमार मिश्र और संचालन एमजेएमसी तृतीय सेमेस्टर के छात्र प्रतीक कुमार ने की। आयोजन समिति में डॉ. साकेत रमण एवं डॉ. उमा यादव थे। मुख्य वक्ता का परिचय अपूर्वा त्रिवेदी, छात्रा बीजेएमसी ने प्रस्तुत की।

### **Workshop on Layout Designing Organized by the Department of Media Studies**



**MGCU News** | The Department of Media Studies at Mahatma Gandhi Central University (MGCU) organized a one-day workshop on "Layout Designing" on 04 August 2024 at the Pandit Rajkumar Shukla Sabhagar, located in the university's





Chanakya Parisar.

Hon'ble Vice Chancellor of MGCUC, Prof. Sanjay Srivastava was the patron of the event. The Head of the Department of Media Studies, Dr. Anjani Kumar Jha, presided over the session, with Alok Srivastava, Chief Layout Designer at a prominent newspaper, delivering the keynote address. Dr. Paramatma Kumar Mishra, Assistant Professor in the Department, extended a warm welcome to the guests, while the workshop was coordinated by Dr. Sunil Deepak Ghodke.

In his keynote address, Alok Srivastava emphasised the importance of developing artistic thinking for effective layout and design. He shared essential elements of layout and design, explaining how these aspects are integral to engaging readers and drawing attention to news content. He covered a wide range of topics, including graphics, pie charts, front page design, photo editing, colour contrast, news positioning, infographics, bar graphs, gutter space, size balance, headlines, and mastheads used in newspapers. He stressed that layout and design are the "soul" of any publication, crucial for maintaining reader interest. In his presidential address, Dr. Anjani Kumar Jha highlighted that layout and design form the foundation of any newspaper. He emphasised the significance of understanding how the placement of news stories depends on their importance and relevance. Dr. Paramatma Kumar Mishra also reiterated the importance of detailed knowledge of layout and design for journalism students, stressing its relevance for their professional development.

The event concluded with a vote of thanks delivered by Dr. Mishra, and the session was conducted by Pratik Kumar, a student from the MJMC 3rd semester. The organising committee included Dr. Saket Raman and Dr. Uma Yadav, while the keynote speaker was introduced by Apoorva Trivedi, a BJMC student.

## रसायन विभाग द्वारा "रसायन शास्त्र दिवस" का आयोजन



**एमजीसीयू न्यूज** महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रसायन विभाग ने भारत में रसायन शास्त्र के जनक, आचार्य प्रफुल्ल चंद्र रे के जन्मदिन के अवसर पर "रसायन शास्त्र दिवस" मनाया। कार्यक्रम रसायन विभाग में हाइब्रिड मोड में आयोजित किया गया। इस अवसर पर जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम

बंगाल के रसायन शास्त्र के प्रोफेसर चित्तरंजन सिन्हा ने "भारत में रसायन विज्ञान के सपने और वास्तविकता - आचार्य प्रफुल्ल चंद्र रे" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. अभिजीत कुमार द्वारा किया गया। संकायाध्यक्ष प्रो. देवदत्त चतुर्वेदी और प्रो. रफीक उल इस्लाम ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में डॉ. राकेश कुमार पांडेय, डॉ. रजनीश नाथ तिवारी, डॉ. अनिल कुमार सिंह और डॉ. उत्तम कुमार दास ने भी सक्रिय सहभागिता की।

## Department of Chemistry organized "Chemistry Day"

**MGCUC News** | Department of Chemistry, Mahatma Gandhi Central University celebrated "Chemistry Day" on the occasion of the birthday of Acharya Prafulla Chandra Ray, the father of chemistry in India. The program was organised in hybrid mode at the Department of Chemistry. On this occasion, Professor Chittaranjan Sinha, Professor of Chemistry, Jadavpur University, Kolkata, West Bengal delivered a distinguished lecture on the topic "Dreams and Reality of Chemistry in India - Acharya Prafulla Chandra Ray". The program was coordinated by Dr. Abhijeet Kumar. Prof. Devdutt Chaturvedi and Prof. Rafiq Ul Islam welcomed the guests. Dr. Rakesh Kumar Pandey, Dr. Rajneesh Nath Tiwari, Dr. Anil Kumar Singh and Dr. Uttam Kumar Das also actively participated in the program.

## एमजीसीयू में यूजीसी नेट-जेआरएफ के लिए निःशुल्क कोचिंग प्रारम्भ



**एमजीसीयू न्यूज** | विभागीय छात्रों के हित को ध्यान में रखते हुए यूजीसी नेट/जेआरएफ की निःशुल्क कक्षा महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा शुरू की गयी। जनसंपर्क प्रकोष्ठ के संयोजक डॉ. श्याम नंदन ने बताया की संस्कृत विभाग द्वारा नेट जेआरएफ के लिए शुरू की गई निःशुल्क कक्षाएं सायं ४:०० बजे से ५:०० बजे तक बनकट स्थित महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय के गाँधी भवन परिसर के नारायणी कक्ष में संचालित की जाएंगी। इन कक्षाओं से विश्वविद्यालय के विद्यार्थी लाभान्वित होंगे।

मुख्य संरक्षक की भूमिका में मानविकी एवं भाषा संकाय के अधिष्ठाता प्रो प्रसून दत्त सिंह का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के अकादमिक विकास के लिए संस्कृत विभाग कृत संकल्प है। संरक्षक के रूप में संस्कृत विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. श्याम कुमार झा ने विभाग द्वारा आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की सराहना की। कार्यक्रम में संयोजक डॉ. बबलू पाल तथा डॉ. विश्वजीत बर्मन की



उपस्थिति रही। हिन्दी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ अंजनी कुमार श्रीवास्तव ने भी उपस्थित होकर इस कार्यक्रम को अकादमिक उन्नति के लिए महत्वपूर्ण बताया।

## **Sanskrit Department Launches Free UGC NET/JRF Coaching Classes for Students**

**MGCU News** | In a commendable initiative aimed at supporting students' academic advancement, the Department of Sanskrit at Mahatma Gandhi Central University (MGCU) has launched free coaching classes for UGC NET/JRF aspirants starting from 06 Aug 2024. According to Dr. Shyam Nandan, Coordinator of the Public Relations Cell, the classes will be held daily from 4:00 PM to 5:00 PM in the Narayani Room of Gandhi Bhawan Campus, located at Bankat. These sessions are expected to greatly benefit university students preparing for competitive academic exams.

Prof. Prasoon Dutta Singh, Dean of the School of Humanities and Languages, provided valuable guidance as Chief Patron, stating that the Sanskrit Department is firmly committed to the academic development and success of its students. As Patron, Dr. Shyam Kumar Jha, Head of the Department of Sanskrit, appreciated the initiative and praised the department's dedication to student support. The program also saw the active involvement of Dr. Babaloo Pal and Dr. Biswajit Burman, who are coordinating the classes. Dr. Anjani Kumar Srivastava, Head of the Department of Hindi, was present at the launch and lauded the effort as a significant step toward academic excellence.

## **एमजीसीयू और बीआरएबीयू के बीच एमओयू**

- अकादमिक और अनुसंधान क्षेत्र में दोनों के बीच आपसी सहयोग पर समझौता



**एमजीसीयू न्यूज** | महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय (एमजीसीयू) और बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर बिहार विश्वविद्यालय (बीआरएबीयू) के बीच एक महत्वपूर्ण एमओयू (मेमोरैंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग) पर हस्ताक्षर किए गए। कार्यक्रम एमजीसीयू के प्रशासनिक भवन में आयोजित किया गया, जहां एमजीसीयू के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव और बीआरएबीयू के कुलपति प्रो. डी.सी. राय ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर दोनों विश्वविद्यालयों के प्रमुख अधिकारियों की उपस्थिति रही। समझौता ज्ञापन (एमओयू) का मुख्य उद्देश्य एमजीसीयू और बीआरएबीयू के बीच अकादमिक, अनुसंधान, परामर्श, प्रशिक्षण, ज्ञान साझाकरण, फैकल्टी विकास और उनके आदान-प्रदान पर जोर और संयुक्त कार्यक्रमों के क्षेत्र में सहयोग का एक ढाँचा स्थापित करना है।

कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने कहा कि "यह एमओयू एमजीसीयू की शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में उच्चतर मानकों को प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हम बीआरएबीयू के साथ मिलकर कई नए आयाम स्थापित करेंगे। इससे दोनों विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों को लाभ होगा और ज्ञान के आदान-प्रदान के बेहतर अवसर भी प्राप्त होंगे।" प्रो. डी.सी. राय ने भी इस एमओयू को दोनों संस्थानों के लिए ऐतिहासिक कदम बताया और कहा कि "यह साझेदारी दोनों विश्वविद्यालयों के शैक्षणिक और अनुसंधान प्रयासों को समृद्ध करेगी, और इससे हमारे विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं को लाभ होगा।" इस एमओयू के तहत दोनों विश्वविद्यालयों के बीच शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग की संभावनाओं को सशक्त करने के लिए कई संयुक्त कार्यक्रमों और परियोजनाओं को प्रारंभ किया जाएगा।

## **MGCU and BRABU Sign MoU for Academic and Research Collaboration**

**MGCU News** | An important Memorandum of Understanding (MoU) was signed between Mahatma Gandhi Central University (MGCU) and Babasaheb Bhimrao Ambedkar Bihar University (BRABU) on 11 Aug 2024, marking a significant step towards strengthening academic and research cooperation between the two institutions.

The signing ceremony took place at the Administrative Building of MGCU, where Prof. Sanjay Srivastava, Vice Chancellor of MGCU, and Prof. D.C. Rai, Vice Chancellor of BRABU, formally signed the MoU. The event was attended by key officials and faculty members from both universities. The primary objective of the MoU is to establish a framework for collaboration in areas such as academics, research, consultancy, training, knowledge exchange, faculty development, and joint programs. This strategic partnership aims to promote innovation and excellence through mutual cooperation. Speaking on the occasion, Prof. Sanjay Srivastava remarked, "This MoU is a significant step towards elevating educational and research standards at MGCU. Collaborating with BRABU will open new avenues for innovation and progress, benefiting both our students and faculty members." Prof. D.C. Rai also expressed his optimism, calling the agreement a historic milestone. "This partnership will not only enhance academic and research capabilities but also create greater opportunities for our students and researchers to thrive," he said.

As part of this MoU, both institutions plan to initiate several joint programs and collaborative projects to further strengthen the scope of academic and research partnerships in the coming years.

## **एमजीसीयू में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत पौधरोपण**

**एमजीसीयू न्यूज** | राष्ट्र का प्रतिनिधित्व कर रही वर्तमान सरकार प्रकृति से जुड़कर जीवन जीने की प्राचीन भारतीय संस्कृति के महत्व को समझते हुए तथा पर्यावरण की वैश्विक समस्या के समाधान हेतु प्रयत्नशील है। प्राकृतिक संसाधनों का





आवश्यकतानुसार उपयोग करना भारतीय जीवन शैली का मूल है। महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी भी राष्ट्र के उन्हीं प्राचीन भारतीय संकल्पों को जनमानस के बीच पहुँचाने तथा उन्हें भारतीय जीवन शैली को अपनाने हेतु प्रेरित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

उक्त बातें विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत विश्वविद्यालय के गाँधी भवन परिसर में आयुर्वेदीय तथा अन्य प्राकृतिक पौधों के रोपण के अवसर पर कहीं। उन्होंने सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को प्रकृति के साथ जुड़कर जीवन जीने का संकल्प लेने का आग्रह किया। पौधरोपण के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलानुशासन प्रो. प्रसून दत्त सिंह, माननीय कुलपति के विशेष कार्याधिकारी डॉ. पाथलोथ ओंकार, संस्कृत विभाग के अध्यक्ष डॉ. श्याम कुमार झा, सह छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. बबलू पाल, संस्कृत विभाग के सहायक आचार्य डॉ. बिश्वजीत बर्मन, समाज कार्य विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अनुपम कुमार वर्मा तथा अन्य विभागों के शिक्षक एवं विद्यार्थीगण उपस्थित थे।

### ***Tree Plantation Drive Held under 'Ek Ped Maa Ke Naam' Campaign at MGCU***



**MGCU News** | In alignment with the nation's growing emphasis on reconnecting with nature and embracing traditional Indian ways of living, Mahatma Gandhi Central University (MGCU), Motihari organized a tree plantation drive under the campaign 'Ek Ped Maa Ke Naam' in the Gandhi Bhawan Campus on 11 August 2024.

On this occasion, Prof. Sanjay Srivastava, Vice Chancellor of MGCU, emphasised that the present government is recognising the value of ancient Indian cultural wisdom, which advocates living in harmony with nature. "Utilizing natural resources based on need, not greed, is the essence of the Indian lifestyle," he remarked. He also highlighted the university's commitment to spreading this message and inspiring people to adopt sustainable, nature-connected living. Prof. Srivastava encouraged teachers and students to pledge a lifestyle in closer connection with nature, stressing the importance of such efforts in addressing global environmental concerns.

The plantation event saw the participation of several notable university members, including Prof. Prasoon Dutta Singh (Campus Director, Gandhi Bhawan), Dr. Pathloth Omkar (OSD to HVC), Dr. Shyam Kumar Jha (Head, Department of Sanskrit), Dr. Babaloo Pal (Associate Dean Student Welfare), Dr. Biswajit Burman (Assistant Professor, Sanskrit), Dr. Anupam Kumar

Verma (Assistant Professor, Social Work), along with faculty and students from various departments. A variety of Ayurvedic and indigenous plants were planted during the drive, further strengthening MGCU's commitment to sustainability and environmental consciousness.

### ***विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस का आयोजन***

**एमजीसीयू न्यूज** | महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय के चाणक्य परिसर स्थित पंडित राजकुमार शुक्ला सभागार में सांस्कृतिक एवं सामाजिक परिषद के द्वारा विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव थे। मुख्य अतिथि के रूप में गांधीवादी चिंतक ब्रज किशोर सिंह उपस्थित थे। औपचारिक स्वागत प्रो. प्रसून दत्त सिंह ने किया। कार्यक्रम के संयोजक सांस्कृतिक एवं साहित्यिक परिषद के अध्यक्ष प्रो. प्रसून दत्त सिंह व सह-संयोजक डॉ. अनुपम कुमार वर्मा सांस्कृतिक एवं साहित्य परिषद सदस्य थे।

बतौर मुख्य वक्ता ब्रज किशोर सिंह ने कहा कि जब गांधी जी का चंपारण में अमन हुआ तो उन्होंने देखा, महर्षि वाल्मीकि की धरती पर शिक्षा की बहुत बड़ी कमी है, तब गांधी जी ने शिक्षा पर जोर दिया और लोगों को पढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। उस समय चम्पारण में स्कूल खोलने के लिए गाँधी जी के आह्वान पर एक सामान्य किसान ने अपना घर खाली कर दान कर दिया। तब जाकर वर्तमान के ढाका प्रखंड के बरहरवा लखनसेन गांव में शिक्षा के प्रसार के लिए स्कूल खोला गया। उन्होंने एमजीसीयूबी के संघर्षों के बारे में कहा कि जब विश्वविद्यालय की शुरुआत हो रही थी तो मैंने अपने पेंशन राशि से आठ लाख पचास हजार रुपये दिये थे। गांधी जी के ऊपर शोध करने वाले शोधार्थी व लेखकों को पुरस्कृत करने की बात की। साथ ही कुलपति महोदय से आग्रह किया कि गांधी जी के बारे में किताब लिखने पर जोर दिया जाए व उन्होंने उम्मीद जताया कि कुलपति जी विश्वविद्यालय के विकास को शिखर पर ले जाएंगे।

अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने मुख्य अतिथि की बातों पर जोर देते हुए उनकी सरहाना की और आश्वासन दिया कि हम इनका पूर्ण रूप से पालन करेंगे। विभाजन पर बात करते हुए कहा कि जब देश आजाद हुआ तो भारत कई खंडों व रियासतों में बटा हुआ था। उन्होंने कहा कि अब संविधान की एकता से समझौता नहीं किया जा सकता है और न ही अब हमे किसी शक्तियों के द्वारा दबाया जा सकता है, क्योंकि आज हमारे पास सशक्त सेना व संविधान हैं।

स्वागत उद्बोधन में प्रो. प्रसून दत्त सिंह ने कहा कि आज के दिन को सदैव याद करना चाहिए। विभीषिका का दौर बेहद ही खतरनाक था। हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अंजनी कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि भारत विभाजन विश्व का सबसे बड़ा विभाजन था। कार्यक्रम में विभाजन पर आधारित दो डॉक्यूमेंट्री फिल्म भी दिखाई गईं। साथ ही चाणक्य परिसर में विभाजन की विभीषिका पर केंद्रित छायाचित्र की





प्रदर्शनी लगाई गई। जिसका अवलोकन अतिथियों एवं विद्यार्थियों ने किया। धन्यवाद ज्ञापन संस्कृति एवं साहित्यिक परिषद के सदस्य व कार्यक्रम के सह-संयोजक डॉ. अनुपम कुमार वर्मा ने प्रस्तुत की।

## Partition Horror Memorial Day Observed at MGCU



**MGCU News** | The Partition Horror Memorial Day was solemnly observed on 14 Aug 2024 at Mahatma Gandhi Central University (MGCU), Motihari, under the aegis of the Cultural and Literary Council. The event was held at the Pandit Rajkumar Shukla Auditorium on the Chanakya Campus, and was chaired by Prof. Sanjay Srivastava, Hon'ble Vice Chancellor of the University.

Gandhian thinker Braj Kishore Singh graced the occasion as the Chief Guest. In his keynote address, he shared deeply insightful reflections on Gandhiji's Champaran movement, highlighting how Gandhiji emphasised the importance of education in the region. In response to Gandhiji's call, he recalled how a humble farmer donated his home to establish a school in Barharwa Lakhnasen village—an example of the community's spirit and lasting influence. Singh also emotionally recalled his own contribution to the establishment of MGCU, revealing that he had donated ₹8.5 lakh from his pension to support the university's founding efforts. He expressed a heartfelt appeal to scholars to engage in research on Gandhiji's life and legacy. He urged the Vice Chancellor to lead efforts in authoring a comprehensive book on Mahatma Gandhi.

In his presidential address, Vice Chancellor Prof. Sanjay Srivastava expressed gratitude to the chief guest and endorsed his vision, assuring full support in advancing Gandhian ideals through academic initiatives. Reflecting on the horrors of the Partition, he underscored the significance of unity and national integrity. "Today, we are protected by a strong Constitution and a formidable army, and we must never allow divisive forces to weaken our unity," he stated.

Prof. Prasoona Dutta Singh, Dean of the School of Humanities and Languages and Chairperson of the Cultural and Literary Council, delivered the welcome address, emphasising the importance of remembering the trauma of Partition as a lesson for future generations. Dr. Anjani Kumar Srivastava, Head of the Hindi

Department, called the Partition "the largest and most painful displacement in world history." The program featured the screening of two documentary films depicting the tragic events of Partition and a photographic exhibition showcasing rare visuals that captured the pain, resilience, and history of that era. Both were observed with great interest by students and dignitaries.

The vote of thanks was proposed by Dr. Anupam Kumar Verma, Assistant Professor, Department of Social Work, and Member of the Cultural and Literary Council, who also played a key role in organising the event.

## अकादमिक क्षेत्र में भारतीय ज्ञान परंपरा का विकास स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि होगी : प्रो संजय श्रीवास्तव

**एमजीसीयू न्यूज** | महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में पूरे हर्षोल्लास के साथ ७८वां स्वाधीनता दिवस मनाया गया। केविवि के गाँधी परिसर में कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने ध्वजारोहण किया एवं विवि परिवार को स्वाधीनता दिवस की शुभकामनाएं दी।

ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान के पश्चात स्वाधीनता दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने कहा कि शताब्दियों के सतत संघर्ष एवं कई पीढ़ियों के बलिदान के पश्चात हमने यह स्वतंत्रता प्राप्त की है। भारत माँ के उन सभी वीर सपूतों को आज मैं नमन करता हूँ जिन्होंने राष्ट्र यज्ञ में आहुति दी और देश को स्वतंत्र कराने के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। मैं विशेष रूप से महात्मा गांधी जी को स्मरण करता हूँ जिन्होंने देश के जनमानस को एकत्रित कर स्वतंत्रता आंदोलन का नेतृत्व किया। उन्होंने १४ अगस्त १९४७ को हुए भारत के विभाजन का जिक्र करते हुए कहा कि हमने इस दिन को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के रूप में याद किया। हम सबको यह विश्लेषण करना चाहिए कि आखिर क्यों भारत भूमि पर अंग्रेजों व आक्रमणकारियों का अधिपत्य स्थापित हुआ और देश का विभाजन क्यों हुआ ताकि उस कालचक्र की पुनरावृत्ति न हो सके। हमें अपने संविधान एवं उसके संकल्पों तथा अपने सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा करनी चाहिए। एक भारतीय होने के नाते यह हम सबका परम कर्तव्य होना चाहिए।

"जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी" के पवित्र भाव को आत्मसात कर हमारे पूर्वजों ने जो सपना देखा था, आज विकसित भारत के संकल्प के साथ हम उस दिशा में अग्रसर हो रहे हैं। आज हमें विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थ व्यवस्था और चौथी सामरिक शक्ति होने का गौरव प्राप्त है। इस आमृतकाल में हम वसुधैव कुटुंबकम् की पवित्र धारणा के साथ अब हम वैश्विक समस्याओं के समाधान की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं और दुनिया के देश आज हमारी ओर आशा भरी दृष्टि से देख रहे हैं। यह आमृतकाल भारत के नेतृत्व







का काल है।

आज इस अमृतकाल में देश के विश्वविद्यालयों की जिम्मेदारी भी बढ़ गई है। मुझे यह बताते हुए हर्ष की अनुभूति हो रही है कि हमारा विश्वविद्यालय अपने दायित्वों को पूर्ति की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। आज हमने राष्ट्रीय शिक्षा नीति की अधिकांश अनुशंसाओं को लागू कर दिया है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं शोध की दिशा में हम तीव्र गति से आगे बढ़ रहे हैं। विश्वविद्यालय अपने सभी विद्यार्थियों, प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों के सर्वांगीण विकास के लिए एक स्वस्थ व अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। स्वतंत्रता दिवस का यह अवसर स्वाधीनता की चेतना को आत्मसात करने, अपनी समृद्ध सांस्कृतिक, आध्यात्मिक परंपरा को याद करने का दिन है।

कार्यक्रम का शुभारंभ कुलपति जी के द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के चित्र पर माल्यार्पण, ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान से हुआ। एनसीसी के कैडेटों ने कुलपति जी को गार्ड ऑफ ऑनर की सलामी दी। सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत अंग्रेजी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बिमलेश कुमार सिंह ने गीत और मीडिया अध्ययन विभाग की छात्रा मुस्कान ने गणेश वंदना पर नृत्य प्रस्तुत की। राजस्थानी नृत्य की प्रस्तुति के साथ भोजपुरी गीत और संगीत की मनमोहक प्रस्तुति शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने की। धन्यवाद ज्ञापन गाँधी परिसर के निदेशक प्रो. प्रसून दत्त सिंह एवं संचालन समाजशास्त्र विभाग की सहायक आचार्या डॉ. श्वेता ने की।

### ***Development of Indian knowledge tradition in the academic field will be a tribute to the freedom fighters: Prof. Sanjay Srivastava on 78th Independence Day***

**MGCU News** | The 78th Independence Day was celebrated with great fervour and patriotic spirit at Mahatma Gandhi Central University (MGCU). The celebrations took place at the Gandhi Campus, where the Hon'ble Vice Chancellor, Prof. Sanjay Srivastava, hoisted the national flag and extended warm wishes to the university community.

In his inspiring address following the flag hoisting and national anthem, Prof. Srivastava paid tribute to the countless freedom fighters and martyrs whose sacrifices paved the way for India's independence. He made special mention of Mahatma Gandhi, whose leadership united the nation in the struggle for freedom. Reflecting on the significance of Partition Horror Memorial Day (August 14), the Vice Chancellor urged everyone to contemplate the causes of colonisation and the division of India, emphasising that understanding history is essential to avoid its repetition. He called upon the community to safeguard the Constitution, uphold cultural values, and remain dedicated to the ideals of the nation. Quoting the ancient Sanskrit verse “Janani Janmabhoomishcha Swargadapi Gariyasi”, Prof. Srivastava highlighted India's emergence as the fifth-largest global economy and the fourth-largest strategic power, asserting that “Amritkaal” is India's era of global leadership. He spoke of India's commitment to solving global challenges under the philosophy of Vasudhaiva Kutumbakam. The Vice-Chancellor also acknowledged the growing responsibilities of Indian universities in this new era. He

proudly stated that MGCU has successfully implemented most of the recommendations of the National Education Policy (NEP) and is making rapid progress in the fields of quality education and research. He reaffirmed the university's commitment to fostering a supportive environment for the holistic development of students, faculty, and staff.

The celebrations began with the garlanding of Mahatma Gandhi's portrait, followed by the flag hoisting ceremony and a guard of honour by NCC cadets. A vibrant cultural program added colour to the celebration. Prof. Bimlesh Kumar Singh, Head of the Department of English, rendered a soulful patriotic song. Muskan, a student of Media Studies, presented a graceful dance on Ganesh Vandana. The program also featured a traditional Rajasthani dance, along with lively Bhojpuri songs and musical performances by students and researchers.

The vote of thanks was delivered by Prof. Prasoon Dutts Singh, Director of Gandhi Campus, and the program was expertly anchored by Dr. Sweta, Assistant Professor in the Department of Sociology.

### ***सांस्कृतिक पहचान का संरक्षण जरूरी- प्रो. ग्रिट***



**एमजीसीयू न्यूज** | मोतिहारी महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के बुद्ध परिसर स्थित बृहस्पति सभागार में सांस्कृतिक और साहित्यिक परिषद द्वारा "उत्तर-पश्चिमी अर्जेंटीना में सांस्कृतिक प्रदर्शन और जातीय समूह" विषयक तीन दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य संरक्षक विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव थे। मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. ग्रिट कोएल्टज उपस्थित थीं। औपचारिक अभिवादन प्रो. प्रसून दत्त सिंह, अध्यक्ष, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक परिषद ने किया। कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. स्वेता मंच पर उपस्थित थीं। समाजशास्त्र विभाग के पीएचडी शोधार्थी लोकेश पाण्डेय द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना से कार्यशाला का शुभारंभ हुआ।

कार्यशाला के संरक्षक प्रोफेसर प्रसून दत्त सिंह ने अपने व्याख्यान में विषय की पृष्ठभूमि और उसकी वर्तमान प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने सांस्कृतिक अध्ययन के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह व्याख्यान हमारी सांस्कृतिक धरोहर को समझने और उसे संरक्षित करने के प्रयासों में सहायक सिद्ध होगी। व्याख्यान में प्रो. ग्रिट ने अर्जेंटीना के विविध सांस्कृतिक धरोहरों और विभिन्न जातीय समूहों के पारंपरिक प्रदर्शन कला के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने व्याख्यान में उत्तर-पश्चिम अर्जेंटीना की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं पर गहन चर्चा की। उन्होंने इस क्षेत्र के पारंपरिक नृत्य, संगीत और त्योहारों के माध्यम से सांस्कृतिक विविधता को उजागर किया। इसके साथ ही उन्होंने इस क्षेत्र में निवास



करने वाले विभिन्न जातीय समूहों के ऐतिहासिक और सामाजिक संदर्भों को भी समझाया।

डॉ. श्वेता ने भी अपने विचार साझा किए और कार्यक्रम के आयोजन की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम न केवल शैक्षिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण होते हैं, बल्कि सांस्कृतिक आदान-प्रदान के माध्यम से हमारी समझ को भी गहराई प्रदान करते हैं। अंग्रेजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. विमलेश कुमार सिंह ने कहा कि यह व्याख्यान सभी श्रोताओं के लिए अत्यंत प्रेरणादायक और जानकारी से परिपूर्ण है। संचालन समाजशास्त्र विभाग के पीएचडी शोधार्थी मनीष कुमार और निखिल पाण्डेय और धन्यवाद ज्ञापन समाजशास्त्र विभाग की पीएचडी शोधार्थी राजश्री खिल्लर ने प्रस्तुत की।

## ***Preservation of Cultural Identity is necessary***

**- Prof. Grit**



**MGCU News** | A three-day program titled “Cultural Performances and Ethnic Groups in North-Western Argentina” from 19 to 21 Aug 2024 was inaugurated by the Cultural and Literary Council at the Brihaspati Auditorium, Buddha Campus, Mahatma Gandhi Central University, Motihari.

Prof. Sanjay Srivastava, Hon'ble Vice Chancellor of MGCU, was the Chief Patron of the event. Renowned scholar Prof. Grit Koeltz graced the occasion as the chief guest. The formal welcome address was delivered by Prof. Prasoon Dutta Singh, Chairperson of the Cultural and Literary Council, while the program was coordinated by Dr. Sweta, who was also present on the dais. The event commenced with a soulful Saraswati Vandana, presented by Lokesh Pandey, a Ph.D. researcher from the Department of Sociology. In his address, Prof. Singh provided an insightful overview of the theme, emphasising the contemporary relevance of cultural studies. He stated that such academic endeavours are essential in fostering a deeper understanding and preservation of cultural heritage, both local and global.

Delivering the keynote lecture, Prof. Grit Koeltz explored the rich cultural traditions of north-western Argentina, with a focus on the ethnic diversity, folk performances, music, dance, and festivals of the region. She further delved into the historical and social contexts that shape the identity of various indigenous and ethnic communities of the area, offering a comparative lens for cross-cultural understanding.

Dr. Sweta, the program coordinator, expressed her appreciation for the successful organisation and remarked that such cultural exchanges enrich educational perspectives and foster international understanding. Dr. Bimlesh Kumar Singh, Head of the Department of English, lauded the session as both inspiring and intellectually stimulating, describing it as highly informative for students and scholars alike.

The program was expertly conducted by Ph.D. researchers Manish Kumar and Nikhil Pandey of the Department of Sociology. The vote of thanks was delivered by Ph.D. researcher Rajshree Khillar, also from the Department of Sociology.

## ***'चलते शरीर, चलते मन' विषयक कार्यशाला के दूसरे दिन शारीरिक भाषा और नृविज्ञान पर केंद्रित विचार-विमर्श***

**एमजीसीयू न्यूज** | महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय के बृहस्पति सभागार में चल रहे तीन दिवसीय व्याख्यान और कार्यशाला कार्यक्रम के दूसरे दिन की शुरुआत उत्साहपूर्ण वातावरण में हुई। कार्यक्रम के प्रधान संरक्षक कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव और संरक्षक प्रो. प्रसून दत्त के मार्गदर्शन और डॉ. स्वेता के संयोजन में आयोजित हुई। 'चलते शरीर, चलते मन, नृविज्ञान को सजीव करने का अभ्यास' विषयक कार्यशाला के दूसरे दिन मुख्य अतिथि और वक्ता के रूप में प्रो. कोएल्टज़ ग्रिट की उपस्थिति रही। प्रो. ग्रिट का स्वागत मीडिया अध्ययन विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. परमात्मा कुमार मिश्र ने पुष्पगुच्छ भेंट कर की। डॉ. मिश्र ने कहा कि यह कार्यशाला हमारे शिक्षण और अनुसंधान की पद्धतियों में एक नई दिशा देने वाली है। कार्यशाला में प्रतिभागियों ने प्रो. ग्रिट, डॉ. मनीषा रानी, डॉ. परमात्मा कुमार मिश्र और डॉ. स्वेता के विचारों से प्रेरणा ली और नृविज्ञान के इस अनूठे दृष्टिकोण को सराहा।



## ***Day Two of International Workshop at MGCU Focuses on Innovative Approaches to Anthropology***

**MGCU News** | The second day of the three-day international lecture and workshop series at Brihaspati Auditorium, Mahatma Gandhi Central University, commenced in a vibrant and intellectually stimulating atmosphere on 20 Aug 2024. The program is being organized under the guidance of Chief Patron and Vice Chancellor Prof. Sanjay Srivastava and Patron Prof. Prasoon Dutta Singh, with the active collaboration of Dr. Sweta. On Day Two, renowned scholar Prof. Grit Koeltz led a unique





workshop titled "Moving Body, Moving Mind: The Practice of Bringing Anthropology to Life". Her session emphasised experiential and embodied learning in anthropology, offering a fresh perspective on how movement and mindfulness can enhance academic understanding and field-based inquiry. Prof. Grit Koeltz was formally welcomed with a floral bouquet by Dr. Paramatma Kumar Mishra, Assistant Professor, Department of Media Studies. In his remarks, Dr. Mishra lauded the workshop's relevance, stating, "This session has the potential to redefine our methods of teaching and research by introducing a more holistic and experiential framework."

Participants from various departments actively engaged with the ideas presented and expressed appreciation for this innovative approach to anthropological practice. The collaborative insights shared by Prof. Grit, Dr. Manisha Rani, Dr. Paramatma Kumar Mishra, and Dr. Sweta were widely lauded by the audience for their depth, interdisciplinarity, and academic innovation.

## भारतीय परम्परा की संवाहक भाषा संस्कृत - प्रो० प्रसून दत्त सिंह



**एमजीसीयू न्यूज** महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के द्वारा संस्कृत दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मानविकी एवं भाषा संकाय के अधिष्ठाता प्रो. प्रसून दत्त सिंह ने किया। कार्यक्रम में मनोरंजक रूप से राष्ट्रीय भावना को प्रेरित करने वाले "प्रियं भारती तत्सदा रक्षणीयम्" गीत से शोधार्थी रञ्जू यादव ने सभी के मन को आह्लादित किया तो वहीं एमए की छात्रा गुड़िया कुमारी ने मेघदूतम् गीतिकाव्य के कतिपय श्लोकों का सुमधुर वाचन किया। शोधार्थी विश्वनाथ छाटुई ने "आ जा सनम....." संस्कृतानुवादित गीत की प्रस्तुति दी। विभाग के शोधच्छात्र गोपाल कृष्ण मिश्र ने "संस्कृत एवं संस्कृति" विषय पर प्रेरक भाषण दिया। आपने बताया कि भारतीय संस्कृति के विकास में संस्कृत भाषा का महत्वपूर्ण स्थान है। कहाँ भी गया है - "भारतस्य प्रतिष्ठे द्वे संस्कृतं संस्कृतिस्तथा"। तदनन्तर वरिष्ठ शोधच्छात्रा सुपर्णा सेन ने संस्कृत की उपयोगिता विषय पर प्रेरणादायी भाषण दिया। संस्कृत विभाग के सहायक आचार्य डॉ विश्वजित् बर्मन ने "गीतगोविन्दम्" की सुमनोहारिणी प्रस्तुति दिया। डॉ. बर्मन ने बताया कि संविधान में भी संस्कृत भाषा के महत्व को देखते हुए स्थान दिया गया है। संस्कृत विभाग के सहायक आचार्य डॉ बबलू पाल ने भारतीय ज्ञान परम्परा में संस्कृत की उपयोगिता को स्पष्ट करते हुए भारतीय समाज में संस्कार और परम्परा के लिए संस्कृत भाषा की महती उपयोगिता को समझाया। मानविकी एवं भाषा संकाय के

अधिष्ठाता प्रो० प्रसून दत्त सिंह ने कहा कि संस्कृत केवल एक भाषा नहीं है अपितु हमारे संस्कारों की निर्माता है। वेद, उपनिषद्, वेदांग, साहित्य, दर्शन, व्याकरण के साथ ही विज्ञान और धर्मशास्त्रों का जो विस्तृत वर्णन संस्कृत साहित्य में प्राप्त होता है, ऐसा विस्तृत एवं विशाल साहित्य अन्य किसी भी भाषा में नहीं प्राप्त होता है। संचालन शोधच्छात्रा सुखेन घोष ने किया। संस्कृत दिवस समारोह में संस्कृत विभाग के सभी शोधार्थी एवं परास्नातक छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

## समाज कार्य विभाग द्वारा 5वें राष्ट्रीय समाज कार्य सप्ताह-2024 का आयोजन

**एमजीसीयू न्यूज** महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय के चाणक्य परिसर स्थित पंडित राजकुमार शुक्ल सभागार में समाज कार्य विभाग द्वारा 5वें राष्ट्रीय समाज कार्य सप्ताह २०२४ के अवसर पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन "स्कूल समाज कार्य : संभावनाएं एवं चुनौतियां" विषय पर किया गया। राष्ट्रीय संगोष्ठी के मुख्य संरक्षक विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० संजय श्रीवास्तव थे। मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. जुबेर मिनार्ई, समाज कार्य विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली ऑनलाइन उपस्थित थे। सम्मानित अतिथि के रूप के प्रो० आनंद प्रकाश, चेयरमैन, राष्ट्रीय शिक्षा नीति क्रियान्वयन समिति, एमजीसीयूबी, मुख्य वक्ता के रूप में प्रो० पी० के० शाहजहां, डीन स्कूल ऑफ सोशल वर्क, टाटा समाज विज्ञान संस्थान, मुंबई से ऑनलाइन माध्यम से उपस्थित रहें। इस अवसर पर कुलपति प्रो० संजय श्रीवास्तव ने बैनर पर सर्वप्रथम हस्ताक्षर कर राष्ट्रीय समाज कार्य सप्ताह की शुरुआत की और समाज कार्य विभाग के इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि समाज कार्य विभाग एवं समाज कार्य शिक्षा सामाजिक संतुलन को बढ़ावा देती हैं। बतौर मुख्य अतिथि प्रो० जुबेर मिनार्ई ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति -२०२० के पांच स्तंभ हैं जो समाज में शिक्षा और सर्वांगीण विकास पर जोर देते हैं। मुख्य वक्ता प्रो० पी० के० शाहजहां ने स्कूल सोशल वर्क शिक्षा के महत्व के बारे में बताते हुए कहा कि शिक्षा स्टूडेंट फोकस, सिस्टम फोकस, इको सिस्टम फोकस होनी चाहिए। सम्मानित अतिथि प्रो० आनंद प्रकाश ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि नई शिक्षा नीति समग्र शिक्षा की बात करती है।

संगोष्ठी के संरक्षक प्रो० सुनील महावर, अधिष्ठाता, सामाजिक विज्ञान संकाय सह अध्यक्ष समाज कार्य विभाग व संगोष्ठी के आयोजन सचिव डा० अनुपम वर्मा एवं संयोजक डा० उपमेश कुमार थे। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रो० सुनील महावर के स्वागत भाषण से हुआ। राष्ट्रीय समाज कार्य सप्ताह २०२४ के दौरान समाज कार्य के विद्यार्थियों ने विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया, जिसमें हस्ताक्षर अभियान, पोस्टर प्रस्तुतिकरण, वाद-संवाद, राष्ट्रीय वेबीनार आदि प्रमुख हैं।

## 5th National Social Work Week-2024 organized by Department of Social Work

**MGCU News** | The Department of Social Work, Mahatma Gandhi





Central University (MGCU), organised a national webinar on “School Social Work: Prospects and Challenges” on 21 Aug 2024 as part of the celebrations for the 5th National Social Work Week 2024. The event took place at Pandit Rajkumar Shukla Auditorium, Chanakya Campus.

The chief patron of the seminar was Prof. Sanjay Srivastava, Hon'ble Vice-Chancellor of the University, who inaugurated the National Social Work Week by signing the ceremonial banner. In his opening remarks, he appreciated the initiative of the Department of Social Work, emphasising that social work education plays a vital role in promoting social balance and justice.

Prof. Zuber Minai from the Department of Social Work, Jamia Millia Islamia, New Delhi, joined the program online as the Chief Guest. In his address, Prof. Minai highlighted the five foundational pillars of the National Education Policy (NEP) 2020, which focus on inclusive education and the comprehensive development of society.

The keynote address was delivered by Prof. P.K. Shahjahan, Dean of the School of Social Work, Tata Institute of Social Sciences (TISS), Mumbai. He elaborated on the importance of school social work education, stressing that education must be student-centred, system-oriented, and ecosystem-aware in order to be effective and impactful. In his special address, Prof. Anand Prakash reiterated the importance of holistic education as envisioned in NEP 2020. He discussed how the new policy framework aims to prepare students not only academically but also socially and emotionally through integrated approaches in educational institutions.

Prof. Sunil Mahawar, Dean of the Faculty of Social Sciences was the Patron of the event. Dr. Anupam Verma was the Organising Secretary, while Dr. Upmesh Kumar served as the convenor. The program began with a welcome address by Prof. Sunil Mahawar, who extended greetings to all participants and guests. As part of the National Social Work Week 2024 celebrations, students from the Department of Social Work conducted a series of events, including a signature campaign, poster presentations, debates, and the national webinar. The week-long activities highlighted the relevance and need for social work in contemporary society, especially in the domain of education.

## माँ के सम्मान में सांस्कृतिक और साहित्यिक परिषद की भावनात्मक अभिव्यक्ति : राधा वन

**एमजीसीयू न्यूज** | महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक और साहित्यिक परिषद् के तत्वावधान में ११ तुलसी के पौधों का रोपण कर "राधा वन" की स्थापना का शुभारंभ किया गया। केंद्रीय विश्वविद्यालय के जन-संपर्क प्रकोष्ठ के संयोजक डॉ. श्याम नन्दन ने बताया कि महान व्यक्तित्व और संस्कारों की परंपरा को संजोए रखने वाले विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव की स्वर्गीय



माता श्रीमती राधा श्रीवास्तव की पावन स्मृति में प्रो. प्रसून दत्त सिंह के नेतृत्व में सांस्कृतिक एवं साहित्यिक परिषद ने एक अद्वितीय और हृदय स्पर्शी पहल की है। डॉ. श्याम नन्दन ने कहा कि यह राधा वन, हमारे विश्वविद्यालय परिसर में हरियाली का प्रतीक बनेगा और यह हमें हमारी सांस्कृतिक धरोहरों और मूल्यों से जुड़े रहने का संदेश भी देगा। आगे चलकर अन्यान्य पादपों और पुष्पों के आरोपण के साथ ही इसको वृहद रूप प्रदान किया जाएगा।

इस सुअवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर संजय श्रीवास्तव ने कहा कि राधा वन की स्थापना निःसंदेह हमारे विश्वविद्यालय के ज्ञान के क्षेत्र में एक नई परंपरा की शुरुआत है। इस वन में ११ तुलसी के पौधों का रोपण किया गया है, जो न केवल पर्यावरण की सुरक्षा और शुद्धि के प्रतीक हैं, बल्कि हमारे धार्मिक और सांस्कृतिक जीवन का भी अभिन्न अंग हैं। तुलसी के पौधों का चयन इस वन के लिए अत्यंत विचारपूर्वक किया गया है, क्योंकि तुलसी का पौधा भारतीय संस्कृति में एक विशेष स्थान रखता है। इसे न केवल स्वास्थ्यवर्धक माना जाता है, बल्कि यह हमारे धार्मिक अनुष्ठानों और दैनिक जीवन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

उन्होंने कहा कि राधा वन का उद्देश्य केवल एक स्मारक वन की स्थापना तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे एक जीवंत और बढ़ते हुए पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में विकसित करना है। इस वन का विस्तार और इसका सतत विकास हमारे विश्वविद्यालय की शैक्षिक और सांस्कृतिक यात्रा का हिस्सा बनेगा। यह वन हमारे छात्रों, शिक्षकों, और आगंतुकों के लिए एक प्रेरणा-स्रोत बनेगा, जो उन्हें प्रकृति और संस्कृति के साथ गहरे संबंध स्थापित करने के लिए प्रेरित करेगा।

सांस्कृतिक और साहित्यिक परिषद् के अध्यक्ष और मुख्य कुलानुशासक प्रो. प्रसून दत्त सिंह ने कहा कि यह वन हमारे विश्वविद्यालय के ज्ञान के क्षेत्र में एक स्थायी और सशक्त साक्षी बनेगा। हम इस वन क्षेत्र को निरंतर बढ़ाते और विकसित करते रहेंगे, ताकि यह हमारे विश्वविद्यालय के विकास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बना रहे। इस अवसर पर डॉ. अंजनी कुमार श्रीवास्तव, डॉ. श्वेता, डॉ. बबलू पाल, डॉ. गोविंद प्रसाद वर्मा, डॉ. अनुपम वर्मा, डॉ. गरिमा तिवारी, डॉ. विश्वजीत बर्मन सहित बड़ी संख्या में विश्वविद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थी एवं अन्य शैक्षणिक कर्मचारी उपस्थित थे।

## "Radha Van" Inaugurated as a Symbol of Cultural Heritage and Environmental Preservation

**MGCU News** | Mahatma Gandhi Central University (MGCU) inaugurated its unique initiative, “Radha Van”, with the planting of 11 Tulsi plants at Gandhi Bhawan on 22 Aug 2024. This project was launched under the auspices of the Cultural and Literary Council of the University, with the aim of honouring the memory of Mrs Radha Srivastava, the late mother of Prof. Sanjay Srivastava, Vice Chancellor of the University.

Dr. Shyam Nandan, Chairperson of the Public Relations Cell,





expressed his admiration for this heartwarming and symbolic gesture. He mentioned that under the leadership of Prof. Prasoon Dutta Singh, the Cultural and Literary Council has undertaken this meaningful initiative to commemorate the values and cultural heritage cherished by Mrs. Radha Srivastava. Dr. Nandan emphasised that Radha Van would serve as a green symbol on the MGCU campus, fostering a connection with nature and our rich cultural traditions. He added that, in the future, the forest would expand with the addition of more plants and flowers.

Prof. Sanjay Srivastava, Vice Chancellor of MGCU, addressed the gathering, emphasising the significance of Radha Van as a new tradition in the University's journey. He highlighted that the 11 Tulsi plants planted in the forest were chosen not only for their environmental benefits but also for their deep-rooted place in Indian culture. According to Prof. Srivastava, the Tulsi plant represents the protection and purification of the environment and holds an integral role in religious and cultural practices across India. Prof. Srivastava further elaborated on the broader vision for Radha Van, stating that it is more than just a memorial forest. He envisions it as a growing and sustainable ecosystem that will inspire students, faculty, and visitors to forge a deeper connection with nature and culture. He noted that this project would be an important part of the educational and cultural journey at MGCU.

Prof. Prasoon Dutta Singh, Chairman of the Cultural and Literary Council expressed his belief that Radha Van would become a permanent and powerful witness to the University's academic legacy. He assured that efforts would continue to expand and develop the forest area, making it an enduring element of MGCU's growth and development.

The inauguration event was attended by a large number of University faculty, staff, and students, including Dr. Anjani Kumar Srivastava, Dr. Sweta, Dr. Babaloo Pal, Dr. Govind Prasad Verma, Dr. Anupam Verma, Dr. Garima Tiwari, and Dr. Biswajit Burman.

## महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय और भाभा कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केन्द्र के बीच एमओयू

एमजीसीयू न्यूज | महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय और होमी भाभा कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केन्द्र (HBCHRC) ने गुरुवार को एक महत्वपूर्ण



समझौता ज्ञापन (एम.ओ.यू.) पर हस्ताक्षर किए। इस महत्वपूर्ण अवसर पर HBCHRC के प्रभारी अधिकारी डॉ. रविकांत सिंह और MGCU के शोध एवं विकासप्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. सुनील कुमार श्रीवास्तव ने संयुक्त रूप से हस्ताक्षर किए। यह समझौता कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव की देखरेख में संपन्न हुआ।

समझौता ज्ञापन के तहत दोनों संस्थाएँ बिहार में जीनोमिक प्रयोगशाला, पुस्तकालय और परामर्श के विभिन्न क्षेत्रों में नई पहल और संसाधनों के विकास के लिए संकल्पित हैं। इस समझौते का प्रमुख उद्देश्य HBCHRC के जीनोमिक लैब में कार्यरत जूनियर रिसर्च फेलो (JRF) को प्रति वर्ष महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय में पी-एच.डी. शोधकार्य हेतु शामिल करना है। इस वर्ष HBCHRC के दो JRF को महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय में पी-एच.डी. के लिए नामांकित किया जाएगा, और अगले वर्ष से इस संख्या को बढ़ाकर पाँच कर दिया जाएगा।

कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने कहा कि इस समझौते के अनुसार महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय के छात्र भी भाभा कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केन्द्र के जीनोमिक लैब में जाकर वहाँ के अनुसंधान और प्रयोगशाला की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। इस सुविधा से केन्द्रीय विश्वविद्यालय के छात्रों को अनुसंधान में नई दिशा और अवसर मिलेंगे, जो उनके शैक्षणिक और पेशेवर विकास के लिए लाभकारी साबित होंगे। इससे दोनों संस्थाओं के बीच अकादमिक क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा मिलेगा और नये शोध की संभावनाओं को प्रोत्साहन मिलेगा।

होमी भाभा कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केन्द्र के प्रभारी अधिकारी डॉ. रविकांत सिंह ने बताया कि HBCHRC का जीनोमिक लैब बिहार का एकमात्र लैब है, जहाँ जीनोमिक सीक्वेंसिंग की जाती है। यह लैब अत्याधुनिक तकनीकों और उपकरणों से सुसज्जित है, जो कैंसर की जीनोमिक्स में महत्वपूर्ण शोध और विश्लेषण की सुविधा प्रदान करता है। इस समझौते के माध्यम से, जीनोमिक लैब में किए जा रहे शोध और अनुसंधान को राज्य के शैक्षणिक संस्थानों के साथ साझा किया जाएगा, जिससे ज्ञानवर्धन और नवीनतम तकनीकों की जानकारी को व्यापक स्तर पर प्रसारित किया जा सकेगा।

शोध एवं विकास प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. सुनील कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि यह समझौता बिहार के शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। दोनों संस्थाओं के बीच यह सहयोग न केवल शोध की गुणवत्ता को बढ़ाएगा, बल्कि भविष्य में चिकित्सा और बायोटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में नये अनुसंधानों और नवाचारों को भी प्रोत्साहित करेगा। इससे बिहार में जीनोमिक्स और कैंसर रिसर्च के क्षेत्र में नई संभावनाएँ खुलेंगी और छात्रों को उन्नत शिक्षा और अनुसंधान के अवसर प्राप्त होंगे। जनसंपर्क प्रकोष्ठ के संयोजक डॉ. श्याम नन्दन ने बताया कि इस समझौते से दोनों संस्थाओं के छात्रों में नई क्षमताओं का विकास होगा और उनके शोध कार्य में नवाचार और गुणवत्ता में वृद्धि होगी। यह बिहार राज्य के विकास और उसकी शिक्षा प्रणाली को एक नई दिशा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर केन्द्रीय विश्वविद्यालय में अकादमिक मामलों के निदेशक प्रो. बृजेश पांडेय, मुख्य कुलानुशासक प्रो. प्रसून दत्त सिंह, विशेष कार्याधिकारी (प्रशासन) डॉ. सच्चिदानंद सिंह और जनसंपर्क अधिकारी शेफालिका मिश्रा आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

## MGCU Signs MoU with Homi Bhabha Cancer Hospital and Research Centre

MGCU News | Mahatma Gandhi Central University (MGCU) has entered into a significant partnership with the Homi Bhabha Cancer Hospital and Research Centre (HBCHRC) through the signing of a Memorandum of Understanding (MoU) on 22 Aug 2024. The agreement was signed by Dr. Ravikant Singh, Officer-in-Charge of HBCHRC, and Prof. Sunil Kumar Srivastava,



Director of MGCU's Research and Development Cell, under the supervision of Vice Chancellor Prof. Sanjay Srivastava.

The MoU aims to foster collaboration in the fields of genomics, laboratory development, library resources, and consultancy in Bihar. A key objective of the agreement is to include Junior Research Fellows (JRFs) from HBCHRC's Genomic Lab in MGCU's PhD research program. This year, two JRFs from HBCHRC will be enrolled for PhD programs at MGCU, with plans to increase this number to five in the upcoming years. Vice Chancellor Prof. Sanjay Srivastava highlighted that this collaboration would provide MGCU students the opportunity to visit HBCHRC's Genomic Lab, gaining invaluable insights into cutting-edge research and laboratory practices. This exposure is expected to offer students new directions and opportunities in their academic and professional journeys, while strengthening the cooperation between both institutions and encouraging further research opportunities.

Dr. Ravikant Singh, Officer-in-Charge of HBCHRC, noted that the Genomic Lab at HBCHRC is the only facility in Bihar that conducts genomic sequencing, equipped with state-of-the-art technologies. The MoU will allow the research and advancements in genomic sequencing to be shared with educational institutions throughout the state, thereby spreading awareness of the latest technologies and fostering knowledge sharing.

Prof. Sunil Kumar Srivastava expressed that the collaboration between MGCU and HBCHRC is a major step forward for both the education and health sectors in Bihar. The partnership is expected to enhance research quality and innovation, particularly in the fields of medicine, biotechnology, genomics, and cancer research. Dr. Shyam Nandan, Convenor of the Public Relations Cell, emphasized that the MoU would foster new capabilities in students from both institutions, driving innovation and elevating the quality of research. He called this an important milestone in the development of Bihar's education system and its future research landscape.

The event was attended by notable figures, including Prof. Brijesh Pandey, Director of Academic Affairs, Prof. Prasoon Dutta Singh, Chief Registrar, Dr. Sachchidanand Singh, Special Officer (Administration), and Shefali Mishra, Public Relations Officer, among others.

## भारत की चंद्र महत्वाकांक्षाएं: चंद्रयान -3 की भूमिका विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

**एमजीसीयू न्यूज** | "भारत की चंद्र महत्वाकांक्षाएं: चंद्रयान -3 की भूमिका" विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई। विश्वविद्यालय के अप्रेंटिसशिप सेल द्वारा आयोजित संगोष्ठी में चंद्रयान -3 मिशन पर विशेष ध्यान देने के साथ, भारत की चंद्र अन्वेषण यात्रा का गहन विश्लेषण किया गया। प्रो. सुनील कुमार श्रीवास्तव, निदेशक, अनुसंधान और विकास सेल ने सभी सम्मानित

अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस समारोह के महत्व के बारे में जानकारी दी। अप्रेंटिसशिप सेल के नोडल अधिकारी डॉ. पवन कुमार ने राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस २०२४ के विषय "चंद्रमा को छूते हुए जीवन को छूना: भारत की अंतरिक्ष गाथा" को रेखांकित किया। नई दिल्ली के भारत मंडप में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के मुख्य कार्यक्रम के इस प्रतिष्ठित अवसर के उद्घाटन सत्र की लाइव स्ट्रीमिंग की गई।

कुलपति प्रोफेसर संजय श्रीवास्तव ने प्रतिभागियों को अंतरिक्ष अन्वेषण से हमारे देश में आने वाली असीमित संभावनाओं के बारे में समझाकर प्रेरित किया और वैज्ञानिक ज्ञान को आगे बढ़ाने और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में नवाचार को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता जताई। कार्यक्रम की शुरुआत इसरो अध्यक्ष के स्वागत भाषण की लाइव स्ट्रीमिंग के साथ हुई, जिसके बाद स्पेस विजन २०४७ पर वीडियो और माननीय राज्य मंत्री (अंतरिक्ष) का संबोधन हुआ। यह कार्यक्रम भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू की उपस्थिति से शोभायमान हुआ। अपने संबोधन में, राष्ट्रपति ने भारत को अंतरिक्ष अन्वेषण में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित करने में चंद्रयान मिशन के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के प्रयासों की सराहना की और इस बात पर जोर दिया कि कैसे चंद्रयान-३ विशेष रूप से चंद्रमा की सतह और उसके संसाधनों का पता लगाने की भारत की खोज में एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रोफेसर (डॉ.) सेक्टर वेंकटरमन, इसरो के पूर्व वैज्ञानिक और सीयूएसएटी, कोच्चि में एमेरिटस द्वारा मुख्य वक्तव्य दिया गया। उन्होंने अंतरिक्ष अन्वेषण में भारत की बढ़ती शक्ति और चंद्रमा की सतह और उसके संसाधनों को समझने में चंद्र मिशनों के रणनीतिक महत्व पर प्रकाश डाला। विशिष्ट अतिथि पंडित दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के खगोल भौतिकी और वायुमंडलीय विज्ञान के विशेषज्ञ प्रो. शांतनु रस्तोगी ने हमारे जीवन में अंतरिक्ष विज्ञान के महत्व पर प्रकाश डाला और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और उसके अनुप्रयोगों की संभावनाओं के प्रति प्रेरित किया। सहायक प्रोफेसर डॉ. श्वेता सिंह ने धन्यवाद प्रकट किया।

## National Seminar on India's Lunar Ambitions: Role of Chandrayaan-3 Held



**MGCU News** | A one-day National Seminar on "India's Lunar Ambitions: Role of Chandrayaan-3" was successfully organized on 23 Aug 2024 by the Apprenticeship Cell of Mahatma Gandhi Central University (MGCU). The seminar aimed to provide a comprehensive analysis of India's advancements in lunar exploration, with a special focus on the landmark Chandrayaan-3 mission.

The program commenced with a welcome address by Prof. Sunil Kumar Srivastava, Director of the Research and Development Cell, who greeted the esteemed guests and participants, emphasizing the importance of the National Space Day





celebration in inspiring a scientific temper and national pride. Dr. Pawan Kumar, Nodal Officer of the Apprenticeship Cell, introduced the theme of National Space Day 2024: "Touching Lives by Touching the Moon: India's Space Saga." The event's inaugural session included a live stream from the main celebration at Bharat Mandapam, New Delhi, bringing participants closer to the national event. Vice Chancellor Prof. Sanjay Srivastava addressed the gathering with an inspiring message on the vast potential space exploration holds for India. He reiterated the University's commitment to fostering scientific inquiry and innovation in alignment with national goals.

The national broadcast featured the welcome address by the Chairman of ISRO, a presentation on "Space Vision 2047", and a speech by the Hon'ble Minister of State (Space Affairs). The session was notably honoured by the virtual presence of the Hon'ble President of India, Smt. Droupadi Murmu, who commended ISRO's efforts and emphasised the historic impact of Chandrayaan-3 in establishing India as a formidable force in global space exploration. She highlighted the mission's crucial role in studying the lunar surface and uncovering its potential resources.

The keynote address was delivered by Prof. (Dr.) Sekar Venkataraman, former ISRO scientist and Emeritus Professor at Cochin University of Science and Technology (CUSAT), Kochi. He emphasized the growing strategic importance of lunar missions and India's rising stature in space science and technology. Prof. Shantanu Rastogi, a renowned astrophysicist from Pandit Deen Dayal Upadhyay Gorakhpur University, served as Guest of Honour. He underlined the integral role of space science in daily life and encouraged students and scholars to explore the wide-ranging applications of space technology.

The seminar concluded with a vote of thanks by Dr. Sweta Singh, Assistant Professor, who expressed heartfelt gratitude to all dignitaries, participants, and organising members for making the event a resounding success.

## प्रबंधन विज्ञान विभाग के छात्रों को ब्रांच क्रेडिट हेड्स पद पर मिली नियुक्ति

**एमजीसीयू न्यूज** | एमजीसीयूबी के प्रबंधन विज्ञान विभाग के चार छात्र श्री अरविंद कुमार, श्री संतोष कुमार, श्री रौशन कुमार और श्री कृष्ण कुमार ने प्रतिष्ठित बीएफआईएल - इंडसट्रियल बैंक में ब्रांच क्रेडिट हेड्स के रूप में नियुक्ति हासिल की है। कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि "विश्वविद्यालय



रौशन कुमार, अरविंद कुमार, संतोष कुमार, कृष्ण कुमार (क्रमशः बाएं से दाएं)

को अपने छात्रों की इस अद्वितीय सफलता पर गर्व है। यह न केवल उनकी मेहनत और समर्पण का परिणाम है, बल्कि हमारे विश्वविद्यालय की उत्कृष्ट शिक्षा और मूल्य आधारित शिक्षा प्रणाली का भी प्रमाण है। मैं सभी छात्रों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता हूँ और उन्हें उनके नए कार्यक्षेत्र में सफलता की कामना करता हूँ।" प्रशिक्षण और प्लेसमेंट अधिकारी, प्रो. रफीक उल इस्लाम, वाणिज्य और प्रबंधन विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. शिरीष मिश्र, प्रबंधन विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ. सपना सुगंधा, संकाय सदस्य डॉ. अलका लालहाल, डॉ. अरुण कुमार, डॉ. कमलेश कुमार और डॉ. स्नेहा चौरासिया ने भी छात्रों को इस बड़ी सफलता पर शुभकामनाएं दीं।

## अंग्रेजी विभाग द्वारा एंकरिंग और कंटेंट राइटिंग पर प्रेरणादायक सत्र आयोजित



**एमजीसीयू न्यूज** | महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग द्वारा "एंकरिंग और कंटेंट राइटिंग की कला" पर एक प्रेरणादायक सत्र का आयोजन किया। इस सत्र में विभाग के दो प्रतिष्ठित पूर्व छात्राओं—न्यूज नेशन चैनल की एंकर सुश्री प्रकृति और २०१७-२०२० बैच की बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी की स्नातक, मिस नाज़िया रहमान ने भाग लिया।

सुश्री प्रकृति ने सफल एंकर बनने के अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने आत्मविश्वास बनाने, सही उच्चारण में महारत हासिल करने, कैमरे का सामना करने और उसे संभालने, शब्दों के साथ खेलने, और एक अच्छा व्यक्तित्व बनाए रखने जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर जोर दिया। इसके साथ ही उन्होंने कंटेंट निर्माण, उपयुक्त हैशटैग, एआई टूल्स का उपयोग, और वर्तनी, विराम चिह्न, और व्याकरण संबंधी त्रुटियों पर ध्यान देने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

दूसरी ओर, मिस नाज़िया रहमान ने कंटेंट राइटिंग के बारे में अपने महत्वपूर्ण विचार साझा किए। उन्होंने व्याकरणिक संरचनाओं को सीखने, आकर्षक शब्दों और टैगलाइन के उपयोग, और Adobe, ChatGPT, Canva जैसे एआई और ग्राफिक डिजाइन टूल्स को शामिल करने के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कंटेंट निर्माण में रचनात्मकता और रंग सिद्धांत की समझ पर भी चर्चा की। अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष डॉ. बिमलेश के. सिंह ने दोनों पूर्व छात्राओं को आशीर्वाद दिया और उनके उत्कृष्ट सत्र के लिए आभार व्यक्त किया। सहायक प्रोफेसर डॉ. उमेश पात्रा ने धन्यवाद ज्ञापन प्रकट किया। संचालन अंग्रेजी विभाग के शोधार्थी कृष्ण कुमार ने किया।

## English Department Organises Inspirational Session on Anchoring and Content Writing

**MGCU News** | The Department of English, Mahatma Gandhi Central University organised an inspirational session on "The Art



of Anchoring and Content Writing” on 30th August 2024. The session was led by two esteemed alumni of the department—Ms. Prakriti, anchor of News Nation Channel and Ms. Nazia Rehman, a graduate of B.A. (Hons.) English of the 2017-2020 batch.

Ms. Prakriti shared her experiences of becoming a successful anchor. She emphasized on important aspects like building confidence, mastering the right pronunciation, facing and handling the camera, playing with words, and maintaining a good personality. She also emphasized on content creation, appropriate hashtags, use of AI tools, and the need to pay attention to spelling, punctuation, and grammatical errors.

On the other hand, Ms. Nazia Rehman shared her important thoughts about content writing. He underlined the importance of learning grammatical structures, the use of catchy words and taglines, and incorporating AI and graphic design tools like Adobe, ChatGPT, and Canva. He also discussed creativity and understanding of colour theory in content creation. Dr. Bimlesh K. Singh, Head, Department of English blessed both the alumni and expressed gratitude for their excellent session. The function was conducted by Krishna Kumar, Research Scholar, Department of English.

## प्रो. प्रणवीर सिंह विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार में विषय विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया

**एमजीसीयू न्यूज** | महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी के प्राणि विज्ञान विभाग के अध्यक्ष और जीवन विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता, प्रो. प्रणवीर सिंह ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार (DST-WISE) के अंतर्गत विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के विषय विशेषज्ञ समिति (SEC) की बैठकों में जीव विज्ञान के विषय-विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया। ये बैठकें क्रमशः जुलाई और अगस्त के महीनों में पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ और अमृता इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, कोच्चि, केरल द्वारा आयोजित की गई थीं। प्रो. प्रणवीर पिछले ४ वर्षों से इस योजना के लिए अपनी विशेषज्ञता प्रदान कर रहे हैं, जिसमें उन्होंने अपने दो लगातार कार्यकालों में सेवा दी है।



## मगांकेविवि में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर "विकसित भारत" विषयक विशेष व्याख्यान आयोजित

**एमजीसीयू न्यूज** | महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय (एमजीसीयू) में भारत के महान दार्शनिक और राजनेता डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर "विकसित भारत" विषयक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया। कार्यक्रम के मुख्य संरक्षक



कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने अपने विचारोत्तेजक भाषण में समाज में शिक्षकों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, "शिक्षकों का हमेशा सम्मान रहा है, और आज हम इसे औपचारिक रूप से मान्यता देते हैं। एक शिक्षक नेता होता है, और डॉ. राधाकृष्णन का जीवन इस नेतृत्व का प्रतीक है।" उन्होंने डॉ. राधाकृष्णन की यात्रा का वर्णन किया, जिसमें वह ज्ञान, प्रज्ञा और विद्वता के माध्यम से कठिनाइयों को पार करते हुए राष्ट्रपति पद तक का सफर तय किया। प्रो. श्रीवास्तव ने सोवियत नेता जोसेफ स्टालिन का एक किस्सा साझा किया, जिसमें स्टालिन ने कहा था कि "डॉ. राधाकृष्णन पहले व्यक्ति थे, जिन्होंने मुझे सम्मान से देखा।" उन्होंने छात्रों को बड़े सपने देखने, जोश और मेहनत के साथ काम करने और यह समझने के लिए प्रेरित किया कि ज्ञान के बल पर ही नई ऊंचाइयों को हासिल किया जा सकता है।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व डीन और वाणिज्य विभाग के अध्यक्ष प्रो. अशिम कुमार मुखर्जी ने शिक्षा की समाज निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका पर चर्चा की। उन्होंने सुधा मूर्ति का उद्धरण देते हुए कहा कि "यदि डॉक्टर गलती करता है, तो मरीज को नुकसान होता है; यदि मजिस्ट्रेट गलती करता है, तो न्याय प्रभावित होता है; लेकिन अगर शिक्षक गलती करता है, तो पूरी पीढ़ी प्रभावित होती है।"

शैक्षणिक मामलों के निदेशक डॉ. बृजेश पाण्डेय ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की शिक्षा में नेतृत्व और उनके यूजीसी अध्यक्ष रहते हुए किए गए योगदान पर चर्चा की। पुस्तकालय विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. रणजीत कुमार चौधरी ने शिक्षकों के प्रति सम्मान पर बल दिया। कार्यक्रम की शुरुआत शैक्षिक अध्ययन विभाग के अध्यक्ष डॉ. मुकेश कुमार द्वारा स्वागत भाषण से हुई। विभाग की सहायक आचार्य डॉ. रश्मि श्रीवास्तव ने विषय प्रवर्तन किया और डॉ. राधाकृष्णन के जीवन पर प्रकाश डाला। शोधार्थी सुश्री शुभा सिंह चौधरी ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

## Special Lecture on "Developed India" Organized on the Birth Anniversary of Dr. Sarvepalli Radhakrishnan

**MGCU News** | Mahatma Gandhi Central University (MGCU) organized a special lecture on the theme "Developed India" to commemorate the birth anniversary of Dr. Sarvepalli Radhakrishnan, India's eminent philosopher, educator, and statesman, on 5th September 2024, celebrated nationwide as Teachers' Day.

The event was held under the patronage of Vice Chancellor Prof. Sanjay Srivastava, who delivered a thought-provoking address, emphasizing the vital role of teachers in shaping society. "Teachers have always commanded great respect, and today we formally acknowledge their contributions. A teacher is a leader, and Dr. Radhakrishnan's life stands as a powerful example of such leadership," said Prof. Srivastava.

He highlighted Dr. Radhakrishnan's inspiring journey—his rise from humble beginnings to becoming the President of India,





overcoming challenges through knowledge, wisdom, and scholarship. Sharing a historical anecdote, Prof. Srivastava recalled Soviet leader Joseph Stalin's remark, noting that Dr. Radhakrishnan was the "first man who looked at me with respect." He encouraged students to dream big, pursue excellence, and recognize knowledge as the true path to progress. Prof. Ashim Kumar Mukherjee, former Dean and Head of the Department of Commerce at Allahabad University, delivered the keynote lecture. Reflecting on the role of education in social development, he quoted Sudha Murthy: "If a doctor makes a mistake, one patient suffers; if a magistrate errs, justice is compromised; but if a teacher makes a mistake, an entire generation is impacted."

Dr. Brijesh Pandey, Director of Academic Affairs, spoke about Dr. Radhakrishnan's transformative leadership in education and his contributions as the Chairman of the University Grants Commission (UGC). Prof. Ranjit Kumar Chaudhary, Heda, Department of Library & Information Science, also emphasised the significance of teacher-student relationships and the importance of honouring educators.

The program commenced with a welcome address by Dr. Mukesh Kumar, Head of the Department of Educational Studies. Dr. Rashmi Srivastava, Assistant Professor, introduced the theme of the lecture and offered insights into the life and ideals of Dr. Radhakrishnan. The event concluded with a vote of thanks by research scholar Ms. Shubhra Singh Chaudhary. The lecture marked a meaningful tribute to Dr. Radhakrishnan's legacy, while also inspiring the academic community to work collectively toward the vision of a Developed India through the transformative power of education.

## मीडिया अध्ययन विभाग में शिक्षक दिवस पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन

**एमजीसीयू न्यूज** | महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के मीडिया अध्ययन विभाग में विद्यार्थियों द्वारा शिक्षक दिवस पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ. अंजनी कुमार झा ने की। कार्यक्रम की शुरुआत विभागाध्यक्ष एवं शिक्षकों द्वारा भारत रत्न डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण से हुआ। तदुपरांत, विद्यार्थियों द्वारा विभाग के शिक्षकों के साथ अब तक के अनुभवों को विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं में व्यक्त किया गया। मंच का संचालन बीएजेएमसी की छात्रा आर्या कुमारी एवं नीतीश कुमार ने किया। स्वागत उद्बोधन श्रुति ने दी।

विभागाध्यक्ष डॉ. अंजनी कुमार झा ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि अपने लक्ष्य के प्रति सदैव सजग रहें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी जीवन को आसान और सरल बनाने के लिए जरूरी है कि असामाजिक तत्वों से दूर रहें। उन्होंने कहा कि शिक्षक आपको एक बेहतर इंसान बनने के लिए समर्पित है। डॉ. परमात्मा कुमार मिश्र ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को याद करते हुए कहा कि शिक्षक व विद्यार्थी का संबंध अद्वितीय है तथा शिक्षक कक्षा तक ही सीमित नहीं है बल्कि आपके मनो-मस्तिष्क तक विराजमान है। सहायक आचार्य डॉ. साकेत रमण ने कहा कि "यह दिन

हम शिक्षकों से ज्यादा विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण है। हम आशा करते हैं कि आप एक अच्छे व्यक्ति बनेंगे व विश्वविद्यालय का ध्वज विश्व पटल पर लहराएंगे। सहायक आचार्य डॉ. सुनील दीपक घोड़के ने शिक्षक दिवस के ऐतिहासिक पहलुओं पर चर्चा करते हुए कहा कि शिक्षक की पूंजी विद्यार्थी हैं।

सहायक आचार्य डॉ. उमा यादव ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अपने क्षेत्र में मजबूत बनें। अपने कार्यों को समय पर पूर्ण करें और सम्बन्धित क्षेत्रों में विशेषज्ञता हासिल करें।

शिक्षक दिवस का कार्यक्रम विभाग के बीएजेएमसी और एमएजेएमसी के प्रथम, तृतीय और पंचम के विद्यार्थियों द्वारा मनायी गई।

## Teachers' Day Celebration Held in the Department of Media Studies



**MGCU News** | A special programme was organized by the Department of Media Studies at Mahatma Gandhi Central University to commemorate Teachers' Day on 5th September 2024, in honour of Bharat Ratna Dr. Sarvepalli Radhakrishnan, India's former President, philosopher, and educationist.

The event was presided over by Dr. Anjani Kumar Jha, Head of the Department. The program commenced with the garlanding of Dr. Radhakrishnan's portrait by faculty members, symbolizing respect and reverence for his contributions to Indian education and philosophy. A unique aspect of the celebration was the students' heartfelt expressions of their experiences with their teachers, delivered in various regional languages, reflecting the department's diversity and unity. The event was anchored gracefully by BAJMC students Arya Kumari and Nitish Kumar, while Shruti delivered the welcome address. In his address, Dr. Anjani Kumar Jha encouraged students to remain vigilant and focused on their goals. "To make student life easy and meaningful, it is essential to steer clear of anti-social influences. A teacher's role is to help shape you into a better human being," he stated.

Dr. Paramatma Kumar Mishra, reflecting on the legacy of Dr. Radhakrishnan, emphasized the deep-rooted bond between students and teachers. "A teacher is not only present in the classroom but resides in the hearts and minds of their students," he remarked. Dr. Saket Raman, Assistant Professor, highlighted the true essence of the day: "This day is more significant for students



than for teachers. We hope you will grow into responsible individuals and make the university proud on a global platform." Dr. Sunil Deepak Ghodke, Assistant Professor, spoke on the historical significance of Teachers' Day, underlining that "the true wealth of a teacher lies in their students." Dr. Uma Yadav, Assistant Professor, extended her wishes to the students and advised them to "become strong in your field, complete your tasks on time, and strive for mastery in your chosen discipline."

The celebration served as a vibrant platform for expressing gratitude, exchanging ideas, and reinforcing the foundational values of education. The heartfelt interactions between faculty and students reflected the department's commitment to academic excellence and holistic development.

## जन्तु विज्ञान विभाग में विद्यार्थियों द्वारा शिक्षक दिवस का आयोजन

**एमजीसीयू न्यूज** | शिक्षक दिवस के सुअवसर पर महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय के जिला स्कूल स्थित चाणक्य परिसर में जन्तु विज्ञान विभाग के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों तथा शोधार्थियों द्वारा शिक्षक वृन्दों के सम्मान में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जन्तु विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो० प्रणवीर सिंह ने विद्यार्थी जीवन में समयबद्धता, अनुशासन तथा कर्तव्य परायणता पर व्याख्यान दिया। सह प्राध्यापक डॉ० प्रीती बाजपेयी सहायक प्राध्यापक डॉ० कुन्दन किशोर राजक, डॉ० श्याम बाबू प्रसाद तथा डॉ० बुद्धि प्रकाश जैन ने कार्यक्रम में विद्यार्थियों को संबोधित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। स्नातकोत्तर विद्यार्थियों द्वारा गायन, कविता पाठ तथा भाषण की प्रस्तुति दी गई। मंच संचालन विवेकानन्द साहू तथा राजनन्दिनी कुमारी ने किया। अन्दिता कुमारी के धन्यवाद ज्ञापन किया।

## Department of Zoology Celebrates Teachers' Day with Enthusiasm

**MGCU News** | On the occasion of Teachers' Day, the Department of Zoology at Mahatma Gandhi Central University organized a heartfelt program in honor of its faculty at the Chanakya Campus, District School.

The event was led by Prof. Pranveer Singh, Head of the Department, who addressed the students with an inspiring lecture on the values of punctuality, discipline, and dedication in student life. He emphasized that these core principles play a pivotal role in



shaping both academic success and personal growth. The faculty members, including Associate Professor Dr. Preeti Bajpai and Assistant Professors Dr. Kundan Kishore Rajak, Dr. Shyam Babu Prasad, and Dr. Buddhi Prakash Jain, shared their thoughts with the students and extended their best wishes for a bright and successful future.

The program also featured vibrant cultural presentations by postgraduate students, including singing, poetry recitations, and motivational speeches, adding a creative and emotional touch to the celebration. The stage was efficiently managed by students Vivekanand Sahu and Rajnandini Kumari, while Andita Kumari delivered the vote of thanks, expressing heartfelt gratitude to the teachers for their unwavering guidance and support. The event highlighted the deep bond between teachers and students and underscored the university's commitment to fostering a culture of respect, learning, and mutual inspiration.

## महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय एवं डॉ राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या के बीच एमओयू



**एमजीसीयू न्यूज** | महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी तथा डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या, उत्तर प्रदेश के बीच शैक्षणिक एवं अकादमिक क्षेत्र में पारस्परिक सहयोग के लिए समझौता हुआ। कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव और डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल ने इस समझौता-पत्र पर हस्ताक्षर किए।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने कहा कि इस समझौते से दोनों विश्वविद्यालयों के मध्य अकादमिक सहयोग की एक नयी राह खुलेगी, जिससे छात्र-छात्राओं को अध्ययन-अध्यापन में सहयोग मिलने के साथ-साथ विज्ञान, तकनीकी और अभियांत्रिकी के साथ शोध-परियोजनाओं में संयुक्त रूप से कार्य करने का अवसर मिलेगा। इसके साथ ही कार्यशाला, संगोष्ठी और शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रमों का संयुक्त रूप से आयोजन भी किया जाएगा, जो दोनों विश्वविद्यालयों के अकादमिक उन्नयन की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं।

इस अवसर पर डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल ने कहा कि इस अनुबंध से दोनों विश्वविद्यालयों के छात्र-छात्राओं को शिक्षा और शोध के क्षेत्र में सहयोग मिलेगा। उन्होंने बताया कि वर्तमान परिवेश में शिक्षा को तकनीकी रूप से अपग्रेड करने के लिये यह अनुबंध सहायक होगा।





विदित हो महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव शोध की गुणवत्ता में वृद्धि और शैक्षणिक एवं अकादमिक उन्नयन के उद्देश्य से देश के कई प्रतिष्ठित शैक्षणिक एवं शोध संस्थानों के साथ समझौते पर काम कर रहे हैं। हाल ही में भीमराव अंबेडकर बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर तथा भाभा कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र, मुजफ्फरपुर के साथ महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय ने शिक्षा एवं शोध-क्षेत्र में पारस्परिक सहयोग के लिए समझौता किया है।

### ***Mahatma Gandhi Central University Signs MoU with Dr. Ram Manohar Lohia Avadh University, Ayodhya***

**MGCU News** | Mahatma Gandhi Central University (MGCU) has entered into a significant Memorandum of Understanding (MoU) with Dr. Ram Manohar Lohia Avadh University, Ayodhya, Uttar Pradesh, to foster mutual cooperation in the educational and academic spheres. The MoU was officially signed by Prof. Sanjay Srivastava, Vice Chancellor of MGCU, and Prof. Pratibha Goyal, Vice Chancellor of Dr. Ram Manohar Lohia Avadh University. Speaking on the occasion, Prof. Sanjay Srivastava emphasized that this collaboration will pave the way for academic exchange and joint research initiatives in fields such as science, technology, and engineering. He highlighted that the partnership will include the organization of joint workshops, seminars, and educational tours, providing enriched learning opportunities for students and faculty of both institutions.

Echoing this sentiment, Prof. Pratibha Goyal stated that the agreement will offer valuable support to students in advancing their education and research endeavors, particularly by integrating technological advancements into the academic framework.

This MoU is part of MGCU's ongoing efforts to build academic bridges with premier institutions across the country. The university, under the visionary leadership of Prof. Sanjay Srivastava, has recently signed similar agreements with Babasaheb Bhimrao Ambedkar Bihar University, Muzaffarpur, and the Bhabha Cancer Hospital and Research Center, Muzaffarpur, to enhance research quality and academic excellence.

### **मगांकेविवि के समाज कार्य विभाग ने गेट- टुगेदर प्रोग्राम का किया आयोजन**

**एमजीसीयू न्यूज** | महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग के नवागंतुक विद्यार्थियों के स्वागत एवं पूर्ववर्ती सत्र के विद्यार्थियों के फेयरवेल के लिए आचार्य वृहस्पति सभागार में 'गेट टुगेदर प्रोग्राम' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रथम सेमेस्टर एवम पूर्ववर्ती सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने तृतीय सेमेस्टर के छात्रों द्वारा आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया एवं साथ ही सभी ने अपनी कला का प्रदर्शन भी किया। कार्यक्रम में गीत, नृत्य का रंगारंग आयोजन हुआ। छात्रों ने रैंप पर फैशन और ट्रेंड का जलवा बिखेरा। सामाजिक विज्ञान के अधिष्ठाता सह समाज कार्य के विभागाध्यक्ष प्रो० सुनील महावर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इस अवसर पर समाज

कार्य विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. उपमेश तलवार, डॉ. अनुपम कुमार वर्मा एवम अतिथि व्याख्याता डॉ. अल्पिका त्रिपाठी मौजूद रहे। गेट टुगेदर पार्टी में नव आगंतुक छात्रों के स्वागत के साथ-साथ पास आउट छात्रों को विदाई भी दी गई। कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें पास आउट छात्रों में से विजेता हिमांशु रंजन को मिस्टर फेयरवेल और विजेता श्रीवास्तव को मिस फेयरवेल घोषित किया गया। इसी तरह नव आगंतुक विद्यार्थियों में से विजेता श्री प्रशांत को मिस्टर फ्रेशर और सत्यम राज को मिस फ्रेशर चुना गया।

### ***Department of Social Work Organizes Get-Together Program to Welcome Freshers and Bid Farewell to Seniors***



**MGCU News** | The Department of Social Work at Mahatma Gandhi Central University (MGCU) hosted a vibrant and heartfelt Get-Together Program at Acharya Brihaspati Auditorium, bringing together students from various semesters to welcome the incoming batch and bid farewell to the outgoing students.

Organised by the students of the third semester, the event featured enthusiastic participation from both first-semester newcomers and students from the outgoing batch. The celebration was marked by a colourful array of cultural performances, including songs, dances, fashion ramp walks, and other artistic displays, showcasing the talent and spirit of the department.

Prof. Sunil Mahawar, Dean of the Faculty of Social Sciences and Head of the Department of Social Work, graced the event as the chief guest. Faculty members Dr. Upmesh Talwar, Dr. Anupam Kumar Verma, and Dr. Alpica Tripathi also applauded the students' creativity and extended their best wishes to both the freshers and graduating students.

The program included various fun-filled competitions and titles. Among the outgoing students, Himanshu Ranjan was crowned Mr. Farewell, while Vijeta Shrivastav was honoured as Miss Farewell. Among the newcomers, Prashant received the title of Mr. Fresher and Satyam Raj was named Miss Fresher. The event not only celebrated the journey and achievements of the outgoing students but also fostered a sense of belonging and excitement among the new entrants, reflecting the department's commitment to camaraderie, inclusivity, and student engagement.



शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम् {शरीर ही सभी धर्मों (कर्तव्यों) को पूरा करने का साधन है।}

## डॉ. अंजनी कुमार श्रीवास्तव और डॉ. अनुपम कुमार वर्मा के शोध परियोजना प्रस्ताव को अनुदान हेतु आईसीएसएसआर की मिली मंजूरी



हिन्दी विभाग के विभागाध्यक्ष  
डॉ. अंजनी कुमार श्रीवास्तव



समाज कार्य विभाग के सहायक प्राध्यापक  
डॉ. अनुपम कुमार वर्मा

**एमजीसीयू न्यूज** | हिन्दी विभाग के अध्यक्ष डॉ. अंजनी कुमार श्रीवास्तव और समाजकार्य विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अनुपम कुमार वर्मा को भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, दिल्ली द्वारा शोध परियोजना हेतु अनुदान की स्वीकृति मिली है। परियोजना में हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के सहायक आचार्य डॉ. प्रभात रंजन सेठी, महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अनुपम कुमार वर्मा तथा जवाहरलाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय, पोर्ट ब्लेयर के वनस्पति विज्ञान के सहायक आचार्य डॉ. संतोष कुमार झा सह परियोजना निदेशक के रूप में कार्य करेंगे।

## साहित्य के स्वरूप निर्माण में जनता की चित्तवृत्ति महत्वपूर्ण- डा. श्याम नंदन



**एमजीसीयू न्यूज** | लखनऊ विश्वविद्यालय से संबद्ध नवयुग कन्या महाविद्यालय, राजेन्द्र नगर, लखनऊ के हिन्दी विभाग की 'नवज्योतिका' संस्था द्वारा हिन्दी दिवस की पूर्व संध्या के अवसर पर 'राष्ट्रीय एकता और हिन्दी' विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गयी। संगोष्ठी में महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के सहायक आचार्य डॉ. श्याम नन्दन विशिष्ट वक्ता के रूप में शामिल हुए। लखनऊ विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के प्रो. पवन अग्रवाल, श्री जयनारायण मिश्र पी. जी. कालेज के डा. रमेश प्रताप सिंह, महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो मंजुला उपाध्याय, हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रो मंजुला यादव, प्रो अमिता रानी सिंह, डा. अपूर्वा अवस्थी, श्रीमती अंकिता पांडेय, सुश्री मेघना यादव उपस्थित रहीं। विशिष्ट वक्ता डा. श्याम नंदन ने अपने वक्तव्य में कहा कि साहित्य के स्वरूप निर्माण

में जनता की चित्तवृत्ति महत्वपूर्ण होती है। जनता की चित्तवृत्ति सामाजिक, राजनीतिक और धार्मिक कारकों से प्रभावित होती है। साहित्य में ये प्रवृत्तियाँ परिलक्षित होती हैं। साहित्य में प्रकट होने वाली प्रवृत्ति केवल जन-समुदाय की ही नहीं होती। इन प्रवृत्तियों से भाषा के स्वभाव को भी समझा जा सकता है। हिन्दी स्वभावतः समन्वयवादी है। संगोष्ठी के अंत में हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित भाषण प्रतियोगिता और काव्यपाठ प्रतियोगिता में विजेता छात्राओं को पुरस्कार भी प्रदान किये गये।

## “Public Sentiment is Crucial in the Formation of Literature” – Dr. Shyam Nandan on Hindi Diwas

**MGCU News** | On the eve of Hindi Diwas, a one-day national seminar on “National Unity and Hindi” was organised on 13 Sept 2024 by the Hindi department's cultural group 'Navjyotika' at Navyug Kanya Mahavidyalaya, Lucknow, affiliated to Lucknow University. The seminar witnessed participation from renowned academicians, including Dr. Shyam Nandan, Assistant Professor at Mahatma Gandhi Central University (MGCU), who was invited as a distinguished speaker.

In his insightful address, Dr. Shyam Nandan emphasised the intrinsic connection between literature and the collective psyche of society. “Public sentiment plays a vital role in the formation of literature,” he noted. He elaborated that the emotional and intellectual temperament of the people is shaped by social, political, and religious circumstances, and these elements become deeply embedded in literary works. Furthermore, he highlighted that these reflected tendencies are not solely of the masses, but they also help in understanding the dynamic and inclusive nature of language, particularly Hindi. “Hindi is naturally assimilative in nature,” he stated.

The seminar was graced by notable scholars, including Prof. Pawan Agarwal (Department of Hindi, Lucknow University), Dr. Ramesh Pratap Singh (Shri Jayanarayan Mishra PG College), Prof. Manjula Upadhyay (Principal), Prof. Manjula Yadav (Head, Hindi Department), Prof. Amita Rani Singh, Dr. Apoorva Awasthi, Mrs. Ankita Pandey, and Ms. Meghna Yadav.

The event also featured a speech competition and poetry recitation contest as part of Hindi Diwas celebrations. Prizes were awarded to the winning participants, adding a vibrant and participatory spirit to the program.

## महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में हिन्दी साहित्य सभा का हुआ पुर्नगठन

**एमजीसीयू न्यूज** | महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय में हिन्दी विभाग की हिन्दी साहित्य सभा का पुर्नगठन किया गया। हिन्दी साहित्य सभा के अंतर्गत विभिन्न साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का संचालन छात्रों द्वारा किया जाता है। हिन्दी साहित्य सभा में सुनंदा गराई को अध्यक्ष तथा विकास कुमार को सचिव का दायित्व दिया गया है। अपराजिता को उपाध्यक्ष, सहसचिव अवधेश कुमार, कोषाध्यक्ष प्रियंका सिंह, सह कोषाध्यक्ष संजीत कुमार एवं रजनीश कुमार, संस्कृति





सचिव अशर्फी लाल, संस्कृति सह सचिव काजल कुमारी एवं रुद्राणी; साहित्य सचिव कुलदीप, साहित्य सह सचिव अनन्या सिंह एवं मनु भगत, मीडिया सचिव राजेश पाण्डेय, मीडिया सहसचिव अंशु एवं रूपेश, प्रबंध सचिव अनुराग कुमार आनंद, प्रबंध सहसचिव अमनदीप एवं कुमारी सिया को घोषित किया गया। मुस्कान कौशिक, शिवानी कुमारी, खुशबू कुमारी, संजना कुमारी, लवली कुमारी और ज्योति कुमारी को कार्यकारिणी का सदस्य बनाया गया। हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. अंजनी कुमार श्रीवास्तव एवं सहायक आचार्य डॉ. गोविंद प्रसाद ने हिंदी साहित्य सभा के नए दायित्व धारियों को शुभकामनाएं दी।

## ***Hindi Sahitya Sabha Reorganised in Mahatma Gandhi Central University Motihari***



**MGCU News** | The Hindi Sahitya Sabha of the Hindi Department at Mahatma Gandhi Central University (MGCU) has been reorganised with new members on 14 September 2024. Sunanda Garai has been appointed as the President, while Vikas Kumar will serve as the Secretary. The new committee also includes Aparajita as Vice President, Awadhesh Kumar as Joint Secretary, and Priyanka Singh as Treasurer, with Sanjit Kumar and Rajneesh Kumar as Joint Treasurers. Asharfi Lal has been named the Culture Secretary, with Kajal Kumari and Rudrani as Culture Co-Secretaries. Kuldeep will serve as the Literary Secretary, with Ananya Singh and Manu Bhagat as Literary Co-Secretaries. Rajesh Pandey will be the Media Secretary, alongside Anshu and Rupesh as Media Joint Secretaries. Anurag Kumar Anand has been appointed as the Managing Secretary, with Amandeep and Kumari Siya as Managing Joint Secretaries. Muskan Kaushik, Shivani Kumari, Khushboo Kumari, Sanjana Kumari, Lovely Kumari, and Jyoti Kumari will serve as members of the Executive Committee. Dr. Anjani Kumar Srivastava, Head of the Hindi Department, and Dr. Govind Prasad, Assistant Professor, congratulated the new team and wished them success in their roles, recognising the significance of their work in fostering literary and cultural activities within the department.

## **कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने नेपाल की विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा देउबा से की मुलाकात**

एमजीसीयू न्यूज। महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय

श्रीवास्तव ने नेपाल दौरे के दौरान वहां की माननीय विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा देउबा से मुलाकात की। इस अवसर पर प्रो. श्रीवास्तव ने डॉ. देउबा को एमजीसीयू में आने का आमंत्रण दिया और भारत-नेपाल के बीच शैक्षिक सहयोग के संभावित आयामों पर चर्चा की।

मुलाकात के दौरान प्रो. संजय श्रीवास्तव ने भारत और नेपाल के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों को रेखांकित करते हुए शैक्षिक क्षेत्र में मजबूत सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने दोनों देशों के बीच संयुक्त शैक्षिक कार्यक्रमों, छात्र विनिमय योजनाओं और शोध परियोजनाओं के माध्यम से आपसी विकास और ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने की अपनी दृष्टि साझा की। डॉ. आरजू राणा देउबा ने प्रो. श्रीवास्तव के प्रयासों की सराहना की और शैक्षिक संबंधों को प्रगाढ़ करने में रुचि दिखाई। उन्होंने कहा कि एमजीसीयू जैसे विश्वविद्यालय दोनों देशों के बीच क्षेत्रीय सहयोग और छात्रों के लिए व्यापक शैक्षिक अवसरों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

यह मुलाकात भारत और नेपाल के बीच शैक्षिक संबंधों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे दोनों देशों के छात्र और शिक्षाविद लाभान्वित होंगे। इसके अलावा, नीति अनुसंधान प्रतिष्ठान, काठमांडू, महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के साथ मिलकर नेपाल के साथ और अधिक सहयोग के अवसर प्रदान करेगा, जिससे दोनों देशों के बीच शैक्षिक रिश्ते और मजबूत होंगे।

## ***MGCU VC Meets Nepal's Foreign Minister***

**MGCU News** | Prof. Sanjay Srivastava, MGCU Vice Chancellor, met Nepal's Foreign Minister Dr. Arzoo Rana Deuba during his visit to Nepal on 14 Sept 2024. During the meeting, Prof. Srivastava extended an invitation to Dr Deuba to visit Mahatma Gandhi Central University (MGCU) and discussed opportunities for educational cooperation between India and Nepal. Prof. Srivastava emphasized the long-standing historical and cultural ties between the two countries, highlighting the importance of strengthening collaboration in the



educational sector. He proposed initiatives such as joint educational programs, student exchange schemes, and collaborative research projects to promote mutual development and knowledge sharing. Dr. Arzoo Rana Deuba expressed her appreciation for Prof. Srivastava's efforts and showed interest in enhancing the educational relationship. She acknowledged that universities like MGCU could play a key role in fostering regional cooperation and providing broader educational opportunities for students in both countries. This meeting marks an important step towards expanding educational collaboration between India and Nepal, with plans for further cooperation through joint efforts, including with the Policy Research Institute in Kathmandu, to benefit students and academicians from both nations.



## महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में हिन्दी दिवस समारोह का आयोजन



**एमजीसीयू न्यूज** महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में राजभाषा प्रकोष्ठ तथा हिन्दी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में हिन्दी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। हिन्दी दिवस समारोह से हिन्दी पखवाड़ा-२०२४ का आरम्भ किया गया। केंद्रीय विश्वविद्यालय में हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन १४ सितंबर से ३० सितम्बर तक किया जाएगा। इसके अंतर्गत स्वरचित काव्यपाठ प्रतियोगिता, हिन्दी कार्यशाला, राजभाषा प्रश्नोत्तरी, निबंध प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता तथा राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता मानविकी एवं भाषा संकाय के अधिष्ठाता प्रो. प्रसून दत्त सिंह ने की। हिन्दी विभाग के आचार्य प्रो. राजेंद्र सिंह कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थे। हिन्दी विभाग के अध्यक्ष डॉ. अंजनी कुमार श्रीवास्तव कार्यक्रम के स्वागताध्यक्ष, हिन्दी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. गोविन्द प्रसाद वर्मा कार्यक्रम के संयोजक तथा हिन्दी अधिकारी श्रद्धानंद पांडेय आयोजन सचिव थे। हिन्दी विभाग की शोधार्थी सुनंदा गराई तथा विकास कुमार कार्यक्रम में सह-संयोजक थे। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो. प्रसून दत्त सिंह ने कहा कि हिन्दी का भविष्य स्वर्णिम है, आगे हिन्दी का और भी विकास होगा। हिन्दी को राष्ट्रभाषा घोषित किया जाना चाहिए। प्रो. राजेंद्र सिंह ने हिन्दी के विकास में अहिंदी भाषियों के योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि हिन्दी को राजभाषा बनाने में सभी भाषा-भाषियों का महत्वपूर्ण योगदान है। डॉ. अंजनी कुमार श्रीवास्तव ने राजभाषा हिन्दी की विकास यात्रा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हिन्दी भाषा राजभाषा के रूप में अमृत काल में प्रवेश कर रही है। डॉ. गोविन्द प्रसाद वर्मा ने विषय प्रवेश करते हुए कहा कि आज हिन्दी का विकास हो रहा है, किन्तु अंग्रेजी शब्दावली हिन्दी में प्रवेश कर रही है, जिससे बचना चाहिए। शैक्षिक अध्ययन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. पाथलोथ ओंकार ने हिन्दी भाषा की समृद्ध भाषिक परम्परा की चर्चा की। पूर्व शिक्षा पदाधिकारी श्री बी एल साहू ने हिन्दी के अधिकाधिक प्रयोग पर बल दिया। कार्यक्रम में देसरी महाविद्यालय, वैशाली के सह आचार्य डॉ. अभयनाथ सिंह भी उपस्थित थे। हिन्दी दिवस के अवसर पर मनीष त्रिगुणायत, सच्चिदानंद, मुकेश कुमार, कुलदीप, संजीत कुमार, अनन्या सिंह, रूपेश कुमार, अंजू कुमारी अमनदीप और मनु भगत ने भी अपने विचार प्रकट किये एवं कविता प्रस्तुत की। प्रेमचंद जयंती के अवसर पर आयोजित प्रतियोगिता के विजेताओं को भी हिन्दी दिवस कार्यक्रम में पुरस्कृत किया गया। कविता कुमारी को प्रथम, रूपेश कुमार को द्वितीय एवं शिवानी कुमारी को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। संचालन प्रतीक ओझा द्वारा किया गया।

### MGCU Celebrates Hindi Pakhwada-2024

MGCU News | Mahatma Gandhi Central University celebrated

Hindi Diwas under the joint aegis of the Official Language Cell and the Hindi Department, marking the beginning of Hindi Pakhwada-2024. The celebration, which would run from September 14 to September 30, includes a range of events such as a self-composed poetry recitation competition, a Hindi workshop, an official language quiz, an essay competition, a speech competition, and a national seminar.

The program was presided over by Prof. Prasoon Dutta Singh, Dean, Humanities and Languages, with Prof. Rajendra Singh, Professor of Hindi Department, as the keynote speaker. Dr. Anjani Kumar Srivastava, Head of the Hindi Department, welcomed the attendees, and Dr. Govind Prasad Verma, Assistant Professor in the Hindi Department, coordinated the event, with Shradhanand Pandey, the Hindi Officer, serving as the organizing secretary. Sunanda Garai and Vikas Kumar, researchers in the department, were co-coordinators.

In his presidential address, Prof. Prasoon Dutta Singh expressed optimism about the future of Hindi, stating that it has a golden future and should eventually be declared the national language. Prof. Rajendra Singh highlighted the contributions of non-Hindi speakers to the development of Hindi, stressing that all language speakers have played an important role in making Hindi the official language. Dr. Anjani Kumar Srivastava discussed the development journey of Hindi as an official language, noting its role in the "Amrit Kaal." Dr. Govind Prasad Verma pointed out the development of Hindi but raised concerns about the growing influence of English vocabulary, which should be resisted. Dr. Pathloth Omkar from the Educational Studies Department elaborated on the rich linguistic tradition of Hindi. Former Education Officer Mr. B.L. Sahu emphasized the increased use of Hindi, and Dr. Abhaynath Singh, Associate Professor at Desari Mahavidyalaya, Vaishali, also contributed to the discussion.

The program also featured poems and views expressed by students like Manish Trigunayat, Sachchidanand, Mukesh Kumar, Kuldeep, Sanjit Kumar, Ananya Singh, Rupesh Kumar, Anju Kumari Amandeep, and Manu Bhagat. The winners of the competition organised on the occasion of Premchand Jayanti were recognized, with Kavita Kumari taking first prize, Rupesh Kumar second, and Shivani Kumari third. The event was conducted by Pratik Ojha.

### राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजित स्वच्छता पखवाड़ा का सफलतापूर्वक समापन

**एमजीसीयू न्यूज** महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजित स्वच्छता पखवाड़ा सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। यह स्वच्छता पखवाड़ा १ सितम्बर २०२४ से १५ सितम्बर, २०२४ तक विश्वविद्यालय के विभिन्न परिसरों में चलाया गया।

कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने विश्वविद्यालय परिवार के प्रति अपने संदेश में कहा





कि गाँधी जी के लिये 'स्वच्छता' एक बहुत ही महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दा था। वर्ष १८९५ में जब ब्रिटिश सरकार ने दक्षिण अफ्रीका में भारतीयों और एशियाई व्यापारियों से उनके स्थानों को गंदा रखने के आधार पर भेदभाव किया था, तब से लेकर जीवन भर गाँधी जी लगातार स्वच्छता पर जोर देते रहे। हमें भी अपने विश्वविद्यालय को स्वच्छ रखना है। स्वच्छता में ईश्वर का वास होता है। जिससे विश्वविद्यालय के छात्र शोध, तकनीक, शिक्षा और शैक्षिक व्याख्यान के क्षेत्र में बेहतर कर सकेंगे।

कुलानुशासक प्रो. प्रसून दत्त सिंह ने कहा कि महात्मा गाँधी जी ने स्कूली और उच्च शिक्षा के पाठ्यक्रमों में स्वच्छता को तुरंत शामिल करने की आवश्यकता पर जोर दिया था। महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय ग्रामीणों को अपने आसपास और गाँव को साफ रखते हुए स्वच्छता का माहौल विकसित करने की जरूरत के बारे में शिक्षित कर रहा है। उन्होंने सभी शोधार्थियों, विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को विश्वविद्यालय को सदा स्वच्छ रखने का संकल्प भी दिलाया। उपकुलानुशासक डॉ. अंजनी कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि स्वच्छ वातावरण तंदुरुस्त मन का निर्माण करता है। उन्होंने स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हम सबको न केवल अपने आस पास और घर को स्वच्छ रखना चाहिए बल्कि अपने समाज में भी समय-समय पर सफाई करनी चाहिए। विश्वविद्यालय के अधिकारीगण, शोधार्थीगण, विद्यार्थियों, एवं कर्मचारियों ने सफाई अभियान में बढ़ चढ़ कर भाग लिया।

## महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय एवं नेपाल के नीति अनुसंधान प्रतिष्ठान के बीच हुआ समझौता

- शोध एवं अकादमिक क्षेत्र में पारस्परिक सहयोग पर दोनों संस्थानों में बनी सहमति

**एमजीसीयू न्यूज।** महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय तथा नेपाल के नीति अनुसंधान प्रतिष्ठान के बीच शिक्षा एवं शोध के क्षेत्र में अकादमिक सहयोग हेतु पारस्परिक सहमति के बाद समझौता पत्र पर हस्ताक्षर हुआ। कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव तथा नीति अनुसंधान प्रतिष्ठान के प्रेम न्यूपानी ने इस समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने कहा कि नेपाल और भारत के बीच सांस्कृतिक-राजनीतिक संबंध प्राचीनकाल से ही प्रगाढ़ हैं। भारत और नेपाल के बीच का यह सांस्कृतिक संबंध दोनों राष्ट्रों की मैत्री का आधार भी है। दोनों देशों को एक साथ मिलकर एक दूसरे के विकास और सहयोग की दृष्टि से कार्य करने की आवश्यकता है। नीति अनुसंधान प्रतिष्ठान के साथ इस समझौते से न केवल दोनों संस्थाओं के लोगों के लिए शिक्षा और शोध के क्षेत्र में नए अवसर विकसित होंगे बल्कि दोनों देशों की संस्थाएं मिलकर ऐसी शोध परियोजनाओं पर संयुक्त रूप से कार्य करेंगी, जो विकास के लिए कारगर होंगी। उन्होंने कहा कि पड़ोसी राष्ट्र एक नीति अनुसंधान प्रतिष्ठान के साथ अकादमिक समझौता होना अत्यंत सुखद और संभावनापूर्ण है। हम इनके साथ मिलकर ऐसी शोध परियोजनाओं पर कार्य करेंगे, जो

भारत और नेपाल के विकास के साथ ही साथ दोनों राष्ट्रों के मैत्रीपूर्ण संबंधों के विकास के लिए उपयोगी हों। हमारी कोशिश होगी कि दोनों देशों के बीच उभयनिष्ठ लोक-संस्कृति लोकाचार, ज्ञान- परंपरा और लोक प्रशासन से संबंधित नीतियों पर काम किया जाए। दूसरी तरफ नीति अनुसंधान प्रतिष्ठान से जुड़े प्रेम न्यूपानी जी ने महात्मा गाँधी के केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव की अकादमिक सक्रियता, दूरदृष्टि तथा भारत और नेपाल के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों के विकास के लिए अकादमिक सहयोग की संभावनाओं को तलाशने के विचारों की सराहना की और आशा जताई कि नेपाल के साथ काम करते हुए महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय शोध और अनुसंधान के नए आयाम तक पहुँचेगा।

इसी क्रम में नेपाल के नीति अनुसंधान संस्थान के साथ समझौता हुआ है। कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने बताया कि महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय शिक्षा एवं शोध कार्य के साथ ही अकादमिक उन्नयन के लिए दुनिया भर के प्रतिष्ठित शैक्षणिक एवं शोध संस्थानों के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध है। पड़ोसी राष्ट्र नेपाल के एक प्रमुख और प्रतिष्ठित संस्थान के साथ किया गया यह समझौता महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय को अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी अकादमिक क्षमता को प्रमाणित करने का एक सशक्त माध्यम बनेगा।

महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के जन-संपर्क प्रकोष्ठ के संयोजक डॉ. श्याम नंदन ने बताया कि इस समझौता पत्र पर हस्ताक्षर होने के बाद अब नेपाल और भारत के लिए नीतिगत मुद्दों पर अध्ययन और अनुसंधान के लिए दोनों संस्थाएं मिलकर काम करेंगी। महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय और नीति अनुसंधान प्रतिष्ठान, नेपाल के बीच यह समझौता एक अंतरराष्ट्रीय समझौता है और दोनों ही संस्थाओं के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

## MoU Between Mahatma Gandhi Central University and Nepal Policy Research Institute



**MGCU News |** Mahatma Gandhi Central University (MGCU) has signed a Memorandum of Understanding (MoU) with Nepal's Niti Anusandhan Pratishthan on 15 September 2024 to foster academic cooperation in education and research. The MoU was signed by Vice Chancellor Prof. Sanjay Srivastava and Prem Neupani of Niti Anusandhan Pratishthan.

During the signing ceremony, Prof. Srivastava emphasised the long-standing cultural and political ties between India and Nepal, which have served as a strong foundation for the friendly relations between the two nations. He stated that the agreement will open new avenues for collaboration in research and education, with both institutions working together on projects that promote



mutual development and foster better relations between the two countries. The focus of future research will include areas such as folk culture, ethos, knowledge traditions, and public administration that are common to both India and Nepal.

Mr. Prem Neupani expressed his admiration for Prof. Srivastava's vision and foresight in pursuing academic cooperation between the two countries. He also shared his hopes that this collaboration would bring about new opportunities for research and development, benefiting both institutions and the wider relationship between India and Nepal.

Prof. Srivastava has been actively working to establish agreements with several prestigious educational and research institutions both in India and abroad to enhance research quality and academic progress. Recently, MGCU signed similar agreements with Babasaheb Bhimrao Ambedkar Bihar University, Muzaffarpur, Bhabha Cancer Hospital and Research Centre, Muzaffarpur, and Dr. Ram Manohar Lohia Avadh University, Ayodhya, for mutual cooperation in education and research. Dr. Shyam Nandan, Coordinator of the Public Relations Cell at MGCU, highlighted that this MoU is a significant international achievement for both institutions. Following the agreement, MGCU and Niti Anusandhan Pratishthan will collaborate on policy-oriented research projects aimed at addressing key issues relevant to both India and Nepal.

## महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय में स्वरचित काव्य प्रतियोगिता का आयोजन



**एमजीसीयू न्यूज** | महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय राजभाषा प्रकोष्ठ तथा हिंदी विभाग के संयुक्त तत्वाधान में स्वरचित काव्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। हिंदी पखवाड़ा 2024 के अंतर्गत आयोजित स्वरचित काव्य प्रतियोगिता के निर्णायक समिति में हिंदी विभाग के प्रोफेसर राजेंद्र सिंह बडगूजर, समाज कार्य विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अनुपम वर्मा, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डॉक्टर मधु पटेल एवं वाणिज्य विभाग के सहायक आचार्य डॉक्टर रवीश चंद्र वर्मा उपस्थित रहे। शिक्षाशास्त्र विभाग की सहायक आचार्य डॉ. रश्मि श्रीवास्तव कार्यक्रम की संयोजक थी तथा स्वागत वक्तव्य दिया। हिंदी विभाग की प्रियंका सिंह एवं अपराजिता, अमनदीप कार्यक्रम के सह-संयोजक थे।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रोफेसर राजेंद्र सिंह बडगूजर ने कार्यक्रम में उपस्थित निर्णायक समिति एवं सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी। इसके साथ ही ज्ञानाग्रह पत्रिका की अगले अंक की घोषणा की गई। समाज कार्य विभाग के सहायक आचार्य डॉक्टर अनुपम वर्मा ने हिंदी भाषा के प्रति अपनी रुचि दिखाई और अपनी स्वरचित कविता का पाठ किया। उन्होंने कहा कि कविता ज्ञान की भाषा है जो अज्ञानता से ज्ञान की ओर ले जाती है। पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डॉ. मधु पटेल ने भी सभी प्रतियोगियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। वाणिज्य विभाग के सहायक आचार्य डॉक्टर रवीश चंद्र वर्मा ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी तथा अपनी स्वरचित कविता का पाठ किया। विश्वविद्यालय के राजभाषा अधिकारी श्रद्धानंद पांडेय ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी।

स्वरचित काव्य पाठ प्रतियोगिता के अवसर पर लोकेश पांडेय, निखिल पांडेय, मनीष दिवाकर, कुलदीप, मुकेश, संजीत, आशीष कुमार, विवेक, अनुराग, आयुष रंजन, रूपेश, संजना पांडेय, कविता, मदन सिन्हा ने अपनी कविता प्रस्तुत की। स्वरचित काव्य प्रतियोगिता के विजेताओं में सांत्वना पुरस्कार निखिल पांडेय, तृतीय पुरस्कार संजीत, द्वितीय पुरस्कार लोकेश पांडेय तथा प्रथम पुरस्कार मनीष दिवाकर को प्रदान करने की घोषणा की गई। संचालन हिंदी विभाग की शोधार्थी अपराजिता एवं धन्यवाद ज्ञापन शोधार्थी प्रियंका सिंह ने किया।

## हमें अंग्रेजी भाषा से अधिक अपनी मातृ भाषा हिंदी पर विशेष ध्यान देने की जरूरत - सौरभ जोरवाल



**एमजीसीयू न्यूज** | महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय के मीडिया अध्ययन विभाग में "हिंदी पत्रकारिता में भाषागत चुनौतियाँ" विषयक एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर संजय श्रीवास्तव ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्वी चंपारण के जिलाधिकारी श्री सौरभ जोरवाल, मुख्य वक्ता भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर के संस्कृत विभाग के आचार्य प्रो. श्रीप्रकाश पाण्डेय थे।

अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने कहा कि पत्रकारिता के विद्यार्थी जिस भी क्षेत्र में अपनी पत्रकारिता करना चाहते हैं, उस विषय में उनकी अच्छी पकड़ होनी चाहिए। जिस भी भाषा का उपयोग करें वह संपूर्ण रूप से शुद्ध और तथ्य से परिपूर्ण होनी चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को सुझाव दिया कि विद्वान वक्ताओं को सुनना चाहिए और कौशल को विकसित करना चाहिए। शुद्ध भाषा एक दूसरे को प्रभावित करती है।

बतौर मुख्य अतिथि जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने कहा कि हम देशवासी अंग्रेजों के प्रभुत्व से आजाद हो गए परंतु हम आज भी मानसिक तौर पर उनकी भाषा के गुलाम हैं। हमें अंग्रेजी भाषा से अधिक अपनी मातृ भाषा हिंदी पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है, ताकि देश को नई दशा दिशा मिले। मुख्य वक्ता प्रो. श्रीप्रकाश पाण्डेय ने कहा कि हम भारतवासियों को अपनी मातृभाषा हिंदी पर गर्व होनी चाहिए। आज हिंदी भाषा में अंग्रेजी भाषा का सम्मिलन और व्याकरणिय अशुद्धियां देखी जा रही





हैं, जो की हमारे भाषा की गिरावट की ओर संकेत दे रही है। विषय प्रवर्तन करते हुए विभागाध्यक्ष डॉ. अंजनी कुमार झा ने कहा कि डिजिटल मीडिया के आने से हिंदी पत्रकारिता में भाषागत चुनौतियाँ बढ़ी है। हिंदी पत्रकारिता में भाषा को समृद्ध करने पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि पत्रकारिता में सरल भाषा के साथ शुद्ध भाषा हो इसकी चिंता करनी होगी। अतिथियों का स्वागत संगोष्ठी संयोजक डॉ. सुनील दीपक घोड़के ने की। धन्यवाद ज्ञापन मीडिया अध्ययन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. परमात्मा कुमार मिश्र ने की। कार्यक्रम में मुख्य नियंता एवं गाँधी परिसर के निदेशक प्रो. प्रसून दत्त सिंह, डीडीयू के निदेशक प्रो. शिरीष मिश्र, संस्कृत विभाग के अध्यक्ष डॉ. श्याम कुमार झा, मीडिया अध्ययन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. साकेत रमण, डॉ. उमा यादव, डॉ. सुब्रतो रॉय, डॉ. शिवेंद्र सिंह, डॉ. रवीश चंद्र वर्मा, डॉ. शेफालिका मिश्रा आदि मौजूद थे। मंच संचालन तुशल कुमार और पूजा कुमारी के द्वारा किया गया।

***Language is the true carrier of our life values, culture and traditions - Prof. Sanjay Srivastava***

**MGCU News** | A one-day seminar on “Linguistic Challenges in Hindi Journalism” was organised by the Department of Media Studies at Mahatma Gandhi Central University on 23 Sept 2024. The seminar was chaired by Vice Chancellor Prof. Sanjay Srivastava, with District Magistrate of East Champaran, Mr. Saurabh Jorwal, attending as the Chief Guest, and Prof. Shriprakash Pandey, Acharya of the Sanskrit Department at Bhimrao Ambedkar University, Muzaffarpur, as the keynote speaker.

In his presidential address, Prof. Srivastava emphasised that journalism students must have a solid understanding of their subject and use pure, fact-based language in their reporting. He encouraged students to listen to knowledgeable speakers and develop their skills, stating that the use of pure language can positively influence others. As the Chief Guest, Mr. Jorwal reflected on India's freedom from British rule, noting that while the country is no longer under colonial domination, the influence of English still persists mentally. He stressed the importance of paying more attention to Hindi, our mother tongue, rather than English, in order to give the country a new direction. Prof. Shriprakash Pandey, the keynote speaker, urged pride in the Hindi language, expressing concern over the increasing use of English and grammatical errors in Hindi, which he believes signal a decline in the language's purity. Dr. Anjani Kumar Jha, Head of the Media Studies Department, introduced the topic, highlighting the increased linguistic challenges in Hindi journalism due to the rise of digital media. He stressed the need for both purity and simplicity in the language used in journalism.

The seminar was coordinated by Dr. Sunil Deepak Ghodke, with a vote of thanks given by Dr. Paramatma Kumar Mishra, Assistant

Professor of Media Studies. Other notable attendees included Prof. Prasoon Dutta Singh, Chief Proctor, and Campus Director of Gandhi Bhawan, Prof. Shirish Mishra, Director of DDU Parisar, Dr. Shyam Kumar Jha, Head of the Sanskrit Department, and faculty members from the Media Studies Department, among others. The event was conducted by Tushal Kumar and Pooja Kumari.

## **मगांकेविवि के मुखपत्र परिसर प्रतिबिंब का विमोचन समारोह आयोजित**



**एमजीसीयू न्यूज** | महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय के जन-सम्पर्क प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के ई-समाचार पत्र 'परिसर प्रतिबिंब' का विमोचन बुद्ध परिसर स्थित बृहस्पति सभागार में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने की। मंच पर परिसर प्रतिबिंब के वरिष्ठ परामर्शदाता मीडिया अध्ययन विभाग के अध्यक्ष डॉ. अंजनी कुमार झा, मीडिया अध्ययन विभाग के सहायक प्राध्यापक एवं संपादक डॉ. सुनील दीपक घोड़के और हिंदी विभाग के सहायक प्राध्यापक एवं उप संपादक डॉ. श्यामनंदन उपस्थित थे।

कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि यह समाचार पत्र विद्यार्थियों को रचनात्मक तौर पर मजबूत करेगा। इसके द्वारा विश्वविद्यालय व विद्यार्थियों के द्वारा किए गए कार्यों को विस्तार रूप से जानने को मिलेगा। इस नई पहल के द्वारा विद्यार्थियों को ले-आउट डिजाइनिंग, एडिटिंग, रिपोर्टिंग, समाचार लेखन आदि कई चीजें सीखने को मिली हैं और भविष्य में मिलती रहेंगी। ई-समाचारपत्र के परामर्शदाता डॉ. अंजनी कुमार झा ने कहा कि यह समाचार पत्र विश्वविद्यालय के कार्यों को प्रदर्शित करेगा तथा यहाँ की समस्त जानकारी को समाज तक पहुँचाने का भी कार्य करेगा। जिससे नये विद्यार्थी विश्वविद्यालय की ओर आकर्षित होंगे।

ई-समाचार 'परिसर प्रतिबिंब' पत्र के संपादक डॉ. सुनील दीपक घोड़के ने कहा कि इस ई-समाचार पत्र के प्रकाशन में मीडिया अध्ययन विभाग के विद्यार्थियों का अहम योगदान रहा है, जिन्होंने इसके लिए कड़ी मेहनत की। उन्होंने कहा कि यह ई-समाचारपत्र विश्वविद्यालय के विभिन्न गतिविधियों का एक आईना है। इस ई-समाचार का लेआउट डिजाइन एमजेमसी तृतीय सेमेस्टर के छात्र प्रतीक कुमार ने की है। धन्यवाद ज्ञापन जनसम्पर्क प्रकोष्ठ के समन्वयक एवं परिसर प्रतिबिंब के उप-संपादक डॉ. श्याम नंदन ने की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय अपने सीमित संसाधनों के बावजूद भी अपना सर्वश्रेष्ठ दे रहा है। ई-समाचार में योगदान देने वाले सभी छात्रों को कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव के कर कमलों द्वारा संपादकीय मंडल के सदस्यों एवं ले-आउट डिजाइन, कंपोजिंग, समाचार संकलन आदि विभिन्न कार्यों में संलग्न प्रतीक कुमार, तुशल, जनमेजय, लकी, सुशील, आशीष, रुचि, पूजा आदि विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। मंच संचालन अंग्रेजी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. उमेश पात्रा ने की।



*"Arise, awake, and stop not till the goal is reached."*  
~ Swami Vivekananda, quoting Katha Upanishad 1.3.14

## **Release Ceremony of MGCU's Mouthpiece Parisar Pratibimb**

**MGCU News** | Mahatma Gandhi Central University's e-newspaper, 'Parisar Pratibimb', was officially launched in a program organised by the Public Relations Cell on 24 Sept 2024 in the Brihaspati Auditorium at Buddha Campus. The event was presided over by Prof. Sanjay Srivastava, Vice Chancellor, with Dr. Anjani Kumar Jha, Head of the Media Studies Department and Advisor for the e-newspaper, Assistant Professor Dr. Sunil Deepak Ghodke, the Editor, and Assistant Professor from the Media Studies Department, and Dr. Shyam Nandan, Assistant Professor and Deputy Editor from the Hindi Department, also gracing the stage.

In his address, Prof. Srivastava emphasised that the e-newspaper will foster creativity among students and provide them with an in-depth look at the university's activities and student initiatives. He highlighted that the initiative will also offer students opportunities to learn valuable skills such as layout designing, editing, reporting, and news writing. Dr. Anjani Kumar Jha shared that the publication will not only showcase the university's work but also serve as a means to communicate these efforts to the broader community, potentially attracting new students to the university. Dr. Sunil Deepak Ghodke, the editor, acknowledged the significant contribution of the Media Studies Department students who were instrumental in producing the e-newspaper. He pointed out that the publication serves as a reflection of the university's diverse activities, and credited Prateek Kumar, a third-semester MJMC student, for his exceptional work on the layout design.

The event concluded with a vote of thanks by Dr. Shyam Nandan, the coordinator of the Public Relations Cell and Deputy Editor of 'Parisar Pratibimb', who expressed gratitude for the support despite limited resources. He also mentioned the efforts of the editorial board and all contributing students, such as Pratik Kumar, Tushal, Shivani Kumari, Janamejaya, Lucky, Sushil, Ashish, Ruchi, and Pooja, who were involved in various tasks like layout design, composing, and news compilation. Vice Chancellor Prof. Srivastava presented certificates of recognition to the students who contributed to the e-newspaper. The stage was conducted by Dr. Umesh Patra, Assistant Professor of the English Department.

## **Open Gym inaugurated at Mahatma Gandhi Central University**

**MGCU News** | Two open gyms were inaugurated at MGCU, one at Gandhi Bhawan, and the other at Chanakya Parisar on 24 Sept 2024 by University Sports Board, MGCU. On the inauguration of



the Open Gym at Gandhi Bhawan, Shri Radha Mohan Singh, former Union Agriculture and Farmers Welfare Minister and Lok Sabha MP expressed his appreciation, stating that since the launch of the Fit India campaign by the Modi government, the public's interest in fitness has grown significantly. Awareness about health and fitness is steadily increasing, and people's participation in activities promoting well-being has risen. He shared his happiness over how yoga, exercise, walking, running, healthy dietary habits, and a balanced lifestyle have become more ingrained in public consciousness. He added that the Fit India campaign demonstrated its impact and relevance even during the restrictive times of the COVID-19 pandemic.

Speaking at the event, Vice Chancellor of Mahatma Gandhi Central University, Prof. Sanjay Srivastava, emphasised the importance of health awareness and encouraged everyone to adopt a healthy lifestyle. He highlighted the significance of combining yoga, pranayama, and asanas with a nutritious diet and positive thinking. Prof. Prasoon Dutta Singh underlined that health is the true wealth and urged everyone to remain vigilant and committed to safeguarding their well-being. Present at the event were Prof. Shirish Mishra, Vice-Chairperson, University Sports Board, Dr. Shyam Nandan, Coordinator of the Public Relations Cell, Dr. Mukesh Kumar, Dr. Jugal Kishor Dadhich, Dr. Babaloo Pal, Dr. Sunil Deepak Ghodke, Junior Engineer Utpal Kumar, as well as many faculty members and students.

## **'इन्नोवेट 2024' व्यापारिक विचार प्रतियोगिता आयोजित**

**एमजीसीयू न्यूज** | महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी के प्रबंधन विज्ञान विभाग एवं इंटरनशिप सेल द्वारा 'इन्नोवेट २०२४' व्यापारिक विचार प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने की। कार्यक्रम का औपचारिक स्वागत और उद्घाटन भाषण प्रतियोगिता की संयोजिका और प्रबंधन विज्ञान विभाग की अध्यक्ष डॉ. सपना सुगंधा द्वारा दिया गया।

अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने छात्रों को नवाचार और उद्यमशीलता के क्षेत्र में नए विचारों को विकसित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि आज के समय में रचनात्मकता और उद्यमशीलता समाज और देश के समग्र विकास में अहम भूमिका निभा सकती हैं। विशिष्ट अतिथि के रूप





में पूर्वी चंपारण के जिलाधिकारी श्री सौरभ जोरवाल उपस्थित रहे, जिन्होंने छात्रों का उत्साहवर्धन किया और नवाचार के महत्त्व पर बल दिया। मुख्य वक्ता नगर आयुक्त श्री सौरभ सुमन यादव ने अपने विचार रखते हुए कहा कि नवाचार और उद्यमशीलता के माध्यम से युवा समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। प्रतियोगिता में कुल ७२ व्यावसायिक विचार प्राप्त हुए थे, जिनमें से १० टीमों का चयन किया गया, चयनित टीमों में से अनेक लोगों ने अनूठे और समस्या-समाधान आधारित विचार प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान रुद्र कुमार पांडे और उनकी टीम ने प्राप्त किया। दूसरे स्थान पर हिमांशु और नवनीत की टीम रही, जबकि प्रबंधन विज्ञान विभाग के रचित कन्हैया और दीर्घा ने तीसरा स्थान हासिल किया। कार्यक्रम में उपस्थित अन्य विशिष्ट अतिथियों में पंडित मदन मोहन मालवीय स्कूल ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट साइंसेज के डीन प्रो. शिरीष मिश्रा, प्रतिष्ठित व्यवसायी यमुना सिकरिया, अरविंद सराफ, मनीष राज और कार्यक्रम के प्रायोजक श्री चंदन सावन भी शामिल थे, जिन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

### 'Innovate 2024' Business Ideas Competition Organized



**MGCU News** | The 'Innovate 2024' Business Ideas Competition was successfully organized by the Department of Management Sciences and the Internship Cell of Mahatma Gandhi Central University, Motihari on 24 Nov 2024. The event was presided over by the Vice Chancellor, Prof. Sanjay Srivastava. The formal welcome and inaugural address were delivered by the Coordinator and Head of the Department of Management Sciences, Dr. Sapna Sugandha. In his presidential address, Prof. Srivastava inspired students to cultivate innovative thinking and entrepreneurial skills, emphasizing that creativity and entrepreneurship are crucial for the holistic development of society and the nation.

East Champaran District Magistrate, Mr. Saurabh Jorwal, attended as the Special Guest and encouraged the students by highlighting the growing importance of innovation. The chief speaker, Mr. Saurabh Suman Yadav, Nagar Ayukt, also addressed the gathering, stating that youth can bring positive transformation to society through innovation and entrepreneurship.

The competition received a total of 72 business ideas, from which 10 teams were shortlisted to present their unique, problem-solving concepts. Rudra Kumar Pandey and his team secured first place, while the team of Himanshu and Navneet came in second. Rachit Kanhaiya and Dirgha from the Department of Management Sciences were awarded third place.

The event was graced by several distinguished guests, including Prof. Shirish Mishra, Dean of the Pandit Madan Mohan Malaviya School of Commerce and Management Sciences; prominent entrepreneurs Yamuna Sikaria, Arvind Saraf, and Manish Raj; and event sponsor Mr. Chandan Sawan, all of whom contributed significantly to the success of the event.

### महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन



**एमजीसीयू न्यूज** | महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय राजभाषा प्रकोष्ठ तथा हिंदी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का विषय 'ज्ञान विज्ञान की भाषा के रूप में हिंदी' था। हिंदी पखवाड़ा २०२४ के अंतर्गत निबंध प्रतियोगिता के निर्णायक समिति में मीडिया अध्ययन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. परमात्मा कुमार मिश्र और डॉ. सुनील दीपक घोड़े उपस्थित थे। निबंध प्रतियोगिता की संयोजिका हिंदी विभाग की सहायक आचार्या डॉ. आशा मीणा थी। हिंदी विभाग के शोधार्थी अशर्फीलाल, अवधेश कुमार और परास्नातक हिंदी के छात्र कुलदीप कुमार सहसंयोजक की भूमिका में थे। डॉ. परमात्मा कुमार मिश्रा ने अपने वक्तव्य में सभी प्रतिभागियों को निबंध के संबंध में जानकारी देते हुए उनके नियमों के बारे में बताया और प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं। डॉ. सुनील दीपक घोड़े ने अपने उद्बोधन में हिंदी की गद्य विधाओं पर चर्चा करते हुए निबंध विधा के बारे में बताया।

### हिंदी आरंभ से ही एकीकरण की भाषा रही है- डॉ. अंजनी कुमार श्रीवास्तव

**एमजीसीयू न्यूज** | महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय मोतिहारी, बिहार में राजभाषा प्रकोष्ठ एवं हिंदी विभाग द्वारा हिंदी पखवाड़ा - २०२४ के अन्तर्गत भाषण प्रतियोगिता का आयोजन बनकट स्थित नारायणी कक्ष में २५ सितम्बर २०२४ को





"धर्मो रक्षति रक्षितः" (जो व्यक्ति धर्म की रक्षा करता है, धर्म उसकी रक्षा करता है।)

~ महाभारत, वनपर्व 313.117

हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजभाषा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष एवं हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. अंजनी कुमार श्रीवास्तव ने की। इस कार्यक्रम की संयोजक राजभाषा प्रकोष्ठ की सदस्य एवं हिंदी विभाग की सहायक आचार्य डॉ. गरिमा तिवारी थी। निर्णायक समिति के सदस्य के रूप में हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. गोविंद प्रसाद वर्मा, राजनीति विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. नरेंद्र सिंह एवं शैक्षणिक अध्ययन विभाग की सहायक आचार्य डॉ. मनीषा रानी उपस्थित थी। इसके अतिरिक्त जन संपर्क प्रकोष्ठ के संयोजक डॉ. श्याम नन्दन एवं डॉ. आशा मीणा सहायक आचार्य, हिंदी विभाग की भी उपस्थिति रही। प्रतियोगिता में कुल पन्द्रह प्रतिभागियों ने भाग लिया। जिसमें प्रथम पुरस्कार रश्मि सिंह, शोधार्थी, हिंदी विभाग, द्वितीय पुरस्कार लोकेश पाण्डेय, शोधार्थी, समाजशास्त्र विभाग, तृतीय पुरस्कार निखिल पाण्डेय, शोधार्थी, समाजशास्त्र विभाग एवं सांत्वना पुरस्कार कुलदीप कुमार स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष, हिंदी विभाग को प्राप्त हुआ। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. गरिमा तिवारी सहायक आचार्य, हिंदी विभाग एवं संचालन राजेश पाण्डेय, मीडिया सचिव, हिंदी साहित्य सभाने किया।

## सेहत केंद्र द्वारा विश्व गर्भनिरोधक दिवस के अवसर पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन



**एमजीसीयू न्यूज** | राज्य स्वास्थ्य समिति, बिहार के निर्देशानुसार महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में स्थापित सेहत केंद्र द्वारा विश्व गर्भनिरोधक दिवस के अवसर पर एक दिवसीय विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन २६ सितंबर, २०२४ को किया गया। कार्यक्रम में मुख्य संरक्षक के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो संजय श्रीवास्तव का सानिध्य प्राप्त हुआ।

जन्तु विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. बुद्धि प्रकाश जैन ने विशिष्ट वक्ता के रूप में अपना उद्बोधन दिया। मुख्य वक्ता के रूप में वनस्पति विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. दुर्गेश्वर सिंह ने गर्भ निरोधक के उपयोग विधि, जागरूकता की महत्ता, इससे स्वास्थ्य पर पड़ने वाले अनुकूल तथा प्रतिकूल प्रभावों पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम के संयोजक तथा सेहत केन्द्र के समन्वयक डॉ. बबलू पाल तथा डॉ. गोविंद प्रसाद वर्मा कार्यक्रम के सह-संयोजक एवं सेहत केन्द्र के सह समन्वयक भी उपस्थित थे। व्याख्यान में हिन्दी विभाग की सहायक आचार्य डॉ. श्याम नंदन, सहायक आचार्य डॉ. आशा मीणा और डॉ. गरिमा तिवारी के साथ ही विभिन्न विभागों के शोधार्थी और छात्र उपस्थित रहे। धन्यवाद ज्ञापन संस्कृत विभाग के शोधार्थी गोपाल कृष्ण मिश्र एवं संचालन हिन्दी विभाग के शोधार्थी सोनू ने किया।

## Sehat Kendra organized a special lecture on the occasion of World Contraception Day

**MGCU News** | As per the instructions of the State Health Committee, Bihar, a one-day special lecture was organised on the occasion of World Contraception Day by the Sehat Kendra

established in Mahatma Gandhi Central University on 26 September 2024. The program received the presence of the Vice Chancellor of the University, Prof. Sanjay Srivastava as the Chief Patron.

Dr. Buddhi Prakash Jain, Assistant Professor of Zoology Department, delivered his address as a special speaker. As the keynote speaker, Dr. Durgeshwar Singh, Assistant Professor of the Botany Department, elaborated on the method of use of contraceptives, the importance of awareness, and its favourable and adverse effects on health. Program coordinator and coordinator of Sehat Kendra, Dr. Babaloo Pal and Dr. Govind Prasad Verma, co-coordinator of the program were also present. Dr. Shyam Nandan, Dr. Asha Meena and Dr. Garima Tiwari, along with researchers and students from various departments, were present in the lecture. The vote of thanks was given by Gopal Krishna Mishra, a researcher of the Sanskrit Department and conducted by Sonu, a researcher of the Hindi Department.

## 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान कार्यक्रम का उद्घाटन



**एमजीसीयू न्यूज** | शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार तथा पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान कार्यक्रम का उद्घाटन पौधरोपण करके किया गया। कार्यक्रम के संरक्षक महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो संजय श्रीवास्तव का मार्गदर्शन और सानिध्य प्राप्त हुआ। कुलपति प्रो. श्रीवास्तव शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार तथा पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु अहर्निश प्रयत्नशील हैं। अपने उद्बोधनों में कुलपति प्रो संजय श्रीवास्तव भारत सरकार की नीतियों और उद्देश्यों की मुक्त कंठ से प्रशंसा की है। इस कार्यक्रम के आयोजक 'एक पेड़ मां के नाम' के विश्वविद्यालय के नोडल अधिकारी डॉ. बबलू पाल उपस्थित रहे। कार्यक्रम में हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अंजनी कुमार श्रीवास्तव, डॉ. गोविंद कुमार वर्मा, डॉ. श्याम नंदन, डॉ. विश्वजीत बर्मन, डॉ. नरेंद्र सिंह, डॉ. अम्बिकेश त्रिपाठी, डॉ. राम लाल बगाड़िया आदि विभिन्न विभागों के शिक्षकगण उपस्थित होकर वृक्षारोपण कर 'एक पेड़ मां के नाम' कार्यक्रम को सफल बनाये।

## 'स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता' विषयक कार्यशाला का आयोजन

**एमजीसीयू न्यूज** | शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के निर्देशानुसार महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय में 'स्वच्छता ही सेवा २०२४' कार्यक्रम के





अन्तर्गत 'स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता' विषयक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य संरक्षक महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो संजय श्रीवास्तव थे। कार्यक्रम का आयोजन 'स्वच्छता ही सेवा २०२४' के विश्वविद्यालय के नोडल अधिकारी प्रो प्रसूनदत्त सिंह के दिशानिर्देशों पर किया गया।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डेंटल सर्जन डॉ अमित कुमार ने स्वास्थ्य तथा स्वच्छता विषय पर अपना वक्तव्य दिया। सारगर्भित वक्तव्य में डॉ अमित कुमार ने कहा कि जिसकी इन्द्रियां तथा मन प्रसन्न रहती हैं वही स्वस्थ माना जाता है। उन्होंने कहा कि केवल बाह्य स्वच्छता ही स्वस्थ रहने का साधन नहीं है बल्कि स्वस्थ रहने के लिए आंतरिक स्वच्छता भी महत्वपूर्ण होता है। स्वास्थ्य और स्वच्छता से सम्बन्धित अनेक वैश्विक चुनौतियों का भी उन्होंने उल्लेख किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ अंजनी कुमार श्रीवास्तव ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि प्राचीन भारत की संस्कृति में स्वच्छता का विशेष महत्व था। उन्होंने कहा कि अँग्रेजी शिक्षा प्रणाली ने भारतीय संस्कृति को बहुविध रूप से प्रभावित किया है। कार्यक्रम का संचालन संस्कृत विभाग के सहायक आचार्य डॉ बबलू पाल ने किया। कार्यक्रम में उपस्थित विद्वानों तथा श्रोताओं का धन्यवाद ज्ञापन संस्कृत विभाग के सहायक आचार्य डॉ विश्वजीत बर्मन ने किया।

**'Swabhav Swachhata, Sanskar Swachhata' organized**



**MGCU News** | In accordance with the directives of the Ministry of Education, Government of India, New Delhi, a workshop on 'Swabhav Swachhata, Sanskar Swachhata' was organized at Mahatma Gandhi Central University on 27 Sept 2024 under the 'Swachhata Hi Seva 2024' campaign.

The workshop was held under the chief patronage of Prof. Sanjay Srivastava, Hon'ble Vice Chancellor of the University. It was conducted under the guidance of Prof. Prasoon Dutta Singh, the university's nodal officer for the 'Swachhata Hi Seva 2024' program.

Renowned dental surgeon Dr. Amit Kumar graced the occasion as the special guest and delivered an insightful address on health and hygiene. Emphasising holistic wellness, Dr. Kumar remarked that true health stems from external cleanliness and internal harmony—of the senses, body, and mind. He also shed light on several global challenges linked to health and sanitation. Presiding over the event, Dr. Anjani Kumar Srivastava, Head of the Department of Hindi, highlighted the cultural roots of

cleanliness in ancient Indian civilisation. He pointed out how modern education systems have influenced traditional Indian values and emphasised the importance of reawakening those foundational practices. The program was smoothly conducted by Dr. Babaloo Pal, Assistant Professor in the Department of Sanskrit, while Dr. Biswajit Burman, also from the Sanskrit Department, delivered the vote of thanks. The workshop witnessed the participation of numerous faculty members and students, contributing to the collective spirit of the 'Swachhata Hi Seva' mission.

**विकसित भारत की परिकल्पना विकसित बिहार के बिना अधूरी – विकास वैभव**



**एमजीसीयू न्यूज** | महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा 'विकसित भारत' पहल के अंतर्गत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अध्यक्षता कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने की और मुख्य अतिथि के रूप में आईपीएस और आईजी श्री विकास वैभव उपस्थित थे।

स्वागत भाषण में मानविकी एवं भाषा संकाय के अधिष्ठाता प्रो. प्रसून दत्त सिंह ने बिहार के गौरवशाली अतीत की चर्चा करते हुए इसे भविष्य के निर्माण का आधार बताया। उन्होंने बिहार की ज्ञान, शासन और उद्यमिता में ऐतिहासिक योगदान की बात करते हुए राज्य की महत्ता पर बल दिया।

मुख्य अतिथि के रूप में आईपीएस और आईजी श्री विकास वैभव ने चिंतन और पुनरुत्थान की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, "विकसित भारत की परिकल्पना विकसित बिहार के बिना पूरी नहीं हो सकती।" उन्होंने बिहार की उस धरोहर को रेखांकित किया जिसने प्राचीन विश्व में अपनी अमिट छाप छोड़ी। श्री वैभव ने युवाओं से आग्रह किया कि वे बिहार की पूर्व गौरवशाली ऊंचाइयों पर ध्यान दें और समझें कि बिहार का पतन क्यों हुआ। उन्होंने कहा कि बिहार के पूर्वजों के व्यापक दृष्टिकोण से प्रेरणा लेकर वर्तमान पीढ़ी को भविष्य निर्माण और राष्ट्रीय प्रगति के लिए अपनी सामूहिक ऊर्जा का उपयोग करना चाहिए।

अध्यक्षीय भाषण में कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने बिहार की समृद्ध कृषि और मछली आधारित अर्थव्यवस्था की चर्चा की, जो कभी फली-फूली थी, लेकिन शिक्षा, कानून और व्यवस्था, स्वास्थ्य और अन्य क्षेत्रों में प्रणालीगत विफलताओं के कारण राज्य पिछड़ता गया। उन्होंने बिहार के उच्च शिक्षा तंत्र में सुधार के लिए व्यापक शोध की आवश्यकता पर बल दिया और कई सुधारात्मक उपायों का प्रस्ताव रखा। एमजीसीयू के नए कैंपस की चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि २०२७ तक यह विश्व-स्तरीय सुविधाओं से सुसज्जित होगा। बुद्ध परिसर के निदेशक प्रो. रणजीत चौधरी ने कहा कि लक्ष्यों की प्राप्ति में बुनियादी ढांचे की भूमिका महत्वपूर्ण है। प्रो. शिरीष मिश्रा, अधिष्ठाता, वाणिज्य एवं प्रबंधन विज्ञान विभाग ने धन्यवाद ज्ञापन तथा संचालन डॉ. उमेश पात्रा ने की।



*"Be the change that you wish to see in the world."*

*~ Mahatma Gandhi*

## ***Distinguished Lecture on the theme "Vision of Developed India and Bihar"***



**MGCU News** | A Distinguished Lecture on the theme "Vision of Developed India and Bihar" was organized by Mahatma Gandhi Central University under the 'Developed India' initiative on 28 Sept 2024. The event was presided over by the Hon'ble Vice Chancellor, Prof. Sanjay Srivastava, with IPS and IG Shri Vikas Vaibhav gracing the occasion as the Chief Guest.

In his welcome address, Prof. Prasoon Dutta Singh, Dean of the School of Humanities and Languages, reflected on the glorious past of Bihar and described it as the foundation upon which the future must be built. He underscored Bihar's immense historical contributions to knowledge, governance, and entrepreneurship. Delivering the keynote address, Shri Vikas Vaibhav emphasised the need for introspection and cultural revival. "The vision of a developed India cannot be realised without a developed Bihar," he asserted. He highlighted Bihar's illustrious legacy, which once left an indelible mark on ancient civilisations. Shri Vaibhav urged the youth to revisit the state's glorious heritage and understand the reasons behind its decline, advocating for a collective resurgence inspired by the foresight of Bihar's ancestors.

In his presidential address, Vice Chancellor Prof. Sanjay Srivastava elaborated on Bihar's rich agricultural and fisheries-based economy that once thrived. He noted that systemic challenges in education, law and order, healthcare, and other critical sectors had caused the state to lag behind. Stressing the importance of robust academic research, he proposed several corrective measures to enhance Bihar's higher education system. He also spoke optimistically about the upcoming MGCU campus, expected to be equipped with world-class facilities by 2027.

Prof. Ranjit Chaudhary, Director of Buddha Campus, highlighted the critical role of infrastructure in achieving developmental goals. Prof. Shirish Mishra, Dean of the School of Commerce and Management Sciences, delivered the vote of thanks. The event brought together faculty members, researchers, and students, fostering meaningful dialogue on Bihar's developmental trajectory within the national vision.

## ***श्रेया कुमारी मिस फ्रेशर तथा सौरभ कुमार सिंह मिस्टर फ्रेशर बने***

**एमजीसीयू न्यूज** | महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के मीडिया अध्ययन

विभाग द्वारा वृहस्पति सभागार, बुद्ध परिसर में सीनियर विद्यार्थियों द्वारा नव प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए फ्रेशर्स पार्टी नवोन्मेष-२०२४ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के संरक्षक मीडिया अध्ययन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ अंजनी कुमार झा थे। कार्यक्रम के आयोजक एमएजेएमसी तृतीय सेमेस्टर एवं बीएजेएमसी पंचम तथा तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थी थे। जज के रूप में जंतु विज्ञान विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ कुंदन किशोर रजक, अंग्रेजी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ उमेश पात्रा और शिक्षा शास्त्र विभाग की सहायक प्राध्यापिका डॉ मनीषा रानी थी। कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा पूरे उत्साह के साथ अपने जूनियर्स के स्वागत के लिए रंगारंग कार्यक्रम पेश किया गया, जिसमें संगीत, नृत्य, पंजाबी, अंग्रेजी व हिंदी गानों की प्रस्तुति, ड्रामा, रैंप वॉक तथा विशेष रूप से नव प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए कैटवॉक तथा क्वेश्चन राउंड का आयोजन हुआ जिसमें विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह व उमंग के साथ भाग लिया। कार्यक्रम में मीडिया अध्ययन विभाग के सहायक आचार्य डॉ परमात्मा कुमार मिश्र, डॉ. साकेत रमण, डॉ. सुनील दीपक घोड़के एवं डॉ. उमा यादव ने विद्यार्थियों को मार्गदर्शन दिया और कार्यक्रम की सराहना की। मंच संचालन प्रतीक कुमार, वागीशा, संजना और नीतीश कुमार ने की।

## ***Shreya Kumari became Miss Fresher and Saurabh Kumar Singh became Mr. Fresher***



**MGCU News** | The Department of Media Studies at Mahatma Gandhi Central University organized Navnirman-2024, a vibrant Fresher's Party, to welcome newly admitted students on 30 Sept 2024. The event, held at Brihaspati Auditorium, Buddha Campus, was hosted by senior students of MAJMC 3rd Semester and BAJMC 3rd and 5th Semesters.

The event was held under the patronage of Dr. Anjani Kumar Jha, Head of the Department of Media Studies. A panel of esteemed judges—Dr. Kundan Kishor Rajak, Dr. Umesh Patra, and Dr. Manisha Rani—evaluated the various performances and competitions.







The program featured a series of colourful and enthusiastic performances, including musical renditions, dance numbers, dramatic presentations, and multilingual songs in Hindi, Punjabi, and English. A ramp walk and a catwalk-cum-question round were also specially organized for the freshers, which saw enthusiastic participation and high energy from the newcomers.

Faculty members Dr. Paramatma Kumar Mishra, Dr. Saket Raman, Dr. Sunil Deepak Ghodke, and Dr. Uma Yadav graced the occasion, offering words of encouragement and appreciation to the students for their efforts and creativity. The stage was dynamically anchored by students Pratik Kumar, Vagisha, Sanjana, and Nitish Kumar, who kept the audience engaged and the event flowing smoothly. The event not only showcased the talents of the students but also fostered camaraderie and a sense of belonging among the new entrants.

### Four-Day Dynamic Plantation Campaign Concludes



**MGCU News** | The four-day dynamic plantation campaign under the 'Ek Ped Maa Ke Naam' initiative concluded with a ceremonial tree plantation on 30 Sept 2024 at the Gandhi Bhawan Campus, Bankat, of Mahatma Gandhi Central University. This campaign was conducted in line with the directives of the Ministry of Education, Department of Higher Education, Government of India, and the Ministry of Environment, Forest and Climate Change.

The university's Vice Chancellor, Prof. Sanjay Srivastava, has consistently guided the campaign, emphasizing the vision of building a cleaner and healthier India. Marking the conclusion of the campaign, Campus Director of Gandhi Bhawan, Prof. Prasoon Dutta Singh, planted a tree and commended the inclusive and sustainable development policies of the Government of India. He affirmed that the entire university community is committed to turning these governmental initiatives into meaningful outcomes. The closing day witnessed an extensive plantation drive across the campus, coordinated under the leadership of Dr. Babaloo Pal, the Nodal Officer for the 'Ek Ped Maa Ke Naam' campaign. Faculty members from various university campuses participated

in the event.

Dr. Kundan Kishor Rajak (Chanakya Campus), Dr. Paramatma Kumar Mishra (DDU Campus), and Dr. Avnish Kumar joined the plantation activities, along with faculty from Gandhi Bhawan Campus, including Dr. Shyam Nandan, Dr. Govind Prasad Verma, Dr. Asha Meena, Dr. Garima Tiwari, Dr. Narendra Singh, Dr. Ambikesh Tripathi, Dr. Deepak, and others. Their collective participation contributed to the resounding success of the campaign, reinforcing MGCU's commitment to environmental sustainability and national development.

### हिंदी भारतीय ज्ञान परंपरा की संवाहिका - प्रो. संजय श्रीवास्तव

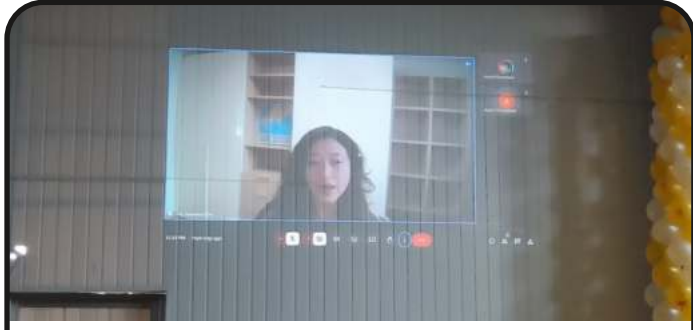
**एमजीसीयू न्यूज** | महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन समिति, हिंदी विभाग और भारतीय ज्ञान परंपरा समिति द्वारा आयोजित हिंदी पखवाड़ा-२०२४ सह अंतराष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन समारोह आयोजित हुआ। अध्यक्षीय उद्बोधन में विश्वविद्यालय के कुलपति एवं मुख्य संरक्षक प्रो. संजय श्रीवास्तव ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा का एक सुदृढ़ आधार दर्शन रहा है। पिछले पांच हजार वर्षों से निरंतर यह ज्ञान परंपरा पूरे विश्व को लाभान्वित कर रही है। बतौर मुख्य अतिथि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर, बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर के हिंदी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि विचार-विमर्श भारतीय ज्ञान परंपरा की थाती है। भारत भूगोल नहीं भावना है, यहां ज्ञान व्यवहारिक है, परंपरा प्रवाह है, हिंदी भाषा नहीं बोलियां का गुच्छा है। भारतीय ज्ञान परंपरा की एक ग्राह्यता है जो भाषा में अधिक मिलती है। संरक्षक के तौर पर मानविकी व भाषा संकाय के अध्यक्ष प्रो. प्रसून दत्त सिंह ने कहा कि वेद भारतीय ज्ञान परंपरा की गंगोत्री है। सौ वर्षों तक निरोगी काया के साथ जीवित रहना ही भारतीय ज्ञान परंपरा है। हम अपने ज्ञान परंपरा को अक्षुण्ण नहीं रख पाये, यह हमारी असफलता रही है। मुख्य वक्ता के तौर पर दरभंगा से पधारे ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय में हिंदी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. प्रभाकर पाठक ने कहा कि हमारे ज्ञान परंपरा में वर्तमान का विशेष महत्व है। ज्ञान परंपरा में शरीर का विशेष स्थान है। इसको सुदृढ़ रखने के लिए हमारे शास्त्रों में विशेष ज्ञान की बातें कही गई हैं। विशिष्ट अतिथि के रूप में आभासी माध्यम से बुसान यूनिवर्सिटी ऑफ फॉरेन स्टडीज दक्षिण कोरिया से विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में जुड़ी डॉ. यन् तू सोन उर्फ सूर्या ने कहा कि भारतीय शिक्षण प्रणाली में हिंदी के लिए मानक पाठ्यक्रम नहीं था, जबकि इसके लिए एक मानक पाठ्यक्रम की आवश्यकता है। कार्यक्रम के संयोजक, हिंदी विभागाध्यक्ष एवं राजभाषा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉ. अंजनी कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि विश्व में भारत के ज्ञान परंपरा का सबसे अधिक योगदान है।





वहीं हिंदी पखवाड़ा-२०२४ के तहत कई कार्यक्रमों का आयोजन विश्वविद्यालय में किया गया। इसमें भाग लेने वाले विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। स्वागत विभाग के आचार्य प्रो. राजेंद्र बडगूजर ने किया। मंच का सफल संचालन हिंदी विभाग में सहायक आचार्य डॉ. गरिमा तिवारी ने और धन्यवाद ज्ञापन हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. श्यामनंदन ने किया।

### *Hindi is the carrier of Indian knowledge tradition - Prof. Sanjay Srivastava*



आभासी माध्यम से कार्यक्रम में जुड़ी विशिष्ट अतिथि

**MGCU News** | The Closing Ceremony of Hindi Pakhwada-2024 cum International Seminar was successfully held on 30th September 2024 at Mahatma Gandhi Central University, Motihari, Bihar. The event was jointly organized by the Official Language Implementation Committee, the Department of Hindi, and the Indian Knowledge Tradition Committee.

In his presidential address, Vice Chancellor and Chief Patron of the University, Prof. Sanjay Srivastava, highlighted the philosophical foundation of the Indian knowledge tradition. He emphasized that for over five thousand years, this tradition has continually benefited the world with its profound insights and practical wisdom. The Chief Guest, Prof. Pramod Kumar Singh, former Head of the Hindi Department at Babasaheb Bhimrao Ambedkar Bihar University, Muzaffarpur, described Indian knowledge tradition as rooted in meaningful discussions. He remarked that "India is not just a geography but an emotion", and emphasized the richness of Hindi as a cluster of dialects reflecting cultural depth and linguistic diversity. As Patron, Prof. Prasoon Dutta Singh, Dean, School of Humanities and Languages, stated that the Vedas are the Gangotri of Indian knowledge tradition, stressing the importance of maintaining a healthy life for a hundred years as a core ideal. He acknowledged the nation's inability to preserve this heritage and called it a significant shortcoming.

Prof. Prabhakar Pathak, former Head of the Hindi Department at Lalit Narayan Mithila University, Darbhanga, served as the Keynote Speaker. He emphasized the central role of the present moment in Indian knowledge systems and the vital place of the human body in ancient wisdom traditions.

Joining virtually from Busan University of Foreign Studies, South Korea, Dr. Yan Tu Son alias Surya, a Visiting Professor,

underlined the absence of a standardized curriculum for Hindi in Indian education and advocated for structured language teaching. Program Coordinator and Head of the Hindi Department, as well as Chairman of the Official Language Cell, Dr. Anjani Kumar Srivastava, stated that India's knowledge tradition represents one of the greatest contributions to global intellectual heritage. He also noted that numerous competitions and events were organized as part of Hindi Pakhwada-2024, and the winners were honored during the ceremony.

Prof. Rajendra Singh extended a warm welcome to all guests, while Dr. Garima Tiwari, Assistant Professor, efficiently conducted the stage proceedings. The vote of thanks was delivered by Dr. Shyam Nandan, Assistant Professor in the Hindi Department, bringing the event to a graceful conclusion.

### *स्वच्छता पखवाड़ा के तहत विद्यार्थियों ने किया श्रमदान*

**एमजीसीयू न्यूज** | महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के तत्वधान में स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम २०२४ एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में ब्लैक स्पॉट को चिन्हित कर स्वच्छता अभियान चलाया गया।

भाषा एवं मानविकी संकाय के अधिष्ठाता एवं स्वच्छता ही सेवा के नोडल ऑफिसर प्रो. प्रसून दत्त सिंह के नेतृत्व में महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्र छात्राओं की अलग अलग टोलिया बनाकर सघन सफाई अभियान चलाया गया। स्वयंसेवकों ने खेल मैदान एवं पार्किंग परिसर के आसपास सफाई की और समाज में स्वच्छता बनाए रखने का संदेश दिया। स्वच्छता कार्यक्रम में बनकट, बरियारपुर, राजा बाजार, बलुआ चौक में स्वच्छता के साथ आम नागरिकों से बातचीत कर जागरूकता अभियान सन्देश दिया इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. जुगल दाधीच, डा. बिमलेश कुमार सिंह रवि कुमार, अभिषेक कुमार एवं विश्वविद्यालय के अनेक छात्र छात्राएँ उपस्थित थे।

### *Students did Shramdaan under Swachhata Pakhwada*



**MGCU News** | As part of the Swachhata Hi Seva Program 2024 and the National Service Scheme (NSS), Mahatma Gandhi Central University conducted a cleanliness drive focused on identifying and cleaning black spots in both urban and rural areas on 01 Oct 2024.

Under the leadership of Prof. Prasoon Dutta Singh, Dean of the





School of Languages and Humanities and Nodal Officer of the Swachhata Hi Seva campaign, various student groups from the university actively participated in this intensive drive. The volunteers cleaned key areas such as playgrounds and parking zones, promoting the message of hygiene and cleanliness in society.

In addition to physical cleaning, the volunteers also conducted an awareness campaign by engaging with local citizens in areas like Bankat, Bariyarpur, Raja Bazar, and Balua Chowk, encouraging community participation in maintaining a clean environment. Prominent participants in the campaign included Dr. Jugal Kishor Dadhich, NSS Program Officer, Dr. Bimlesh Kumar Singh, Ravi Kumar, Abhishek Kumar, and a large number of enthusiastic students from the university. The campaign served not only as a cleanliness initiative but also as a strong community outreach effort, reinforcing the values of public hygiene and social responsibility.

## गांधी जयंती पर एमजीसीयू में प्रार्थना सभा का आयोजन



**एमजीसीयू न्यूज।** गांधी जयंती के शुभ अवसर पर महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया, जिसमें राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। आयोजन गांधी भवन में हुआ, जहां मुख्य अतिथि के रूप में कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव, प्रो. एस.के. श्रीवास्तव (पूर्व कुलपति, नेहू विश्वविद्यालय) और प्रो. मज़हर असीफ (प्रोफेसर, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली) की गरिमामयी उपस्थिति रही। संस्कृत विभाग के अध्यक्ष डा० श्याम कुमार झा, विश्वविद्यालय के छात्रों विशाल कुमार, सुरभि, विपिन कुमार सिंह द्वारा राम धुन और अन्य भजनों की सुमधुर प्रस्तुति हुई। इस अवसर पर प्रो. प्रसून दत्त सिंह, अधिष्ठाता मानविकी संकाय ने सभी विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया। कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने महात्मा गांधी की आज की दुनिया में प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि गांधी जी के सत्य, अहिंसा और स्वच्छता के सिद्धांत केवल अतीत की बातें नहीं हैं, बल्कि एक प्रगतिशील और एकजुट भारत के लिए मार्गदर्शक हैं। उनके स्वावलंबन के दृष्टिकोण से हमें प्रेरणा मिलती है कि हम एमजीसीयू को उत्कृष्टता का केंद्र बनाएं। प्रो. एस.के. श्रीवास्तव ने महात्मा गांधी की सादगी और विनम्रता का उल्लेख करते हुए युवाओं से उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी का सर्वभ्रातृत्व का संदेश आज की बिखरी हुई दुनिया में अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रो. मज़हर असीफ ने अपने प्रेरणादायक भाषण में गांधी जी के एकता और सौहार्द के मूल्यों पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी का मानवीय एकता में विश्वास सभी विभाजनों से परे था। डॉ. अनुपम वर्मा ने कार्यक्रम का संचालन किया और डॉ. श्याम कुमार झा, अध्यक्ष, संस्कृत विभाग ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

## University paid tribute to the ideals of Mahatma Gandhi on 02 October 2024

**MGCU News|** On the auspicious occasion of Gandhi Jayanti, a solemn prayer meeting was organised at Mahatma Gandhi Central University, where heartfelt tributes were paid to the Father of the Nation, Mahatma Gandhi. The event took place at the Gandhi Bhawan, graced by the presence of Prof. Sanjay Srivastava, Vice Chancellor of MGCU, along with distinguished guests Prof. S.K. Srivastava (Former Vice Chancellor, NEHU) and Prof. Mazhar Asif (Professor, Jawaharlal Nehru University, New Delhi).



The program commenced with a soulful rendition of Ram Dhun and other devotional songs presented by university students Vishal Kumar, Surabhi, and Vipin Kumar Singh, creating an atmosphere of reverence and peace. Prof. Prasoon Dutta Singh, Dean, School of Humanities, extended a warm welcome to all esteemed guests.

In his address, Vice Chancellor Prof. Sanjay Srivastava reflected on the timeless relevance of Mahatma Gandhi's philosophy. He remarked, "Gandhiji's principles of truth, non-violence, and cleanliness are not relics of the past, but a roadmap for a progressive and united India. His vision of self-reliance continues to inspire us to transform MGCU into a center of excellence." Prof. S.K. Srivastava emphasized Gandhi's simplicity and humility, urging the youth to incorporate his ideals into their lives. He underscored the significance of Gandhiji's message of universal brotherhood, especially in today's divided world. Delivering an inspirational speech, Prof. Mazhar Asif highlighted Gandhiji's unwavering belief in human unity and communal harmony, stating that his values transcend all social and religious boundaries.

The program was conducted by Dr. Anupam Verma, while the vote of thanks was delivered by Dr. Shyam Kumar Jha, Head, Department of Sanskrit.

## १५ दिवसीय स्वच्छ भारत अभियान का समापन

**एमजीसीयू न्यूज।** महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा १७ सितंबर से २ अक्टूबर २०२४ तक आयोजित १५ दिवसीय स्वच्छ भारत अभियान का समापन समारोह संपन्न हुआ, जिसमें स्वच्छता को व्यवहार और संस्कार का अभिन्न हिस्सा बनाने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों, फैकल्टी सदस्यों और छात्रों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए प्रो. प्रसून दत्त सिंह, अधिष्ठाता, मानविकी संकाय ने अतिथियों का स्वागत किया और इस अभियान को निरंतर जारी रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हमें स्वच्छता



*"When meditation is mastered, the mind is unwavering like the flame of a lamp in a windless place." ~ Bhagavad Gita 6.19*



को अपने व्यवहार और संस्कृति में ढालना होगा ताकि यह हमारे स्वभाव का हिस्सा बन जाए। प्रो. शिरीष मिश्रा, डीन, पंडित मदन मोहन मालवीय स्कूल ने अपने संबोधन में स्वच्छता को दैनिक जीवन में आत्मसात करने की आवश्यकता पर जोर दिया। कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने एमजीसीयू के सफाई कर्मचारियों का सम्मान करते हुए कहा कि "स्वच्छता पखवाड़ा विवि द्वारा उठाई गई एक अत्यंत सराहनीय पहल है। इस दौरान हमने कई कार्यक्रम आयोजित किए, लेकिन स्वच्छता का यह भाव सिर्फ इन १५ दिनों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा बनना चाहिए। क्योंकि, जापान में कूड़ेदान नहीं हैं क्योंकि वहां कूड़ा उत्पन्न ही नहीं होता। भारत को भी उसी दिशा में बढ़ना है और हमें अपने व्यवहार में कचरा उत्पन्न न करने का प्रयास करना चाहिए।" संचालन डॉ. गरिमा तिवारी ने किया, जबकि डॉ. बिमलेश कुमार सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

## अनुभव कुमार सुमन और साकेत सुंदरम का पुस्तकालय सहायक पद पर चयन



**एमजीसीयू न्यूज** | महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के शोधार्थी अनुभव कुमार सुमन एवं पूर्व विद्यार्थी साकेत सुंदरम का चयन इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज में पुस्तकालय सहायक पद पर हुआ है।

मगांकेविवि के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने अनुभव कुमार सुमन एवं साकेत सुंदरम को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के लिए यह प्रसन्नता की बात है। महात्मा बुद्ध परिसर के निदेशक और विभागाध्यक्ष प्रो. रणजीत कुमार चौधरी ने अनुभव कुमार सुमन एवं साकेत सुंदरम को बधाई देते हुए उन्हें अत्यंत परिश्रमी बताया। विभाग के शिक्षकों डॉ. मधु पटेल और डॉ. सपना ने भी बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

## 8वें स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर रंगा-रंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

**एमजीसीयू न्यूज** | महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय का ३ अक्टूबर, २०२४ को आठवां स्थापना दिवस समारोह मोतिहारी स्थित गाँधी प्रेक्षागृह में बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो संजय श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम तीन चरणों में आयोजित हुई जिसकी शुरुआत सुबह हवन-पूजन द्वारा हुई।

स्थापना दिवस समारोह की अंतिम कड़ी में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुई। इस अवसर पर सर्वप्रथम कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव का स्वागत भाषा एवं मानविकी संकाय के अधिष्ठाता प्रो. प्रसून दत्त सिंह ने बुके प्रदान कर की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पद्मश्री प्रो. राजेन्द्र मिश्र का स्वागत कुलपति प्रो संजय श्रीवास्तव द्वारा शॉल एवं स्मृति चिह्न प्रदान कर की। गणेश वंदना द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ, जिसकी सुंदर पेशकश मुस्कान कुमारी बीजेएमसी तृतीय सेमेस्टर की छात्रा द्वारा किया गया। तदुपरांत नवदुर्गा पर केन्द्रीत संगीत की प्रस्तुति नंदिनी ,प्राची ,सिमरन बीजेएमसी पंचम सेमेस्टर ने किया। इसी क्रम में विश्वविद्यालय के गैर शैक्षणिक कर्मचारी तेतुल जी ने माँ दुर्गा का भजन गया तो वहीं मनीष दिवाकर शिक्षा शास्त्र विभाग से स्वर रचित कविता प्रस्तुत की। पुरानी यादों का जादू भरा खजाना दीपशिखा, सुप्रिया, सिया ने प्रस्तुत की। बसंत ने छतरियां नृत्य प्रस्तुत किया तो वही आशीष और श्रुति ने 'राधा कैसे न जले' की धुन में सबको समाहित कर दिया। विशाल व रूपाली ने सुंदर गाना गया। विवेक, सुरमई, कोविथ ने बिहू नृत्य प्रस्तुत की। अंकित सलोनी व सुनीता ने अपने नृत्य से धमाल मचा दिया। चंदा और अंजलि ने कथक नृत्य प्रस्तुत की। इसी कड़ी में 'मक्षकटीकम' नाटक भी प्रस्तुति हुई जिसने दर्शकों को मोहित कर लिया। नाटक को शोधार्थी आकाश कुमार के संयोजन में मंचित किया गया। अनुराग, प्रिया व मनीष ने बॉलीवुड डांस से तहलका मचा दिया। इसी कड़ी में संबलपुरी नृत्य की भी प्रस्तुति हुई। विशाल रूपाली मनीषा बर्फ सुरभि ने माहौल को संगीत में बनाया। कार्यक्रम की अंतिम प्रस्तुति डांडिया के साथ हुई तत्पश्चात सभी प्रतिभागियों को उनके बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए। संचालन मीडिया अध्ययन विभाग की छात्रा संजना श्रीवास्तव एवं नीतीश कुमार ने की। सांस्कृतिक एवं साहित्य परिषद की देखरेख में कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

## Colourful Cultural Programs Organised on The Occasion of 8th Foundation Day Celebrations

**MGCU News** | The Eighth Foundation Day of Mahatma Gandhi Central University, Motihari, was celebrated with great fervour and enthusiasm on 3rd October 2024, at the Mahatma Gandhi Auditorium. The entire celebration was held in three phases, beginning with a sacred Havan-Pujan in the morning to mark the auspicious occasion.

The cultural segment of the program opened with a graceful







Ganesh Vandana performed by Muskan Kumari (BJMC, 3rd Semester). This was followed by a vibrant musical presentation of Navdurga by Nandini, Prachi, and Simran (BJMC, 5th Semester), which set a devotional tone for the celebration.

Adding a soulful touch, Tetul ji, a member of the university's non-teaching staff, performed a heartfelt bhajan in praise of Maa Durga. Following this, Manish Diwakar from the Department of Education recited a poem composed by himself, leaving a lasting impression on the audience.

A performance titled "The Treasure of Magic Memories" by Deepshikha, Supriya, and Siya took the audience on a nostalgic journey. Various regional and classical dance forms were also showcased—Basant performed the elegant Sattriya dance, while Ashish and Shruti enthralled everyone with their performance on "Radha Kaise Na Jale".

Vishal and Rupali mesmerized the audience with a melodious duet, and Vivek, Surmai, and Kovith brought energy to the stage with a lively Bihu dance. A dynamic dance by Ankit, Saloni, and Sunita received roaring applause, followed by a classical Kathak



dance by Chanda and Anjali that added a touch of traditional grace.

One of the program highlights was the dramatic performance of the Sanskrit play "Māchakaikam", which was presented under the guidance of research scholar Akash Kumar. The play featured commendable performances by Ritika, Mrityunjai, Amisha, Digvijoy, Ayush, and others who captivated the audience with their storytelling.

Further into the celebration, the crowd was thrilled with a Sambalpuri dance, and the musical segment continued with performances by Vishal, Rupali, Manisha, Barf, and Surabhi, who filled the auditorium with melody and rhythm. The event concluded on a festive note with a vibrant Dandiya performance, after which certificates of appreciation were distributed to all participants in recognition of their talent and contribution.

The program was smoothly conducted by Sanjana Shrivastava and Nitish Kumar, students of the Department of Media Studies, and was organised under the supervision of the Cultural and Literary Council.

## 'हाइड्रोजन अर्थव्यवस्था: दृष्टि, नवाचार और स्थिरता' विषयक संगोष्ठी आयोजित



**एमजीसीयू न्यूज** महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग द्वारा विश्व हाइड्रोजन और ईंधन सेल दिवस के अवसर पर 'हाइड्रोजन अर्थव्यवस्था: दृष्टि, नवाचार और स्थिरता' विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राजीव गाँधी पेट्रोलियम प्रद्योगिकी संस्थान, अमेठी, उत्तरप्रदेश के पूर्व निदेशक प्रोफेसर ए.एस.के. सिन्हा, एम.आई.टी. मुजफ्फरपुर के प्राचार्य प्रोफेसर एम.के. झा, और जे.आई.आई.टी, नोएडा से डा आशीष भटनागर ने भाग लिया।

कुलपति प्रोफेसर संजय श्रीवास्तव ने अध्यक्षीय उद्बोधन में हाइड्रोजन ऊर्जा के क्षेत्र में शोध और इसके उपयोग के महत्व पर प्रकाश डाला, खासकर वर्तमान ऊर्जा स्रोतों की तेजी से खपत और पर्यावरणीय चुनौतियों के संदर्भ में। संकाय अध्यक्ष प्रोफेसर देवदत्त चतुर्वेदी और भौतिकी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो सुनील श्रीवास्तव ने भी अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम की संयोजिका डा श्वेता सिंह ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए संगोष्ठी के विषय के महत्व की जानकारी दी।

प्रोफेसर ए.एस.के. सिन्हा ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि हाइड्रोजन ऊर्जा आने वाले दिनों में पेट्रोलियम आधारित ऊर्जा स्रोतों का बेहतर विकल्प बनकर उभरेगी, बशर्ते इस क्षेत्र में और शोध कार्य किए जाएं। प्रोफेसर एम.के. झा ने ऊर्जा के विभिन्न वैकल्पिक स्रोतों के बारे में जानकारी दी, जबकि डा आशीष भटनागर ने हाइड्रोजन गैस के भंडारण और परिवहन के नए मटेरियल्स की खोज के बारे में चर्चा की। धन्यवाद ज्ञापन डा अरविंद शर्मा ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर आनंद प्रकाश, प्रोफेसर सहना मजूमदार, और भौतिकी विभाग के अन्य शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं भी उपस्थित रहे।

## Seminar on 'Hydrogen Economy: Vision, Innovation and Sustainability' Organised

**MGCU News** | On the occasion of World Hydrogen and Fuel Cell Day on 08 Oct 2024, the Department of Physics at Mahatma Gandhi Central University organized a one-day national seminar on the theme "Hydrogen Economy: Vision, Innovation and Sustainability". The seminar brought together scholars and experts from across the country to deliberate on the future of hydrogen as a sustainable energy resource.

The seminar was graced by the presence of eminent personalities including Prof. A.S.K. Sinha, former Director of the Rajiv Gandhi Institute of Petroleum Technology, Amethi, Prof. M.K. Jha, Principal of MIT, Muzaffarpur, and Dr. Ashish Bhatnagar



from JIIT, Noida, who attended as distinguished guests and resource persons. In his presidential address, Hon'ble Vice Chancellor Prof. Sanjay Srivastava emphasized the urgent need for research and innovation in the field of hydrogen energy. He highlighted how hydrogen could address growing concerns over the depletion of conventional energy sources and escalating environmental challenges.

Prof. Devdutt Chaturvedi, Dean of the School, and Prof. Sunil Srivastava, Head of the Department of Physics, also expressed their views, underlining the academic and practical relevance of the seminar theme in today's energy landscape. Dr. Sweta Singh, the convener of the seminar, welcomed the guests and participants, and provided an overview of the theme. She elaborated on how the hydrogen economy holds immense potential for reshaping global energy consumption.

Delivering his keynote address, Prof. A.S.K. Sinha shared his vast experience and expressed confidence that hydrogen energy, if properly researched and developed, could become a reliable alternative to petroleum-based energy in the future. Prof. M.K. Jha provided insightful information on various alternative energy sources and their comparative feasibility, while Dr. Ashish Bhatnagar discussed cutting-edge innovations related to materials for hydrogen storage and transport. The program concluded with a vote of thanks delivered by Dr. Arvind Sharma, who acknowledged the contributions of all speakers, guests, and organizing members.

The seminar was also attended by Prof. Anand Prakash, Prof. Sahana Majumdar, and several other faculty members and students of the Department of Physics, making it an intellectually enriching and collaborative event.

## **एमजीसीयू और मुजफ्फरपुर प्रौद्योगिकी संस्थान ने अकादमिक और अनुसंधान सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए**

**एमजीसीयू न्यूज** | महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय (एमजीसीयू) और मुजफ्फरपुर प्रौद्योगिकी संस्थान (एमआईटी), मुजफ्फरपुर ने आपसी सहयोग को बढ़ावा देने और ज्ञान साझा करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह साझेदारी परस्पर लाभ, सर्वोत्तम प्रयास और



बार-बार होने वाले संवाद के आधार पर अकादमिक और अनुसंधान विनिमय को सुविधाजनक बनाने का लक्ष्य रखती है।

सहयोग के प्रति अपनी उत्सुकता व्यक्त करते हुए एमजीसीयू के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने कहा, “यह एमओयू दोनों संस्थानों के बीच सहयोग और ज्ञान-विनिमय का एक नया अध्याय है, जो अकादमिक उत्कृष्टता और सामाजिक विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्रो. सुनील कुमार श्रीवास्तव, निदेशक, अनुसंधान और विकास प्रकोष्ठ, एमजीसीयू ने कहा, “एमआईटी मुजफ्फरपुर के साथ यह साझेदारी सहयोगात्मक अनुसंधान और विकास के नए द्वार खोलती है।

एमओयू पर औपचारिक रूप से एमआईटी मुजफ्फरपुर के प्राचार्य प्रो. मिथिलेश कुमार झा और एमजीसीयू के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. सुनील कुमार श्रीवास्तव ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर एमजीसीयू के भाषा और मानविकी संकाय के अधिष्ठाता प्रो. प्रसून दत्त सिंह और राजीव गांधी पेट्रोलियम प्रौद्योगिकी संस्थान, अमेठी के पूर्व निदेशक ए.एस.के. सिन्हा भी उपस्थित थे।

## ***MGCU and Muzaffarpur Institute of Technology sign MoU for academic and research collaboration***

**MGCU News** | Mahatma Gandhi Central University (MGCU) and Muzaffarpur Institute of Technology (MIT), Muzaffarpur, have signed a landmark Memorandum of Understanding (MoU) on 09 Oct 2024 aimed at promoting mutual collaboration and knowledge sharing. The partnership aims to facilitate academic and research exchange based on mutual benefit, best efforts and frequent dialogue.

Expressing his happiness for the collaboration, Prof. Sanjay Srivastava, Vice Chancellor, MGCU said, “This MoU opens a new chapter of collaboration and knowledge-exchange between both the institutions, which are committed to academic excellence and societal development. Prof. Sunil Kumar Srivastava, Director, Research and Development Cell, MGCU said, “This partnership with MIT Muzaffarpur opens new doors for collaborative research and development.

The MoU was formally signed by Prof. Mithilesh Kumar Jha, Principal, MIT Muzaffarpur and Prof. Sunil Kumar Srivastava, Director, Research and Development Cell, MGCU. On this occasion, Dean of Faculty of Languages and Humanities, MGCU, Prof. Prasoon Dutta Singh and former Director of Rajiv Gandhi Petroleum Technology Institute, Amethi, A.S.K. Sinha were also present.

## **मोतिहारी खेल भवन में दोस्ताना कबड्डी मैच का हुआ आयोजन**

**एमजीसीयू न्यूज** | महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय बनाम पूर्वी चम्पारण जिला कबड्डी संघ के बीच दोस्ताना कबड्डी मैच खेला गया। ये मैच पुरुष व महिला खिलाड़ी दोनों के लिए आयोजित की गई थी। दोनों संघ के खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। आपको बता दें की महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय की कबड्डी टीम पटना में होने वाली चांसलर ट्रॉफी (कबड्डी), जो दिनांक १५ अक्टूबर २०२४ से २० अक्टूबर २०२४ तक पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स कंकड़बाग, पटना में आयोजित होनी है, उसके लिए प्रतिभागिता करेगी। अगामी





होने वाले कबड्डी मैच के लिए प्रो. शिरीष मिश्रा 'उपाध्यक्ष एमजीसीयूबी स्पोर्ट्स बोर्ड' व स्पोर्ट्स बोर्ड के सदस्य डॉ. उमेश पात्रा, डॉ. अरविंद कुमार व डॉ. सुनील

event.

On the occasion of the friendly match, several prominent figures from the East Champaran District Kabaddi Association were present, including Rasmi Ranjan, Amit Kashyap (Vice Presidents), Bhanu Prakash (Secretary), Dr. Arvind Kumar, Secretary of the Athletic Association East Champaran, Shailendra Mishra, Secretary of the East Champaran Table Tennis Association, and Komal Kumari from the Kabaddi Association. Also present was Vivek Ranjan, a senior player. This friendly match not only provided valuable practice and experience for the players but also strengthened the bond between the university and local sports associations.



दीपक घोड़के ने टीम को शुभकामनाएं दी। मौके पर रश्मिरंजन उपाध्यक्ष पूर्वी चंपारण जिला कबड्डी संघ, अमित कश्यप, उपाध्यक्ष, पूर्वी चंपारण, जिला कबड्डी संघ, भानु प्रकाश, सचिव, पूर्वी चंपारण जिला कबड्डी संघ, डॉ. अरविंद कुमार, सचिव, एथलेटिक संघ पूर्वी चंपारण, शैलेन्द्र मिश्र बाबा, सचिव पूर्वी चंपारण टेबल टेनिस संघ, कोमल कुमारी, पूर्वी चंपारण, जिला कबड्डी संघ, विवेक रंजन वरीय खिलाड़ी उपस्थित थे।

### **Friendly Kabaddi Match Held Between MGCU and East Champaran District Kabaddi Association**

**MGCU News** | A friendly Kabaddi match was held between Mahatma Gandhi Central University (MGCU) and the East Champaran District Kabaddi Association on 10 Oct 2024. The match was organised for both male and female players, and the athletes from both associations performed brilliantly, showcasing their skills and team spirit.

The MGCU Kabaddi team is set to participate in the prestigious Chancellor Trophy (Kabaddi), which will be held from 15th to 20th October 2024 at the Patliputra Sports Complex, Kankarbagh, Patna. The upcoming tournament has generated a lot of excitement, and the university's team is gearing up for the challenge.

To show support for the team, Prof. Shirish Mishra, Vice Chairperson of the University Sports Board, along with Sports Board members Dr. Umesh Patra, Dr. Arvind Kumar, and Dr. Sunil Deepak Ghodke, wished the team success in the upcoming

### **चांसलर ट्रॉफी अंतर-विश्वविद्यालय कबड्डी प्रतियोगिता के लिए टीम घोषित**



**एमजीसीयू न्यूज** | चांसलर ट्रॉफी अंतर-विश्वविद्यालय कबड्डी प्रतियोगिता के लिए महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय की टीम घोषित किए जाने पर कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने हर्ष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मोदी जी के फिट इंडिया मूवमेंट के तहत खेलो इंडिया की मुहिम को आगे बढ़ाते हुए बिहार के माननीय राज्यपाल सह कुलाधिपति श्री राजेंद्र विश्वनाथ आलेंकर जी द्वारा बिहार में चांसलर ट्रॉफी अंतर-विश्वविद्यालय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन खेलों और खिलाड़ियों के विकास की दृष्टि से एक दूरगामी निर्णय है। जिसके सकारात्मक परिणाम मिलेंगे।

चांसलर ट्रॉफी कबड्डी प्रतियोगिता के विषय में जानकारी देते हुए एमजीसीयूबी स्पोर्ट्स बोर्ड के उपाध्यक्ष प्रो. शिरीष मिश्रा ने बताया कि राजभवन बिहार द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय की कबड्डी की टीम दिनांक १५ अक्टूबर २०२४ से २० अक्टूबर २०२४ तक पटना के पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स कंकड़बाग में प्रतिभागिता करेगी। इस प्रतियोगिता में पूरे प्रदेश से लगभग ३५ टीमों प्रतिभाग करेंगी। एमजीसीयूबी की पुरुष कबड्डी टीम में अंकित राज, आनंद कुमार, अरविंद कुमार, अभिषेक सिंह, दिग्विजय राज, शशांक कुमार, दीपू कुमार, नितिन यादव, रोशी सिंह, सूरज भान, अंकित कुमार मिश्रा, सुशील कुमार और महिला कबड्डी टीम में मुस्कान कुमारी, खुशी कुमारी, जूही सिंह, मलका शाइदा परवीन, स्वाति दुबे, सुरभि तिवारी, अंकिता सिंह, अदिति कुमारी, स्नेहा भारती, रंजनी कुमारी, सपना कुमारी और मुस्कान कुमारी का चयन किया गया है। इन दोनों टीमों को राष्ट्रीय खिलाड़ी भानु प्रकाश और कोमल कुमारी प्रशिक्षण देंगी।

टीम चयन के दौरान स्पोर्ट्स मैनेजर तथा विशेष कार्याधिकारी (प्रशासन) डॉ. सच्चिदानंद सिंह, स्पोर्ट्स बोर्ड के सदस्य डॉ. सपना सुगंधा, डॉ. असलम खान, डॉ.





*"Happiness is when what you think, what you say, and what you do are in harmony." ~ Mahatma Gandhi*

राकेश पाण्डे, डॉ. उमेश पात्रा, डॉ. अरविंद कुमार, डॉ. उपमेश तलवार व डॉ. सुनील दीपक घोड़के मौजूद रहे और टीम को प्रतियोगिता में विजय प्राप्त करने की शुभकामनाएं दीं।

## **Team announced for Chancellor Trophy Inter-University Kabaddi Competition**



**MGCU News** | The MGCU team for state-level Kabaddi tournament was announced on 11 October 2024. Vice Chancellor Prof. Sanjay Srivastava expressed his delight over the announcement of the Mahatma Gandhi Central University (MGCU) team's participation in the Chancellor Trophy Inter-University Kabaddi Competition. He emphasised the importance of the competition in the context of the Khelo India Campaign and Modi ji's Fit India Movement, calling it a significant step forward in promoting sports and fitness. Prof. Srivastava praised the Honorable Governor of Bihar and Chancellor Shri Rajendra Vishwanath Arlekar ji for organising the event, stating that this decision will have a positive impact on the development of sports and players in Bihar.

Prof. Shirish Mishra, Vice Chairperson of the MGCU Sports Board, provided details about the competition. He mentioned that the event, organised by the Raj Bhavan Bihar, will take place from 15th October 2024 to 20th October 2024 at the Patliputra Sports Complex, Kankarbagh, Patna. The competition will witness the participation of around 35 teams from across the state, and MGCU's Kabaddi teams—both men's and women's—will compete in the event.

The selected players for the MGCU Men's Kabaddi Team include Ankit Raj, Anand Kumar, Arvind Kumar, Abhishek Singh, Shrivastava Digvijay Raj, Shashank Kumar, Deepu Kumar, Nitin Yadav, Roshni Singh, Suraj Bhan, Ankit Kumar Mishra, and Yash Pandey. The MGCU Women's Kabaddi Team comprises Muskan Kumari, Khushi Kumari, Juhi Singh, Malka Shaida Parveen, Swati Dubey, Surabhi Tiwari, Ankita Singh, Aditi Kumari, Sneha Bharti, Ranjani Kumari, Sapna Kumari, and Muskan Kumari. Both teams will receive training from National players Bhanu Prakash and Komal Kumari.

The team selection was supported by Sports Manager Dr.

Sachchidanand Singh and OSD (Administration), along with Sports Board members Dr. Sapna Sugandha, Dr. Aslam Khan, Dr. Rakesh Pandey, Dr. Umesh Patra, Dr. Arvind Kumar, Dr. Upmehs Talwar, and Dr. Sunil Deepak Ghodke. All the members wished the teams the best of luck and success in the competition.

## **एमजीसीयूबी में ताइक्वांडो प्रशिक्षण शुरू; कबड्डी टीम चांसलर ट्रॉफी की ओर बढ़ी**

**एमजीसीयू न्यूज** | महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के खेल बोर्ड द्वारा आयोजित ताइक्वांडो प्रशिक्षण सत्र का शुभारंभ और चांसलर ट्रॉफी (कबड्डी) के लिए विश्वविद्यालय की टीम को विदा करने के कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव की गरिमामयी उपस्थिति रही।

### **ताइक्वांडो प्रशिक्षण सत्र का शुभारंभ:**

कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने विश्वविद्यालय में ताइक्वांडो प्रशिक्षण सत्र का शुभारंभ करते हुए कहा, "प्रत्येक विद्यार्थी खासकर छात्राओं को आत्मरक्षा के लिए मार्शल आर्ट्स का ज्ञान होना चाहिए। सीमित संसाधनों और बुनियादी ढांचे के बावजूद हम अपने खेल गतिविधियों को मजबूत कर रहे हैं। यह विश्वविद्यालय के लिए गर्व की बात है कि खेल बोर्ड का पुनर्गठन हाल ही में किया गया और अब इसके परिणाम सामने आ रहे हैं।"

### **चांसलर ट्रॉफी के लिए एमजीसीयू की टीम पटना खाना :**

चांसलर ट्रॉफी (कबड्डी) के लिए विश्वविद्यालय की टीम को कुलपति प्रो. श्रीवास्तव द्वारा ध्वज दिखाकर पटना के पाटलिपुत्र खेल परिसर के लिए खाना किया गया। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में ३५ विभिन्न विश्वविद्यालयों की १२-१२ सदस्यीय बालक और बालिका टीमों भाग लेंगी। विश्वविद्यालय की टीम को डॉ. सुनील दीपक घोड़के और डॉ. सपना सुगंधा का मार्गदर्शन मिलेगा। यह प्रतियोगिता १५ से २० अक्टूबर २०२४ तक आयोजित की जाएगी। विश्वविद्यालय खेलकूद बोर्ड के सदस्य डॉ. राकेश पांडेय, डॉ. अरविंद कुमार शर्मा, और डॉ. उपमेश कुमार ने भी छात्रों को सफलता की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का संचालन उमेश पात्रा ने किया।

## **Inauguration of Taekwondo Training Session & Send-Off of University Kabaddi Team for Chancellor Trophy**

**MGCU News** | A Taekwondo training session organised by the Sports Board of Mahatma Gandhi Central University (MGCU) was inaugurated with enthusiasm on 15 Oct 2024, marking a significant step in the university's commitment to promoting







sports. Prof. Sanjay Srivastava, Vice Chancellor & Chairman, University Sports Board graced the occasion as the chief guest and highlighted the importance of martial arts, particularly for self-defense, especially for female students. He stated, "Every student, especially girl students, should have knowledge of martial arts for self-defense." Prof. Srivastava also acknowledged the limited resources and infrastructure but praised the university's ongoing efforts to strengthen sports activities. He expressed pride in the recent reconstitution of the Sports Board, noting that the outcomes are now visible.

#### MGCU Kabaddi Team Sent Off for Chancellor Trophy

In a separate event, Vice Chancellor Prof. Sanjay Srivastava also sent off the MGCU Kabaddi Team for the prestigious Chancellor Trophy (Kabaddi), which will be held at the Patliputra Sports Complex, Patna, from 15th to 20th October 2024. Prof. Srivastava flagged off the 12-member boys and girls' teams, who will be competing with teams from 35 different universities. The MGCU team will be coached by Dr. Sunil Deepak Ghodke and Dr. Sapna Sugandha.

The Sports Board members—Dr. Rakesh Pandey, Dr. Arvind Kumar Sharma, and Dr. Upmesh Kumar—also wished the players success in the competition. This event marked the continued progress of the university's sports initiatives, furthering the goals set by the Khelo India Campaign and Modi ji's Fit India Movement.

### विकसित भारत की संकल्पना में संस्कृति का बड़ा योगदान- डॉ. राकेश उपाध्याय



**एमजीसीयू न्यूज** | महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के मीडिया अध्ययन विभाग द्वारा 'विकसित भारत की संकल्पना और मीडिया की भूमिका' विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी वृहस्पति सभागार, बुद्ध परिसर, बनकट में आयोजित हुई। संगोष्ठी के मुख्य संरक्षक विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव थे। मुख्य वक्ता डॉ. राकेश उपाध्याय 'विभागाध्यक्ष-भाषा पत्रकारिता विभाग' भारतीय जनसंचार विभाग, नई दिल्ली थे। स्वागत उद्बोधन एवं विषय प्रवर्तन डॉ. अंजनी कुमार झा ने प्रस्तुत की। कार्यक्रम के संयोजक मीडिया अध्ययन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. परमात्मा कुमार मिश्र थे।

बतौर मुख्य वक्ता डॉ. राकेश उपाध्याय ने कहा कि वर्तमान समय सूचना क्रांति का है। आर्थिक, सामाजिक एवं राजनैतिक विकास में मीडिया महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। विकसित भारत की संकल्पना में भारतीय मीडिया की भूमिका बढ़-चढ़ के

होनी चाहिए। विकसित भारत की संकल्पना का लक्ष्य मौजूदा सरकार का २०४७ है, जिसमें सभी प्रकार की वेदना से भारत के लोगो को मुक्त कराना है। हमारी प्रगति की निशानी हमारी बढ़ती अर्थव्यवस्था है। विकसित भारत का लक्ष्य में सम्पूर्ण भारतवासियों की मौलिक जरूरत पूर्ण करना एक महत्वपूर्ण चुनौती है। स्वागत उद्बोधन में विभागाध्यक्ष डॉ. अंजनी कुमार झा ने कहा की सभी जगह केंद्र में मीडिया ही है। इसके बिना काम किसी का नहीं चलता, चाहे वह कार्यपालिका हो, न्यायपालिका हो या व्यवस्थापिका हो। इन सभी के धराशाई होने पर समाज मीडिया पर ही निर्भर होता है।

धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए राष्ट्रीय संगोष्ठी संयोजक डॉ. परमात्मा कुमार मिश्र ने कहा कि आज देश के विकास और संचालन में जिस सॉफ्ट पॉवर की बात हो रही है उसमें मीडिया अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके अभाव में विकास की बात करना बेमानी है। राष्ट्रीय संगोष्ठी में मीडिया अध्ययन विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. साकेत रमण एवं डॉ. उमा यादव उपस्थित थे। मंच संचालन अपूर्वा त्रिवेदी बीजेएमसी पंचम सेमेस्टर एवं सूरज राज श्रीवास्तव बीजेएमसी तृतीय सेमेस्टर ने की। कार्यक्रम में विशेष सहयोग तुषाल, प्रतीक, लकी, आदर्श व अंकित, अंशिका, मुस्कान, रानी, खुशी, अदिति व प्रीति की थी।

### *Culture has a big contribution in the concept of developed India - Dr. Rakesh Upadhyay*

**MGCU News** | A one-day national seminar on the topic 'Concept of Developed India and the Role of Media' was organised by the Department of Media Studies at Mahatma Gandhi Central University. The seminar was held on 18 Oct 2024 at the Brihaspati Auditorium, Buddha Campus, Bankat. The event was graced by the Vice Chancellor, Prof. Sanjay Srivastava, who was the chief patron of the seminar.

The seminar featured Dr. Rakesh Upadhyay, Head of the Department of Language Journalism, Indian Department of Mass Communication, New Delhi, as the keynote speaker. Dr. Upadhyay highlighted the ongoing information revolution and emphasized the critical role of media in economic, social, and political development. He remarked that Indian media must play a pivotal role in realising the vision of a Developed India by 2047. He pointed out that the growing Indian economy signifies progress, but an essential challenge remains: ensuring the fulfilment of the basic needs of every Indian.

The welcome address was presented by Dr. Anjani Kumar Jha, Head of the Department, who discussed the centrality of media in today's society. Dr. Jha stressed that media plays an essential role in executive, judiciary, and legislative functions, and when these systems fail, society often relies on media for support.

The seminar's convenor, Dr. Paramatma Kumar Mishra, delivered the vote of thanks. He underscored the significance of media in soft power, which is increasingly discussed in the context of national development. He emphasised that talking about development without acknowledging the media's contribution is meaningless. The seminar was attended by several faculty members, including Dr. Saket Raman and Dr. Uma Yadav, both Assistant Professors in the Department of Media



Studies. The event was moderated by Apoorva Trivedi and Suraj Raj Srivastava, both BJMC students. Special support was provided by a team of students including Tushal, Pratik, Lucky, Adarsh, Ankit, Anshika, Muskan, Rani, Khushi, Aditi, and Preeti.

## जहां अवसर मिले वहीं से कैरियर की शुरुआत करें- डॉ राकेश उपाध्याय



**एमजीसीयू न्यूज** | महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के मीडिया अध्ययन विभाग द्वारा पत्रकारिता का बदलता स्वरूप: टीवी न्यूज पैकेजिंग विषयक कार्यशाला का आयोजन डीडीयू परिसर के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित हुई। कार्यशाला के मुख्य संरक्षक विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो संजय श्रीवास्तव थे। मुख्य वक्ता डॉ राकेश उपाध्याय, विभागाध्यक्ष - भाषा पत्रकारिता विभाग, भारतीय जनसंचार विभाग नई दिल्ली थे। अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ. अंजनी कुमार झा ने प्रस्तुत की। कार्यशाला के संयोजक मीडिया अध्ययन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. परमात्मा कुमार मिश्र थे।

बतौर मुख्य वक्ता डॉ राकेश उपाध्याय ने टेलीविजन न्यूज रूम के सभी आयामों के बारे में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जहां अवसर मिले हमें वहीं से कैरियर की शुरुआत करनी चाहिए। उन्होंने रोचक ढंग से समझाया कि टीवी न्यूज चैनल काम कैसे करते हैं। जिसमें उन्होंने विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डालते हुए बताया कि टेलीविजन सॉफ्टवेयर ऑक्टोपस ८ फॉट पर एकसाथ चीजों को लेकर चलता है। इसमें रन डाउन, ब्रॉडकास्ट कंट्रोल रूम, मास्टर कंट्रोल रूम तथा ब्रेकिंग प्लेट के बारे में विस्तार से चर्चा की। अध्यक्षीय उद्बोधन में विभागाध्यक्ष डॉ अंजनी कुमार झा ने कहा कि एक अच्छा पत्रकार बनने के लिए सभी विद्यार्थियों में जोश व उत्साह और निडरता होनी आवश्यक है, जिससे वे सूचनाओं के बारे में निर्भीकतापूर्वक लिख और बोल सके। कार्यशाला संयोजक डॉ परमात्मा कुमार मिश्र ने कहा कि पत्रकारिता का स्वरूप बदल रहा है। बदलते हुए परिवेश के अनुरूप विद्यार्थियों को प्रिंट तथा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की समस्त जानकारी होनी अत्यंत आवश्यक है, जिससे वे भविष्य में एक अच्छे पत्रकार बन सकें। धन्यवाद ज्ञापन मीडिया अध्ययन विभाग के सहायक आचार्य डॉ साकेत रमण ने प्रस्तुत की।

## Start Your Career Wherever You Get the Opportunity - Dr. Rakesh Upadhyay

**MGCU News** | The Department of Media Studies at Mahatma Gandhi Central University organized an insightful workshop on the topic 'The Changing Nature of Journalism: TV News Packaging' at the conference hall of the DDU campus on 19 October 2024. The workshop was presided over by Prof. Sanjay

Srivastava, the Vice Chancellor of the university, who was the chief patron.

The workshop featured Dr. Rakesh Upadhyay, Head of the Department of Language Journalism, Indian Department of Mass Communication, New Delhi, as the keynote speaker. Dr. Upadhyay shared his vast knowledge on the evolving dynamics of television newsrooms. He explained in depth the working of TV news channels and emphasised how TV news software such as Octopus runs on eight fonts simultaneously, highlighting the run down broadcast control room, master control room, and breaking plates used in news production. He encouraged the students to seize every career opportunity that comes their way, stressing that practical experience is key in journalism.

In his presidential address, Dr. Anjani Kumar Jha, Head of the Department, emphasized the importance of zeal, enthusiasm, and fearlessness in budding journalists. He urged the students to approach their work with a fearless mindset so they can speak and write with confidence about the information they gather.

Dr. Paramatma Kumar Mishra, the workshop convener and Assistant Professor in the Department of Media Studies, discussed the changing nature of journalism. He highlighted the significance of understanding both print and electronic media in today's ever-evolving media landscape, urging students to stay informed and adaptable to become successful journalists in the future. The vote of thanks was presented by Dr. Saket Raman, Assistant Professor of the Department of Media Studies.

## शिक्षा श्री सम्मान से सम्मानित हुए केंद्रीय विवि के कुलपति



**एमजीसीयू न्यूज** | महात्मा गाँधी एवं लालबहादुर शास्त्री जयंती के अवसर पर महात्मा गाँधी केंद्रीय विवि के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान के लिए शिक्षा श्री सम्मान से डॉक्टर आशुतोष शरण ने सम्मानित किया। वहीं हिंदी भाषा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए डॉक्टर श्यामनंदन को हिंदी रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन डॉक्टर शंभू शरण व शांतिशरण मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा आयोजित किया गया। चिकित्सक डॉक्टर आशुतोष शरण ने अपने प्रथम आयोजन में दो महान विभूतियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय के शिक्षक एवं शहर के गणमान्य नागरिक सैकड़ों की संख्या में उपस्थित थे।





## MGCU Shines in UGC-NET June 2024

### Examination: 50 Students Succeed



**MGCU News** | Mahatma Gandhi Central University has once again proven its academic excellence with 50 students successfully clearing the UGC-NET June 2024 examination. This prestigious achievement includes 1 student qualifying for Junior Research Fellowship (JRF), 31 students qualifying for Assistant Professor, and 18 students securing admission to PhD programs.

The Department of Management Science led the way, with 17 students clearing the examination, followed by 7 students from the Department of Political Science. Anu Kumari, a student from the Department of Management Sciences, made an extraordinary achievement by securing the JRF qualification, a remarkable milestone for both herself and the university.

On this exceptional achievement, Prof. Sanjay Srivastava, Vice Chancellor of the University, congratulated all the successful students, their families, and faculty members. He stated, "This is a historic moment for the university. This success is the result of our students' hard work, determination, and the quality education offered at MGCU."

Shefalika Mishra, the Public Relations Officer, also expressed her joy at the success, saying, "This is a proud moment for the University family. Our students have shown that with determination and the right guidance, no goal is out of reach."

### Departmental Success

Here is a breakdown of the departments and their successes:

- Department of Management Sciences: 17 students
- Department of Political Science: 7 students
- Department of English, Hindi: 5 students each
- Department of Sociology, Library Science, Computer Science: 2 students each
- Department of Zoology: 3 students
- Departments of Commerce, Economics, Chemistry, Media Studies, Gandhi and Peace Studies, Education, Sanskrit: 1 student each

### Success List

- JRF (Junior Research Fellowship): Anu Kumari (Department of Management Sciences)

- Assistant Professor: 31 students
- PhD Admission: 18 students

Heads of departments also extended their congratulations to the successful students, encouraging them to continue excelling and achieve even greater success in the future.

### "रामकथा : लोक एवं शास्त्र" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में शिक्षकों की सहभागिता

**एमजीसीयू न्यूज** | दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोरखपुर द्वारा आयोजित "रामकथा : लोक एवं शास्त्र" विषयक द्वि दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय मोतिहारी बिहार के हिन्दी विभाग के सहायक आचार्य डॉ गोविन्द प्रसाद वर्मा एवं डॉ श्यामनन्दन तथा संस्कृत विभाग के सहायक आचार्य डॉ बबलू पाल के साथ ही हिन्दी विभाग की शोधछात्रा अपराजिता तथा संस्कृत विभाग के शोधछात्रा गोपाल कृष्ण मिश्रा एवं ज्योति मिश्रा ने सहभागिता की।

उक्त संगोष्ठी के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हिन्दी विभाग के सहायक आचार्य डॉ श्याम नंदन ने "संशय की एक रात" खण्डकाव्य को आधार बनाकर श्रीराम के परमार्थपरक चिन्तन को अत्यन्त सूक्ष्म एवं तार्किक रूप से प्रस्तुत किया। डॉ श्यामनन्दन ने कहा कि राम जनमानस के मन में रचने-बसने वाले हैं। संगोष्ठी के दूसरे दिन द्वितीय सत्र में विशिष्ट वक्ता के रूप में डॉ गोविन्द प्रसाद वर्मा ने "हिन्दी साहित्य में राम कथा" विषय पर अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन सत्र में विशिष्ट वक्ता के रूप में डॉ बबलू पाल ने भवभूति के उत्तररामचरित नाटक के आधार पर राम के समग्र चरित्र को समाज के लिए अनुकरणीय बताया। कार्यक्रम के समापन सत्र के अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर ओम प्रकाश सिंह ने महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय से आए हुए शिक्षकों के शोध परक व्याख्यान तथा विद्यार्थियों की उत्तम प्रस्तुति हेतु महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय का विशेष रूप से आभार प्रकट किया।

### MGCU Faculty & Scholars Participate in National Seminar on 'Ramkatha: Lok and Shastra' at Gorakhpur



**MGCU News** | A delegation from Mahatma Gandhi Central University (MGCU), including Assistant Professors Dr. Govind Prasad Verma and Dr. Shyam Nandan from the Hindi Department, Assistant Professor Dr. Babaloo Pal from the Sanskrit Department, along with Research Students Aparajita and Gopal Krishna Mishra and Jyoti Mishra from the Sanskrit



Department, participated in the two-day national seminar on "Ramkatha: Lok and Shastra" organized by Digvijai Nath Postgraduate College, Gorakhpur during 18-19 Oct 2024.

During the closing session of the seminar, Dr. Shyam Nandan was invited as the chief guest, where he presented a profound and logical analysis of the spiritual thoughts of Shri Ram, drawing from the epic "Sanshay Ki Ek Raat". He emphasised that Ram would forever reside in the hearts of the people, showcasing his lasting influence.

On the second day of the seminar, Dr. Govind Prasad Verma took to the stage as a special speaker in the second session, where he presented his address on "Ram Katha in Hindi Literature." His insightful discussion highlighted the cultural and literary significance of Ramkatha within the framework of Hindi literature.

In the closing session of the seminar, Dr. Babaloo Pal, also a special speaker, provided a detailed analysis of Ram's character as portrayed in the Uttara Ramacharita by Bhavabhuti. He discussed how Ram's character serves as an exemplary model for society.

The Principal of Digvijai Nath Postgraduate College, Professor Om Prakash Singh, expressed special thanks to MGCU for its research-oriented lectures and the outstanding presentations by the teachers and students of Mahatma Gandhi Central University. He praised their contributions to the seminar, which enhanced its intellectual value.

### **Three Students from Zoology Department of MGCU Qualify for JRF in Life Sciences**

**MGCU News** | In a remarkable achievement, three students from the Zoology Department of Mahatma Gandhi Central University (MGCU) have been selected for the Junior Research Fellowship (JRF) in the Life Sciences subject. Shikha Bhardwaj, along with Abhinav and Ramakrishna Paul, secured the prestigious JRF in the CSIR-UGC NET results.

Prof. Sanjay Srivastava, the Vice Chancellor of the University, extended heartfelt congratulations to the successful students and wished them a bright and promising future. He credited the guidance of the Dean of the School of Life Sciences and Head of the Zoology Department, Prof. Pranveer Singh, and the faculty members for their pivotal role in achieving this success.

Prof. Arttatrana Pal, Professor in the Zoology Department, expressed his joy over the achievement and emphasized that this success was the result of the continuous and dedicated efforts of both the teachers and students of the department. Dr. Kundan Kishore Rajak, Assistant Professor of Zoology, also congratulated the successful students, recognizing their hard work and dedication. Other members of the Zoology Department, including Dr. Preeti Bajpai, Dr. Shyam Babu Prasad, Dr. Amit

Ranjan, and Dr. Buddhi Prakash Jain, expressed their happiness over the students' remarkable success. They praised the department's continuous progress and its ability to set new records.

### **अमन कुमार को भारतीय डाक भुगतान बैंक में कार्यकारी पद पर मिली नियुक्ति**

**एमजीसीयू न्यूज** | महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रबंधन विज्ञान विभाग के पूर्व छात्र अमन कुमार को भारतीय डाक भुगतान बैंक में कार्यकारी पद पर नियुक्ति मिली है, जो संचार मंत्रालय, डाक विभाग, भारत सरकार के अंतर्गत है। केसरिया, पूर्वी चंपारण, बिहार के निवासी और महावीर प्रसाद के पुत्र अमन की यह उपलब्धि विश्वविद्यालय के लिए गर्व का विषय है। डीन प्रो. शिरीष मिश्रा, विभागाध्यक्ष डॉ. सपना सुगंधा और सभी संकाय सदस्य अमन को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।



### **राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर संगोष्ठी आयोजित**



**एमजीसीयू न्यूज** | भारतीय ज्ञान परम्परा समिति, महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर "आधुनिक भारत के निर्माण में सरदार वल्लभभाई पटेल की भूमिका" विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव के संरक्षकत्व में संगोष्ठी का संयोजन भारतीय ज्ञान परम्परा के सदस्य सचिव डॉ. अंजनी कुमार श्रीवास्तव द्वारा किया गया। अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष डॉ. विमलेश कुमार द्वारा संगोष्ठी में मुख्य वक्तव्य प्रस्तुत किया गया।

कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने संदेश के माध्यम से सरदार पटेल के योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राष्ट्र के एकीकरण में सरदार पटेल की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। आज भारत का जो स्वरूप हम देख रहे हैं वह उनकी निर्मिति है। मानविकी एवं भाषा संकाय के अधिष्ठाता प्रो. प्रसूनदत्त सिंह ने अपने संदेश में सरदार पटेल को राष्ट्र के एकीकरण का सबसे बड़ा नायक बताते हुए उनके मार्ग पर चलने का आह्वान किया।

डॉ. अंजनी कुमार श्रीवास्तव ने स्वागत वक्तव्य प्रस्तुत किया और सरदार वल्लभभाई पटेल के व्यक्तित्व तथा राष्ट्रनिर्माण में उनकी भूमिका पर प्रकाश डाला। डॉ. विमलेश कुमार ने कहा कि जो कार्य प्राचीन भारत में चन्द्रगुप्त मौर्य ने किया वही कार्य सरदार पटेल ने आधुनिक भारत में किया। अंग्रेजी विभाग के छात्र विनीत गौरव ने सरदार पटेल के प्रशासनिक योगदान को रेखांकित किया। अनुराग और शहरयार





ने भी पटेल जी के व्यक्तित्व पर चर्चा की। इस अवसर पर राष्ट्रीय एकता पर शपथ लिया गया। संचालन हिन्दी विभाग के शोधार्थी मुकेश कुमार और धन्यवाद ज्ञापन शोधार्थी विकास कुमार द्वारा किया गया।

### **Seminar Organized on the Occasion of National Unity Day**

**MGCU News** | On the occasion of National Unity Day, MGCU organized a seminar on "Role of Sardar Vallabhbhai Patel in the Creation of Modern India" under the Bharatiya Gyan Parampara Samiti. The seminar was organized by Dr. Anjani Kumar Srivastava, Member Secretary of the Bharatiya Gyan Parampara with the patronage of Prof. Sanjay Srivastava, Vice Chancellor of the University. Dr. Bimlesh Kumar Singh, Head of the Department of English, delivered the keynote address.

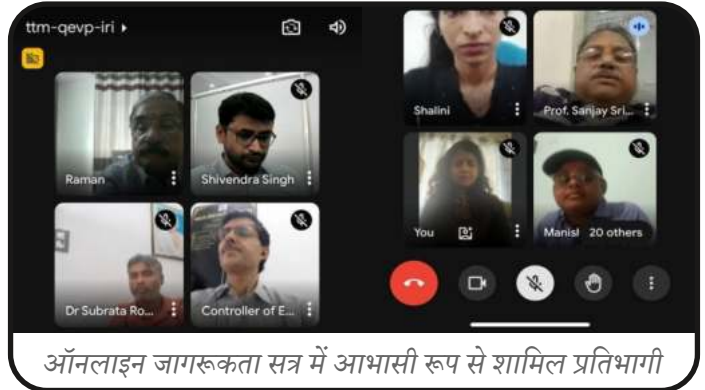
In his message, Vice Chancellor Prof. Sanjay Srivastava emphasized Sardar Patel's significant contribution to the nation's integration, stating that the form of India we see today is a result of his efforts. Prof. Prasoon Dutta Singh, Dean of the School of Humanities and Languages, described Sardar Patel as the greatest hero of India's integration and urged people to follow his path. Dr. Anjani Kumar Srivastava presented the welcome address, highlighting Patel's monumental role in nation-building. Dr. Bimlesh Kumar compared Sardar Patel's work to that of Chandragupta Maurya in ancient India. Vinit Gaurav, a student from the English Department, elaborated on Patel's administrative contributions. Anurag and Shahryar also shared insights into Patel's personality. The program concluded with an oath on national unity. Mukesh Kumar, a researcher in the Hindi Department, conducted the event, and the vote of thanks was presented by Vikas Kumar, a researcher.

### **एमजीसीयू में ऑनलाइन सतर्कता जागरूकता सत्र का आयोजन**

**एमजीसीयू न्यूज** | महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय (एमजीसीयू) के सतर्कता प्रभाग द्वारा ऑनलाइन सतर्कता जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया। सत्र का उद्देश्य संस्थान में नैतिकता और सतर्कता की संस्कृति को सुदृढ़ करना था। इस अवसर पर कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव और नेशनल एकेडमी ऑफ कस्टम्स, एक्साइज और नारकोटिक्स के फैकल्टी और सेवानिवृत्त आई.आर.एस. (IRS) अधिकारी श्री रमन मल्होत्रा जैसे सम्मानित वक्ताओं ने अपने विचार साझा किए। सत्र की शुरुआत महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय की केंद्रीय सतर्कता अधिकारी (CVO) डॉ. सपना सुगंधा द्वारा स्वागत भाषण से हुई, जिसमें उन्होंने सतर्कता और नैतिकता की संस्कृति को बढ़ावा देने में विश्वविद्यालय के मिशन पर जोर दिया।

अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने संस्थागत नैतिकता बनाए रखने और विश्वविद्यालय की पारदर्शिता की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता श्री रमन मल्होत्रा ने सतर्कता के महत्व को "24/7 जिम्मेदारी" के रूप में समझाते हुए प्रतिभागियों को प्रेरित किया। ऑनलाइन वेबिनार का संचालन प्रबंधन विज्ञान विभाग की छात्रा शालिनी सुप्रिया और धन्यवाद ज्ञापन प्रबंधन विभाग के शोधार्थी राजीव रंजन चौबे द्वारा प्रस्तुत किया गया।

### **Online Vigilance Awareness Session Organized at MGCU**



**MGCU News** | An online vigilance awareness session was conducted by the Vigilance Division of MGCU to promote the culture of ethics and vigilance within the institution on 30 Oct 2024. Vice Chancellor Prof. Sanjay Srivastava graced the occasion as Chair. Notable speaker Shri Raman Malhotra, an IRS officer, shared his insights on vigilance.

The session began with a welcome address by Dr. Sapna Sugandha, Central Vigilance Officer (CVO), who stressed the University's mission to promote ethics and vigilance. In his presidential address, Prof. Sanjay Srivastava reinforced the university's commitment to maintaining institutional ethics and transparency. Shri Raman Malhotra, the keynote speaker, emphasized that vigilance is a "24/7 responsibility" and motivated the participants. The webinar was moderated by Shalini Supriya, a student from the Department of Management Sciences, and the vote of thanks was presented by Rajiv Ranjan Choubey, a research scholar in the Department of Management Sciences.

### **महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में स्नातक छात्रों के लिए दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन**

- विनम्र रहें, परस्पर सम्मान करें, और बड़ी सोच रखें - कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव

**एमजीसीयू न्यूज** | महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में स्नातक सत्र २०२४ के छात्रों के लिए 'दीक्षारंभ' कार्यक्रम का आयोजन बृहस्पति सभागार में किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव सहित सभी





विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ अधिकारी, संकाय सदस्य और नवागंतुक छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के स्वागत, दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना से हुई। इसके बाद विश्वविद्यालय का कुलगीत प्रस्तुत किया गया। कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने नवागंतुक छात्रों को संबोधित करते हुए उन्हें विश्वविद्यालय का प्रमुख हितधारक बताते हुए कहा कि एमजीसीयू एक रैगिंग मुक्त परिसर है, जहाँ हर छात्र को एक मेंटर नियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा, "आपके व्यक्तित्व के कौशल विकास के लिए यहां विभिन्न अवसर उपलब्ध हैं। विनम्र रहें, परस्पर सम्मान करें, और बड़ी सोच रखें।"

डॉ. बिमलेश कुमार सिंह ने अतिथियों और नवागंतुक छात्रों का स्वागत किया। प्रो. अर्तात्रण पाल (डीन, छात्र कल्याण) ने एमजीसीयू में छात्र कल्याण से संबंधित सुविधाओं की जानकारी दी, जिसमें स्वास्थ्य बीमा, एम्बुलेंस सुविधा, खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियाँ तथा फेलोशिप शामिल हैं। मुख्य कुलानुशासक प्रो. प्रसून दत्त सिंह ने छात्रों को अनुशासन के महत्व और विश्वविद्यालय के एंटी-रैगिंग उपायों की जानकारी दी।

प्रोवोस्ट प्रो. रफीक उल इस्लाम ने छात्रावास आवंटन, सुविधाओं और अनुशासन पर अपने विचार साझा किए। परीक्षा नियंत्रक (प्रभारी) प्रो. संतोष त्रिपाठी ने प्रमोशन और पासिंग क्राइटेरिया, परीक्षा आयोजन एवं मूल्यांकन पैटर्न के बारे में बताया। पुस्तकालय प्रभारी अधिष्ठाता प्रो. रणजीत कुमार चौधरी ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की पुस्तकालय के नियमों के बारे में बताया। पंडित मदन मोहन मालवीय स्कूल ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट साइंसेज के प्रभारी अधिष्ठाता डॉ. सुभ्रता रॉय ने विद्यार्थियों को वाणिज्य और प्रबंधन के क्षेत्र में अनुसंधान और अध्ययन के महत्व पर जोर दिया।

वित्त अधिकारी प्रो. विकास पारीक ने समय पर फीस जमा करने, छात्रवृत्ति योजनाओं और विलंब शुल्क से संबंधित जानकारी दी। कुलसाचिव डॉ. सच्चिदानंद सिंह ने प्रशासनिक सेटअप, कार्यप्रवाह और पदानुक्रम पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में सुव्यवस्थित और पारदर्शी प्रशासनिक प्रक्रिया का पालन किया जाता है, जो विद्यार्थियों और स्टाफ दोनों के लिए लाभकारी है। प्रो. आनंद प्रकाश (अध्यक्ष, एनईपी कार्यान्वयन) ने एमजीसीयू में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन पर प्रकाश डाला। अकादमिक अफेयर्स के निदेशक, प्रो. बृजेश पाण्डेय ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. स्वता ने किया।

## ***Mahatma Gandhi Central University Organises Induction for Graduate Students***



**MGCU News** | Mahatma Gandhi Central University today organised the 'Diksharambh' program for the students of undergraduate session 2024 in Brihaspati Auditorium on 11 Nov 2024. On this occasion, all the department heads, senior officers, faculty members and newcomer students including the Vice



Chancellor of the University, Prof. Sanjay Srivastava were present.

The program started with the welcome of the guests, lighting of lamps and Saraswati Vandana. After this, the university's anthem was presented. Vice Chancellor Prof. Sanjay Srivastava, while addressing the newcomer students, described them as the key stakeholders of the university and said that MGCU is a ragging free campus, where every student has been appointed a mentor. He said, "Various opportunities are available here for skill development of your personality. Be humble, respect each other, and think big."

Dr. Bimlesh Kumar Singh welcomed the guests and newcomer students. Prof. Artatrana Pal (Dean of Student Welfare) informed me about the facilities related to student welfare at MGCU, which include health insurance, an ambulance facility, sports and cultural activities, a mentor-mentee program for new students and a fellowship. Chief Proctor Prof. Prasoon Dutta Singh informed the students about the importance of discipline and anti-ragging measures of the university. Provost Prof. Rafique Ul Islam shared his views on hostel allotment, facilities and discipline. Controller of Examinations (in-charge) Prof. Santosh Tripathi informed about promotion and passing criteria, examination conduct and evaluation pattern. Dean and Library-in-Charge, Prof. Ranjit Kumar Chaudhary, in his address, informed the students about the rules of the university library. Dean in-charge of Pandit Madan Mohan Malaviya School of Commerce and Management Sciences Dr. Subrata Roy emphasized the importance of research and study in the field of commerce and management to the students. OSD (Finance) Prof. Vikas Pareek gave information related to timely payment of fees, scholarship schemes and late fees. OSD (Admin) Dr. Sachchidanand Singh discussed the administrative setup, workflow and hierarchy. He said that the university follows a well-organized and transparent administrative process, which is beneficial for the students. It is beneficial for both the teachers and staff. Prof. Anand Prakash (Chairman, NEP Implementation) highlighted the effective implementation of National Education Policy in MGCU. Director, Academic Affairs, Prof. Brijesh Pandey presented the vote of thanks. The programme was conducted by Dr. Sweta.



## भगवान् बिरसा मुंडा की 150वीं जयन्ती पर व्याख्यान का आयोजन



**एमजीसीयू न्यूज** महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा भगवान् बिरसा मुंडा की 150वीं जयन्ती पर चाणक्य परिसर के पंडित राजकुमार शुक्ल सभागार में विशेष व्याख्यान का बल्लेडेंड मोड में आयोजन किया गया। व्याख्यान में कूच बेहार पंचनाम बर्मा विश्वविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ शक्तिपाद कुमार मुख्य वक्ता के रूप में ऑनलाइन माध्यम से जुड़े। उन्होंने बिरसा मुंडा को स्मरण करते हुए उनके द्वारा किये गये योगदान को बतलाया। बिरसा मुंडा ने मात्र बीस वर्ष की आयु में ही अंग्रेजों की नाक में दम कर दिया था। बिरसा मुंडा का जन्म झारखण्ड के खूंटी जिला के अन्तर्गत उलिहातू नामक ग्राम में हुआ था। हिन्दी विभाग के प्रो. राजेन्द्र बडगुजर ने कहा कि आदिवासियों के अधिकार के लिए बिरसा मुंडा का योगदान अति महत्वपूर्ण रहा है। उन्होंने कहा कि तिलक जी के "स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है" का सम्बन्ध कहीं न कहीं आदिवासी उक्ति से प्राप्त होता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रो. प्रसूनदत्त सिंह ने "जय जोहार" कहकर संगोष्ठी को सम्बोधित किया। आपने कहा कि जनजातीय संस्कृति को देखकर भारतीय संस्कृति का ज्ञान प्राप्त होता है। आस्तिक और नास्तिक के भेद को स्पष्ट करते हुए कहा कि वैदिक संस्कृति की झलक जनजातीय परम्परा हमें दिखाई पड़ती है। धन्यवाद ज्ञापन समाजशास्त्र विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ श्वेता ने किया। संचालन अंग्रेजी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ उमेश पात्रा ने किया।

## 150th birth anniversary of Bhagwan Birsa Munda Organised

**MGCU News** | Cultural & Literary Council, Mahatma Gandhi Central University organised a lecture in blended mode in the Pandit Rajkumar Shukla Auditorium of Chanakya Campus on the 150th birth anniversary of Bhagwan Birsa Munda on 15 Nov 2024. In this lecture organised by the university, Dr Shaktipada Kumar, Assistant Professor Cooch Behar Panchanan Barma University, joined online as the keynote speaker. Remembering Birsa Munda, he told about the contribution made by him. Birsa Munda had troubled the British at the age of just twenty years. Birsa Munda was born in a village named Ulihatu under Khunti district of Jharkhand. Prof. Rajendra Singh of Hindi Department said that Birsa Munda's contribution has been very important for the rights of the tribals. He said that Tilak ji's "Swaraj Mera Janmasiddh Adhikar Hai" is related to the tribal saying. Presiding over the program, Prof. Prasoon Dutta Singh addressed the seminar by saying "Jai Johar". He said that by looking at the tribal

culture, one gets the knowledge of Indian culture. Clarifying the difference between theist and atheist, he said that we see the tribal tradition close to the culture of Vedic culture. The vote of thanks was given by Assistant Professor Dr. Sweta in the Department of Sociology.

## एमजीसीयू के चार छात्रों का चयन 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के लिए

**एमजीसीयू न्यूज** महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के चार छात्रों का चयन भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम के लिए हुआ है। इस उपलब्धि को प्राप्त करने के लिए छात्रों ने बिहार के 38 जिलों के 3000 से अधिक आवेदकों के बीच दो-स्तरीय साक्षात्कार प्रक्रिया में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

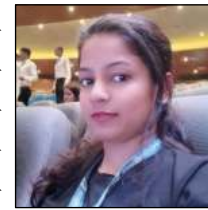
चयनित छात्रों में गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग के पीएचडी शोधार्थी ऋषभदेव शुक्ल, कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के बी.टेक (सीएसई) द्वितीय वर्ष के छात्र आदिल लतीफ, बी.टेक (सीएसई) चतुर्थ वर्ष की छात्रा संजना कुमारी और सामाजिक कार्य विभाग की तृतीय सेमेस्टर की छात्रा रूपाली कुमारी हैं।



ऋषभदेव शुक्ल



आदिल लतीफ



रूपाली कुमारी,



संजना कुमारी

कार्यक्रम नवंबर के अंतिम सप्ताह और दिसंबर के पहले सप्ताह के बीच कर्नाटक के आईआईटी धारवाड़ में आयोजित किया जाएगा। इस दौरान चयनित छात्र बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर का प्रदर्शन करते हुए विभिन्न शैक्षणिक, सांस्कृतिक और सामुदायिक गतिविधियों में भाग लेंगे। कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि यह हमारे विश्वविद्यालय के लिए गर्व का क्षण है। इन छात्रों ने अपनी प्रतिभा और मेहनत से यह सम्मान अर्जित किया है। यह चयन न केवल उनकी व्यक्तिगत सफलता है, बल्कि एमजीसीयू के शैक्षणिक और सांस्कृतिक उत्थान का प्रमाण भी है। मैं उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देता हूँ। जनसंपर्क अधिकारी शेफालिका मिश्रा ने कहा, "एमजीसीयू के छात्र हमेशा से अपनी बहुमुखी प्रतिभा से विश्वविद्यालय का नाम उज्ज्वल करते आए हैं।

## Four students of MGCU selected for 'Ek Bharat Shreshtha Bharat'

**MGCU News** | Four students of Mahatma Gandhi Central University have been selected for the prestigious 'Ek Bharat Shreshtha Bharat' program organised by the Ministry of Education, Government of India. To achieve this feat, the students performed excellently in the two-tier interview process among more than 3000 applicants from 38 districts of Bihar. The selected students include Rishabhdev Shukla, PhD scholar from Gandhian and Peace Studies Department, Adil Latif, B.Tech (CSE) 2nd year student from Computer Science and Information



*"The best way to find yourself is to lose yourself in the service of others."*

*~ Mahatma Gandhi*

Technology Department, Sanjana Kumari, B.Tech (CSE) 4th year student and Rupali Kumari, 3rd semester student from Social Work Department. The program will be held at IIT Dharwad, Karnataka between the last week of November and the first week of December. During this, the selected students will participate in various academic, cultural and community activities showcasing the rich cultural heritage of Bihar. Vice Chancellor Prof. Sanjay Srivastava congratulated the students and said that this is a proud moment for our university. These students have earned this honour with their talent and hard work. This selection is not only their personal success but also proof of the academic and cultural upliftment of MGCU. I wish them a bright future. Public Relations Officer Shefali Mishra said, "MGCU students have always brought glory to the university with their versatility."

### ***Five-day Faculty Development Workshop inaugurated at Mahatma Gandhi Central University***



**MGCU News** | The Department of Mathematics at Mahatma Gandhi Central University inaugurated a five-day Faculty Development Workshop titled "Advancing Pedagogy: Technological Enhancement in Classroom Delivery and Education" to be held during 18-22 Nov 2024 at the Rajkumar Shukla Auditorium, Chanakya Campus. In his welcome address, Prof. Pranveer Singh emphasized the vital role of technology in contemporary education. He noted that incorporating tools such as PowerPoint presentations, 3D models, diagrams, and animations can significantly enhance classroom engagement and effectiveness.

Vice Chancellor Prof. Sanjay Srivastava, in his inaugural remarks, underscored the workshop's objective of equipping educators with essential technological competencies to align teaching methodologies with the evolving academic needs of students. Shri Niloptal Sharma from the E & ICT Academy, IIT Guwahati, highlighted the academy's mission to foster advancements in technical and management education across the country.

Chief expert Dr. Anjan Chaudhary reflected on the broader vision of such programs, noting that Faculty Development Workshops go beyond technical instruction, serving as platforms to cultivate deeper, more meaningful teacher-student relationships. Chief Guest Prof. Prasoon Dutta Singh drew an insightful parallel between mathematics and Sanskrit, stating that both disciplines offer profound frameworks for understanding logic and knowledge. Prof. Arttrana Pal reinforced the significance of technical acumen among educators, stating that proficiency in technology is essential for delivering quality education.

The workshop was coordinated by Dr. Babita Mishra, Assistant Professor in the Department of Mathematics, and the proceedings were conducted by research scholar Apoorva from the same department. The event concluded with the national anthem, marking a dignified end to the inaugural session.

### ***'मीडिया अर्थशास्त्र और नैतिकता' विषयक एक एकदिवसीय संगोष्ठी आयोजित***

एमजीसीयू न्यूज। महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के चाणक्य परिसर स्थित पण्डित राजकुमार शुक्ल सभागार में मीडिया अध्ययन विभाग द्वारा "मीडिया अर्थशास्त्र और नैतिकता" विषयक एक एकदिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के संरक्षक विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर संजय श्रीवास्तव थे। बतौर मुख्य वक्ता प्रो. अनुराग दवे ने विस्तार से मीडिया की कार्यप्रणाली और स्वरूप पर चर्चा की। उन्होंने पत्रकारों के नैतिक मूल्य एवं दायित्व के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। प्रो. दवे ने मीडिया के आर्थिक पहलू पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मीडिया अर्थशास्त्र, मीडिया उद्योगों और फ़र्मों को प्रभावित करने वाले मुद्दों से जुड़ा एक विषय है।

अध्यक्षीय संबोधन में डॉ. अंजनी कुमार झा ने कहा कि मीडिया किसी के दबाव में काम नहीं कर सकती। मीडिया के बगैर विकास की कल्पना नहीं की जा सकती। धन्यवाद ज्ञापन करते हुए डॉ. परमात्मा कुमार मिश्र ने कहा कि मीडिया को नैतिकता पर टिके रहना चाहिए और सत्य को निडरता के साथ लिखना चाहिए। मंच संचालन एमएजेएमसी प्रथम सेमेस्टर के छात्र आदर्श आर्य ने की। कार्यक्रम में मीडिया अध्ययन विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. साकेत रमण, डॉ सुनील दीपक घोड़े, डॉ उमा यादव सहित विद्यार्थी एवं शोधार्थी मौजूद थे।

### ***A one-day seminar on 'Media Economics and Ethics' organized***





**MGCU News** | A one-day seminar on "Media Economics and Ethics" was organized by the Department of Media Studies in Pandit Rajkumar Shukla Auditorium located in Chanakya Campus of Mahatma Gandhi Central University on 18 Nov 2024. The Patron of the seminar was the Vice Chancellor of the University, Professor Sanjay Srivastava.

As the keynote speaker, Professor Anurag Dave discussed in detail the functioning and nature of the media. He highlighted various aspects of the ethical values and responsibilities of journalists. Professor Dave, while highlighting the economic aspect of media, said that media is a subject related to economics, issues affecting media industries and firms.

In his presidential address, Dr. Anjani Kumar Jha said that the media cannot work under anyone's pressure. Development cannot be imagined without media. While giving the vote of thanks, Dr. Parmatma Kumar Mishra said that media should stick to ethics and write the truth fearlessly. The stage was conducted by Adarsh Arya, a student of MAJMC first semester. Assistant Professor of Media Studies Department Dr. Saket Raman, Dr. Sunil Deepak Ghodke, Dr. Uma Yadav along with students and researchers were present in the program.

Gupta of Placement Cell, led by Head of Department Dr. Sapna Sugandha, gave important suggestions to the students. These experts gave valuable tips to the students on the interview process, ways to answer correctly, and personality development. Head of the Department Dr. Sapna Sugandhan expressed happiness over the success of the program and called it an important opportunity for the students.

## हमारा संविधान भारत के विचार और आदर्शों का प्रतीक - प्रो. संजय श्रीवास्तव



## Mock interview organized for students of 'Department of Management Sciences' of MGCUB



**MGCU News** | Mock interviews were organized for the students of MBA 3rd semester by the Placement Cell in the 'Department of Management Sciences' of Mahatma Gandhi Central University on 23 Nov 2024. The objective of this event was to prepare the students for the upcoming campus selection and real interview. Also, the skills and knowledge of the students were also tested through this process. In this mock interview, the students were given experience of various types of real interview situations, so that they can increase their confidence and prepare themselves for the challenges of the professional world.

Dr. Alka Lalhal, Arun Kumar, Dr. Kamlesh Kumar, Dr. Sneha Chaurasia, Rajiv Ranjan Choubey, Priyanka Priyadarshi, Rohit

**एमजीसीयू न्यूज** | महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के राजनीतिक विज्ञान विभाग तथा गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में संविधान दिवस पर होने वाले वर्ष पर्यंत समारोह के श्रृंखला की प्रथम कड़ी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत राजनीतिक विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ सरिता तिवारी के द्वारा किया गया।

अध्यक्षीय भाषण में कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने संविधान को भारत के विचार और आदर्शों का प्रतीक बताते हुए इसे राष्ट्र के लिए पवित्र दस्तावेज कहा। उन्होंने कहा कि संविधान दिवस न केवल संविधान को समझने का अवसर है, बल्कि इसके प्रति राष्ट्रीय कर्तव्य का सम्मान करने का भी दिन है।

मुख्य अतिथि श्री अमिताभ सिन्हा, वरिष्ठ अधिवक्ता, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि संविधान का बिहार से गहरा नाता है। डॉ. सचिदानंद सिन्हा ने संविधान सभा की स्थापना की, और डॉ. राजेंद्र प्रसाद इसके अध्यक्ष बने। उन्होंने संतुलन के सिद्धांत पर जोर देते हुए कहा कि अधिकारों के साथ कर्तव्यों का पालन आवश्यक है। विशिष्ट अतिथि प्रो. रवि रंजन, राजनीति विज्ञान विभाग, जाकिर हुसैन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय ने संविधान को "जीवंत दस्तावेज" बताते हुए कहा कि यह न केवल गरीबों को सशक्त करता है बल्कि शक्ति के दुरुपयोग पर भी रोक लगाता है। विशिष्ट अतिथि, प्रो. धनंजय कुमार वर्मा, राजनीति विज्ञान विभाग, शासकीय एमएलबी गर्ल्स पीजी कॉलेज, भोपाल ने संविधान को "उधार की थैली" कहे जाने को खारिज करते हुए कहा कि हमारी परंपरा और श्रोतों ने इसे समृद्ध बनाया है।

कार्यक्रम की थीम "हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान" का परिचय प्रो. सुनील महावर, संकायाध्यक्ष, सामाजिक विज्ञान संकाय ने कराया। उन्होंने संविधान निर्माण के इतिहास, गांधी जी की भूमिका और डॉ. भीमराव अंबेडकर के नेतृत्व में गठित प्रारूप समिति के योगदान पर चर्चा की। साहित्यिक एवं सांस्कृतिक परिषद के अध्यक्ष प्रो. प्रसून दत्त सिंह ने मौलिक अधिकारों के संरक्षण की आवश्यकता पर बल दिया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. जुगल किशोर दाधीच, अध्यक्ष, गांधीवादी एवं शांति अध्ययन विभाग ने किया। इस अवसर पर प्रो. सुनील महावर ने उपस्थित सभी को संविधान अपनाने की शपथ दिलाई।



## प्रबंधन विज्ञान विभाग में 'वित्तीय कार्यशाला' का आयोजन



**एमजीसीयू न्यूज** | महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के -प्रबंधन विज्ञान विभाग में एक विशेष 'वित्तीय कार्यशाला' का आयोजन किया गया, जिसमें बिजनेस और वित्तीय ज्ञान पर केंद्रित महत्वपूर्ण चर्चाएं हुईं। कार्यशाला में मुख्य अतिथि 'युवा उधमी' अंगद प्रताप सिंह थे, जिनका व्यापक अनुभव और विशेषज्ञता छात्रों के लिए बेहद लाभकारी रही। इस कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के प्रबंधन विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ. सपना सुगंधा के मार्गदर्शन में हुआ। डॉ. अलका लल्लाल, डॉ. कमलेश कुमार, डॉ. स्नेहा चौरसिया और रिसर्च स्कॉलर राजीव कुमार ने वित्तीय प्रबंधन और व्यवसाय विकास के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने छात्रों को व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाने और अपने ज्ञान को उद्योग की आवश्यकताओं के अनुसार अद्यतन करने की सलाह दी। डॉ. सपना सुगंधा ने सभी प्रतिभागियों और विशेषज्ञों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने छात्रों से इस प्रकार की कार्यशालाओं का अधिकतम लाभ उठाने का आग्रह किया।

## Special Lecture Organised on World AIDS Day



**MGCU News** | On the occasion of World AIDS Day (01 December 2024), the Sehat Kendra at Mahatma Gandhi Central University organised a special lecture on the theme "HIV/AIDS: Problem and Solution." The event was held under the patronage of the Vice Chancellor, Prof. Sanjay Srivastava.

The keynote address was delivered by Dr. Durgeshwar Singh, Assistant Professor of Botany, who provided a detailed overview of the emergence and progression of HIV and AIDS in humans. He highlighted the alarming situation of the 1990s and the strategic initiatives taken by the government to combat the

epidemic, which eventually led to encouraging outcomes.

Dr. Anupam Kumar Verma, Assistant Professor in the Department of Social Work, emphasized the importance of social awareness to support the government's mission of making the country HIV-free. He stressed that collective understanding and responsibility are key in addressing both the problem and its solutions.

The event was organised by Dr. Babaloo Pal, Coordinator of the Sehat Kendra, and Dr. Govind Prasad Verma, Co-coordinator. Dr. Shyam Nandan, Assistant Professor in the Department of Hindi, along with several other faculty members, was also present. Students from various departments of the university actively participated in the program, making it an informative and engaging session.

## Brijnandan Paswan selected for ICSSR Fellowship 2024

**MGCU News** | Brijnandan Paswan, a researcher from the Department of Media Studies at Mahatma Gandhi Central University, Bihar, has been awarded the prestigious Doctoral Fellowship 2024 by the Indian Council of Social Science Research (ICSSR), New Delhi. He is conducting research on the role of media in shaping international relations between India and Nepal, under the guidance of Assistant Professor Dr. Paramatma Kumar Mishra.



Brijnandan Paswan has previously demonstrated academic excellence by qualifying the UGC NET examination five times in the subject of Journalism and Mass Communication. Commending his achievement, Vice Chancellor Prof. Sanjay Srivastava stated that Brijnandan's accomplishment will serve as a source of inspiration for both students and researchers in the field of media studies.

Dr. Anjani Kumar Jha, Head of the Department of Media Studies, praised Brijnandan as a diligent and insightful scholar, noting that his work holds the potential to guide society in a meaningful direction. Prof. Ranjit Kumar Chaudhary, Dean of CS & ICT, extended his congratulations to both the department and Brijnandan, emphasizing that this success will motivate other students as well.

Dr. Paramatma Kumar Mishra, the research supervisor, highlighted Brijnandan's dedication and expressed confidence that his study will offer a new perspective on India-Nepal relations. Faculty members Dr. Sunil Deepak Ghodke, Dr. Saket Raman, Dr. Uma Yadav, along with fellow researchers and students, also extended their heartfelt congratulations and best wishes to Brijnandan Paswan on this significant milestone.



## Special lecture Organised on Human Rights Day



**MGCU News** | On the occasion of Human Rights Day (10 Dec 2024), the Department of Political Science at Mahatma Gandhi Central University organised a distinguished special lecture. The program was graciously led by the Vice Chancellor, Prof. Sanjay Srivastava, who served as the chief patron.

The event commenced with a welcome address from the Head of the Department, Dr. Sarita Tiwari, who emphasised the pivotal role of Mrs. Eleanor Roosevelt in the creation of the Universal Declaration of Human Rights. Dr Tiwari highlighted that Roosevelt's tireless efforts were honoured when she was recognized as the "Woman of the World" by the then President of the United States.

Prof. Sunil Mahawar, the Chief Guest, underscored that human rights are fundamental in fostering equality and justice within society. Prof. Rajesh Sharma provided valuable insights into the historical and global dimensions of human rights, offering a broader understanding of their significance. Prof. Prasoon Dutta Singh elaborated on the concept of natural rights, asserting that these inherent rights form the foundation of human rights. He emphasized that true human rights are realized when every individual in society is granted equal opportunity and respect.

The program concluded with a vote of thanks from Dr. Narendra Arya, who expressed gratitude to all the distinguished guests and participants. He urged everyone to remain steadfast in their commitment to upholding human rights. This event successfully highlighted the importance of human rights and reaffirmed the collective responsibility to ensure their protection and promotion.

## तमिल और संस्कृत का संगम आवश्यक - प्रो. श्रीप्रकाश

**एमजीसीयू न्यूज** | महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय में भारतीय भाषा उत्सव के अवसर पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता भीमराव अम्बेडकर बिहार विश्वविद्यालय मुजफ्फरपुर के संस्कृत विभाग के सेवानिवृत्त आचार्य प्रो. श्रीप्रकाश पाण्डेय थे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता गाँधी भवन परिसर के निदेशक एवं विश्वविद्यालय के मुख्य कुलानुशासक प्रो. प्रसून दत्त सिंह ने किया।

कार्यक्रम के संयोजक डॉ. श्याम कुमार झा ने भारतीय भाषा उत्सव के विषय में

प्रकाश डालते हुए बताया कि विभिन्न भाषाओं में एक दूसरे से सामंजस्य रखते हुए बहुत से पर्यायवाची शब्द हैं। इन शब्दों के अध्ययन से भाषाओं में सामीप्य ज्ञात हो सकता है। आपने तमिल भाषा के प्रतिनिधि कवि सुब्रह्मण्यम भारती के जीवन पर भी प्रकाश डाला। सामाजिक विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील महावर ने अपने वक्तव्य में कहा कि संस्कृति का मूल भाषाएं ही हैं और इनमें भारतीय भाषाओं को एक साथ जोड़ने के तत्त्व निहित हैं। हिन्दी विभाग के अध्यक्ष डॉ. अंजनी कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि सुब्रह्मण्यम भारती की तुलना मैथिली शरण गुप्त से की जा सकती है और उनका भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एवं भाषाविद् प्रोफेसर श्रीप्रकाश पाण्डेय ने अपने मुख्य वक्तव्य में कहा कि जिस प्रकार हमें अपनी भाषा प्रिय लगती है उसी प्रकार तमिल क्षेत्र वालों को तमिल भाषा प्रिय लगती है। तमिल भाषा पर संस्कृत का अत्यन्त प्रभाव दिखाई पड़ता है। प्रो. पाण्डेय ने उदाहरण देते हुए बताया कि वाल्मीकि रामायण का प्रभाव तमिल भाषा में रचित कम्ब रामायण पर दिखाई पड़ता है। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो. प्रसून दत्त सिंह जी ने कहा कि अपनी मातृभाषा के साथ ही दूसरों की मातृभाषा का भी आदर करना चाहिए, जिससे आपस में सामंजस्य बना रहे। धन्यवाद ज्ञापन संस्कृत विभाग के सहायक आचार्य डॉ. बबलू पाल और संचालन संस्कृत विभाग के सहायक आचार्य डॉ. विश्वजीत बर्मन् ने किया।

## Confluence of Tamil and Sanskrit is necessary - Prof. Shriprakash



**MGCU News** | On the occasion of the Indian Language Festival, Mahatma Gandhi Central University hosted an insightful lecture, which brought together esteemed speakers and scholars from various linguistic and cultural backgrounds. The chief speaker for the event was Prof. Shriprakash Pandey, a retired Acharya from the Sanskrit Department of Babasaheb Bhimrao Ambedkar Bihar University, Muzaffarpur. The program was presided over by Prof. Prasoon Dutta Singh, Director of Gandhi Bhawan Campus. The coordinator of the event, Dr. Shyam Kumar Jha, shed light on the significance of the Indian Language Festival. He emphasized the richness of linguistic diversity in India, pointing out the numerous synonyms across languages that exist in harmony with one another. He further illustrated the interconnectedness of languages and their shared proximity, highlighting the life and contributions of Subramaniam Bharati, the renowned Tamil poet and freedom fighter.

Prof. Sunil Mahawar, Dean of the School of Social Sciences, remarked that languages are the root of culture and serve as bridges that unite Indian languages. Dr. Anjani Kumar Srivastava, Head of the Hindi Department, made an interesting comparison between Subramania Bharati and Maithili Sharan



*"Faith is the bird that feels the light when the dawn is still dark."*

*~ Rabindranath Tagore*

Gupt, praising Bharati's profound contribution to the Indian freedom movement. In his keynote address, Prof. Shriprakash Pandey discussed the deep cultural ties between languages, particularly the influence of Sanskrit on Tamil. He used the example of the Kamb Ramayana, a Tamil version of the Valmiki Ramayana, to illustrate this linguistic relationship.

In the presidential address, Prof. Prasoon Dutta Singh emphasized the importance of respecting not only one's mother tongue but also the mother tongues of others. This respect, he argued, is essential for fostering harmony and unity among different linguistic communities. The program concluded with a vote of thanks by Dr. Babaloo Pal, Assistant Professor in the Sanskrit Department, and was conducted by Dr. Biswajit Barman, also an Assistant Professor in the Sanskrit Department. This event successfully highlighted the unity of India's diverse languages and cultures, reinforcing the need for mutual respect and understanding in promoting linguistic harmony.

### **National Conference on "Functional Oxides" (NCFO-2024) Organised**



**MGCU News** | The Department of Physics at Mahatma Gandhi Central University organized a one-day national conference (NCFO-2024) titled "Recent Advances in Functional Oxides" on 14 Dec 2024. The conference, held in a hybrid mode at the Brihaspati Auditorium, attracted prominent physical scientists, researchers, and students from across the nation. The event provided a platform to discuss the latest innovations, advancements, and challenges related to functional oxide materials.

The inaugural session was graced by the esteemed Prof. P. K. Bajpai, Vice Chancellor of Jaiprakash University, Chapra, and an eminent physical scientist. Other distinguished guests included Prof. Devdutt Chaturvedi, Dean of the School of Physical Sciences; Prof. Sunil Kumar Srivastava, Head of the Physics Department; Prof. Santosh Kumar Tripathi, Senior Faculty Member; and Prof. Ajay Kumar Gupta, the Convener of the Conference. The conference also saw the presence of various faculty members from different departments of the university, including Dr. Brijesh Pandey and Dr. Akhilesh Kumar Singh from the Department of Biotechnology, and Dr. Mukesh Kumar from the Department of Education.

The conference featured key speakers such as Dr. T.G. Reddy and Dr. P. Rambabu from the Department of Physics at Guru Ghasidas Vishwavidyalaya, Bilaspur; Dr. Vijay Raj Singh from the Central University, Gaya; Dr. Anup Kumar Shukla from Amity University, Noida; and Dr. Pradeep Das from GGV, Bilaspur. Their sessions delved into various cutting-edge topics, including multi-ferroic oxides, structural properties of oxide materials, and the magnetic properties of co-doped BiFeO<sub>3</sub> thin films.

The event concluded with the presentation of certificates to the participants in the closing session. The closing session was attended by several faculty members, including Prof. Shirish Mishra from the Department of Commerce, Prof. Sunil Mahawar from the Department of Gandhian and Peace Studies, and Dr. Neelabh Shrivastava, Dr. Pawan Kumar, Dr. Sweta Singh, and Dr. Jugal Kishor Dadhich. The vote of thanks was delivered by Dr. Arvind Kumar Sharma.

This conference was a significant academic event that contributed to the exchange of knowledge in the field of functional oxides, fostering collaboration among researchers and students alike.

### **प्रो. देवदत्त चतुर्वेदी को प्रो. वाहिद उद्दीन मलिक स्मारक पुरस्कार मिला**

**एमजीसीयू न्यूज़** | महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) देवदत्त चतुर्वेदी को भारतीय रसायन विज्ञान परिषद (ICC) द्वारा प्रतिष्ठित प्रो. वाहिद उद्दीन मलिक स्मारक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान भारतीय रसायन विज्ञान परिषद के वार्षिक सम्मेलन के उद्घाटन सत्र के दौरान मॉडर्न कॉलेज ऑफ साइंस, आर्ट्स एंड कॉमर्स, गणेशखिंड, पुणे में प्रदान किया गया।

पुरस्कार उन्हें रसायन विज्ञान के क्षेत्र में उनके अनुकरणीय अनुसंधान और शिक्षण के लिए दिया गया। प्रो. चतुर्वेदी ने रसायन विज्ञान और भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में अद्वितीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं। इससे पूर्व उन्हें युवा वैज्ञानिक पुरस्कार, टेट्राहेड्रोन सर्वाधिक उद्धृत पेपर पुरस्कार, और सर्वोच्च प्रभाव कारक पुरस्कार जैसे कई प्रतिष्ठित सम्मान मिल चुके हैं।

एमजीसीयू के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने प्रो. चतुर्वेदी को इस उपलब्धि पर कहा, "प्रो. देवदत्त चतुर्वेदी ने विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाया है। मैं उनकी इस उपलब्धि पर हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ। उनका यह सम्मान विश्वविद्यालय की शोध संस्कृति को और सुदृढ़ करेगा।"

प्रो. शिरीष मिश्रा, प्रो. रणजीत कुमार चौधरी, प्रो. प्रणवीर सिंह, प्रो. प्रसून दत्त सिंह, प्रो. सुनील महावर सहित सभी विभागाध्यक्षों और गणित विभाग के संकाय सदस्य डॉ. शिव कुमार सिंह, डॉ. बबीता मिश्रा, डॉ. अमिताभ ज्ञान रंजन, डॉ. राजेश प्रसाद ने उन्हें बधाई दी।







## List Of Ph.D. Award (2nd Convocation) Given By The Mahatma Gandhi Central University In Various Subjects

Sl. No.	Name	Subject	Title of the Thesis
1	SHIVANI TIWARI	Botany	GENOME WIDE IDENTIFICATION AND ANALYSIS OF GLUTATHIONE S-TRANSFERASE (GST) GENE FAMILY IN SOME UNDERUTILIZED PLANTS OF ORDER CARYOPHYLLALES
2	YASHVANT KASHYAP	Chemistry	POLYMERIC AND METALLIC NANOWIRES BASED ARCHITECTURES FOR SUPERCAPACITORS DESIGN: SYNTHESIS, CHARACTERIZATION, AND PERFORMANCE EVALUATION
3	AVNEESH KUMAR	Commerce	IMPACT OF COVID-19 ON ECONOMY AND SOCIETY: AN EMPIRICAL STUDY
4	SANTOSH KUMAR	Commerce	MERGER AND ACQUISITIONS IN INDIAN BANKING SECTOR: A STUDY OF SELECTED BANKS
5	KUMAR DEEPAK RAJA	Commerce	IMPACT OF SOCIAL MEDIA MARKETING ON CONSUMER'S BUYING BEHAVIOUR: A STUDY OF NORTH BIHAR REGION
6	MANISH KUMAR	Commerce	RANDOM WALK BEHAVIOUR MARKET EFFICIENCY & INFORMATION ASYMMETRY: A COMPARATIVE STUDY OF DEVELOPED AND DEVELOPING STOCK MARKET
7	AZHARUDDIN MOHAMMAD MUSSAIYIB	Economics	IMPACT OF R&D DRIVEN INVESTMENT IN HIGHER EDUCATION ON ECONOMIC GROWTH
8	ALOKITA VISHAL	Education	INCLUSIVE PEDAGOGY FOR STUDENTS WITH DISABILITIES: A CRITICAL STUDY OF THE HIGHER EDUCATION INSTITUTIONS IN BIHAR
9	SAVITA KUMARI	Education	समावेशी शिक्षा की संकल्पना, आवश्यकता, नीतियाँ, चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ: बिहार राज्य के संदर्भ में एक विश्लेषणात्मक अध्ययन
10	MAHIMA KASHYAP	English	CONTEXTUALITY AND PERSPECTIVES: A STUDY OF TERROR(ISM) IN SELECT CONTEMPORARY MEMOIRS
11	RAHUL MISHRA	English	GLOBAL CULTURE IN THE SELECT WORKS OF KAZUO ISHIGURO
12	ISHTIAQ AHMED	English	TRIBAL EXISTENCE AND GLOBALIZATION: A CRITICAL STUDY OF SELECTED WORKS OF GOPINATH MOHANTY AND MAHASWETA DEVI
13	RITESH KUMAR SINGH	English	DUALITY AND THE QUEST FOR IDENTITY IN SELECT REFUGEE WORKS: A POSTMODERN PERSPECTIVE
14	WAKIL KUMAR YADAV	English	DISCOURSE ANALYSIS OF THE SELECT NOVELS OF BIHARI ENGLISH WRITERS
15	JAYANT TOMAR	English	ECOCRITICAL STUDY OF SELECT CONTEMPORARY INDIAN NOVELS
16	SWARUPANANDA CHATTERJEE	English	MANIFESTATIONS OF MYTHS IN SELECT PLAYS OF VEENAPANI CHAWLA AND GIRISH KARNAD: A POSTMODERN RE-INTERPRETATION
17	VIRENDRA KUMAR GANDHI	Gandhian and Peace Studies	GANDHIAN STRATEGIES IN BRAZILIAN LANDLESS WORKERS' MOVEMENT (1985-2006)
18	ASHUTOSH SHARAN	Gandhian and Peace Studies	मद्यनिषेध का सामाजिक एवं आर्थिक प्रभाव : बिहार के पूर्वी चंपारण जिले का गाँधीय परिप्रेक्ष्य में एक आनुभविक अध्ययन
19	MANISH KUMAR BHARTI	Hindi	हिन्दी आलोचना और आचार्य विष्णुकान्त शास्त्री की आलोचना दृष्टि
20	ANKITA KUMARI	Business Administration	INFLUENCE OF FINANCIAL LITERACY ON THE INVESTMENT BEHAVIOR OF WOMEN STAKEHOLDERS OF HIGHER EDUCATION INSTITUTIONS IN BIHAR
21	CHANDAN VEER	Business Administration	A STUDY ON THE PROSPECT OF GREEN MARKETING PRACTICES IN THE MICRO, SMALL AND MEDIUM ENTERPRISES OF BIHAR
22	RAUSHAN KUMAR	Business Administration	A STUDY OF FINANCIAL INCLUSION AS A STRATEGY FOR INCLUSIVE GROWTH WITH SPECIAL REFERENCE TO BIHAR"
23	KUMAR MAUSAM	Journalism and Mass Communication	युवाओं के मध्य इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और वेब मीडिया की दर्शनीयता का अध्ययन (ओटीटी प्लेटफार्म पर वेब सीरीज के प्रति युवाओं की बढ़ती सक्रियता के विशेष संदर्भ में)



## List Of Ph.D. Award (2nd Convocation) Given By The Mahatma Gandhi Central University In Various Subjects

24	MANU KAUSHIK	Journalism and Mass Communication	ROLE OF COMMUNITY RADIO IN AGRICULTURAL AWARENESS OF THE FARMERS (IN ESPECIAL REFERENCE TO IIMT RADIO, MEERUT)
25	ROHITASH KUMAR	Journalism and Mass Communication	सहरीया जनजाति के सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन में टेलीविजन: एक अध्ययन (राजस्थान में बारां जिले के विशेष संदर्भ में)
26	RASHMI PRAKASH	Journalism and Mass Communication	PORTRAYAL OF WOMEN IN TELEVISION ADVERTISEMENTS AND ITS IMPACT ON THE PEOPLE OF UTTAR PRADESH
27	SOUVIK ACHARYA	Journalism and Mass Communication	ROLE OF NEW MEDIA IN EDUCATIONAL DEVELOPMENT IN THE TRIBAL AREAS OF THE TEA ESTATES OF DARJEELING
28	HARIOM KUMAR	Journalism and Mass Communication	भारतीय संस्कृति के संवर्धन में सांस्कृतिक संचार की भूमिका (संस्कार भारती, बिहार के विशेष संदर्भ में)
29	MUKESH SHEKHAR	Physics	EFFECT OF CO-DOPING ON THE ELECTRICAL PROPERTIES OF NANOCRYSTALLINE BISMUTH FERRITE
30	ALOK CHANDRA	Political Science	नेपाल से नशीले पदार्थों की तस्करी और भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा की चुनौतियाँ : रक्सौल सीमा क्षेत्र के विशेष संदर्भ में
31	ASHUTOSH ANAND	Political Science	PROFESSIONALIZATION OF ELECTIONEERING IN INDIA: ANALYZING POLITICAL CONSULTANTS' IMPACT ON ELECTIONS
32	BHAWANA SHARMA	Political Science	GOOD GOVERNANCE AND PROMOTION OF MULTICULTURALISM: A STUDY OF PUBLIC POLICIES BY NDA-IIND (2014-2019)
33	SANJEEV KUMAR	Political Science	कृषि क्षेत्र पर ई- शासन का प्रयोग एवं कृषक सशक्तिकरण पर उसका प्रभाव (गोरखपुर जिले का अध्ययन 2016-2022 तक)
34	MOHD ZABIR	Political Science	TRIBAL UPLIFTMENT: AN ANALYTICAL STUDY OF GOVERNMENT POLICIES AND PROGRAMMES AND THEIR IMPACT ON TRIBAL DEVELOPMENT IN JAMMU AND KASHMIR FROM 1990-2020
35	ANUJ KUMAR	Sanskrit	कालिदास के खण्डकाव्यों में वर्णित औषधीय पादपों एवं पदार्थों का आयुर्वेद में अनुप्रयोग : एक अध्ययन
36	NIDHI KUMARI	Sanskrit	महाकवि भवभूति की नाट्यकला : एक समीक्षण
37	ROHIT	Sanskrit	अर्वाचीन संस्कृत रचनाधर्मिता में अभिराज राजेन्द्र मिश्र का अवदान
38	SHIV PRASAD PAL	Sanskrit	नारदभक्तिसूत्र में भक्ति स्वरूप विमर्श
39	TARAKANT MITRA	Sanskrit	आश्वलायन एवं कात्यायनगृह्यसूत्रों में प्रतिपादित संस्कार-व्यवस्था का समीक्षात्मक अनुशीलन
40	ARUN KUMAR	Social Work	AWARENESS AND IMPACT OF MGNREGA ON EAST CHAMPARAN OF BIHAR
41	GAURAV KUMAR	Social Work	IMPACT OF INTEGRATED CHILD DEVELOPMENT SERVICES (ICDS) SCHEME ON THE RURAL COMMUNITY: A STUDY OF EAST CHAMPARAN, BIHAR
42	MUSKAN BHARTI	Social Work	SELF-HELP GROUPS AND STATUS OF WOMEN: A STUDY ON EAST CHAMPARAN, BIHAR.
43	BAIKUNTH KUMAR YADAV	Zoology	EPIDEMIOLOGICAL STUDIES OF TUBERCULOSIS MODELLING AND FORECASTING
44	ANITA SHARMA	Library and Information Science	DESIGN AND DEVELOPMENT OF UNIVERSITY LIBRARY WEBSITE WITH SPECIAL REFERENCE TO CENTRAL UNIVERSITY LIBRARIES IN INDIA: A PROTOTYPE
45	GUNJAN SHARMA	Journalism and Mass Communication	ROLE OF PUBLIC RELATIONS CAMPAIGN IN BRAND POSITIONING OF POLITICAL PARTIES (A COMPARATIVE STUDY OF BJP AND INC)
46	SUPRABHA DEY	Education	RE-IMAGINING TECHNICAL AND VOCATIONAL EDUCATION AND TRAINING (TVET): A GROUNDED THEORY INSIGHT FROM INDIA
47	PRASENJIT ROY	Education	STEAM EDUCATION WITH SPECIAL REFERENCE TO EDUCATION 4.0: CHALLENGES AND PROSPECTS IN INDIA





# समाचार-पत्रों के आईने में महात्मा गांधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय

### नेपाल के नीति अनुसंधान प्रतिष्ठान व केंद्रीय विवि के बीच हुआ समझौता

नेपाल के अग्रणी नीति वार्षिकी कार्यक्रम में केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठान ने भाग लिया।

नेपाल के नीति अनुसंधान प्रतिष्ठान (NIP) के अध्यक्ष डॉ. रामचंद्र पौडेल ने केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. राजेश कुमार शर्मा से एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता दोनों संस्थानों के बीच सहयोग और शोध कार्य को बढ़ावा देने के लिए है।

डॉ. पौडेल ने कहा कि NIP का उद्देश्य नेपाल की नीति और विकास को समझना और इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसारित करना है। केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. शर्मा ने इस समझौते का स्वागत किया और दोनों संस्थानों के बीच गहरे संबंधों को बढ़ावा देने का वादा किया।

### नीतीश सरकार में कानून और व्यवस्था में आया नया आयाम

नीतीश सरकार के नेतृत्व में कानून और व्यवस्था में नया आयाम आया है।

नीतीश सरकार के नेतृत्व में कानून और व्यवस्था में नया आयाम आया है। नीतीश सरकार के नेतृत्व में कानून और व्यवस्था में नया आयाम आया है। नीतीश सरकार के नेतृत्व में कानून और व्यवस्था में नया आयाम आया है।

### एम्जीसीयू के उत्कृष्टता में मिला 20वां स्थान

एम्जीसीयू के उत्कृष्टता में मिला 20वां स्थान।

एम्जीसीयू के उत्कृष्टता में मिला 20वां स्थान। एम्जीसीयू के उत्कृष्टता में मिला 20वां स्थान। एम्जीसीयू के उत्कृष्टता में मिला 20वां स्थान।

### कैंपस जागरण

कैंपस जागरण।

कैंपस जागरण। कैंपस जागरण। कैंपस जागरण। कैंपस जागरण।

### 'फिट इंडिया' से बढ़ी स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता: सांसद

'फिट इंडिया' से बढ़ी स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता: सांसद।

'फिट इंडिया' से बढ़ी स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता: सांसद। 'फिट इंडिया' से बढ़ी स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता: सांसद।

### नेपाल की विदेश मंत्री से मिले कुलपति, दिया निमंत्रण

नेपाल की विदेश मंत्री से मिले कुलपति, दिया निमंत्रण।

नेपाल की विदेश मंत्री से मिले कुलपति, दिया निमंत्रण। नेपाल की विदेश मंत्री से मिले कुलपति, दिया निमंत्रण।

### मोतिहारी भास्कर

मोतिहारी भास्कर।

मोतिहारी भास्कर। मोतिहारी भास्कर। मोतिहारी भास्कर। मोतिहारी भास्कर।

### प्रभात खबर

प्रभात खबर।

प्रभात खबर। प्रभात खबर। प्रभात खबर। प्रभात खबर।

### कैंपस प्रभात

कैंपस प्रभात।

कैंपस प्रभात। कैंपस प्रभात। कैंपस प्रभात। कैंपस प्रभात।

### समाज व देश के विकास में अहम भूमिका निभा सकती हैं रचनात्मकता व उद्यमशीलता

समाज व देश के विकास में अहम भूमिका निभा सकती हैं रचनात्मकता व उद्यमशीलता।

समाज व देश के विकास में अहम भूमिका निभा सकती हैं रचनात्मकता व उद्यमशीलता। समाज व देश के विकास में अहम भूमिका निभा सकती हैं रचनात्मकता व उद्यमशीलता।

### एमकेविवि के छात्रों को मिलेगा जीनोमिक लैब का लाभ: कुलपति

एमकेविवि के छात्रों को मिलेगा जीनोमिक लैब का लाभ: कुलपति।

एमकेविवि के छात्रों को मिलेगा जीनोमिक लैब का लाभ: कुलपति। एमकेविवि के छात्रों को मिलेगा जीनोमिक लैब का लाभ: कुलपति।

### मोतिहारी 11-07-2024

मोतिहारी 11-07-2024।

मोतिहारी 11-07-2024। मोतिहारी 11-07-2024। मोतिहारी 11-07-2024। मोतिहारी 11-07-2024।

### आदर्शों के प्रतीक के साथ राष्ट्र के लिए पवित्र दस्तावेज है संविधान: कुलपति

आदर्शों के प्रतीक के साथ राष्ट्र के लिए पवित्र दस्तावेज है संविधान: कुलपति।

आदर्शों के प्रतीक के साथ राष्ट्र के लिए पवित्र दस्तावेज है संविधान: कुलपति। आदर्शों के प्रतीक के साथ राष्ट्र के लिए पवित्र दस्तावेज है संविधान: कुलपति।

### मोतिहारी 24-11-2024

मोतिहारी 24-11-2024।

मोतिहारी 24-11-2024। मोतिहारी 24-11-2024। मोतिहारी 24-11-2024। मोतिहारी 24-11-2024।

### विभाजन के समय अत्यंत भयावह थे हालात

विभाजन के समय अत्यंत भयावह थे हालात।

विभाजन के समय अत्यंत भयावह थे हालात। विभाजन के समय अत्यंत भयावह थे हालात। विभाजन के समय अत्यंत भयावह थे हालात।

### भारतीय ज्ञान परंपरा का विकास सेनानियों को श्रद्धांजलि

भारतीय ज्ञान परंपरा का विकास सेनानियों को श्रद्धांजलि।

भारतीय ज्ञान परंपरा का विकास सेनानियों को श्रद्धांजलि। भारतीय ज्ञान परंपरा का विकास सेनानियों को श्रद्धांजलि।

### कैंपस प्रभात

कैंपस प्रभात।

कैंपस प्रभात। कैंपस प्रभात। कैंपस प्रभात। कैंपस प्रभात।

### रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम में कलाकारों ने लोगों को झुमाया

रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम में कलाकारों ने लोगों को झुमाया।

रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम में कलाकारों ने लोगों को झुमाया। रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम में कलाकारों ने लोगों को झुमाया।

### एमजीसीयू में एक पेड़ मां के नाम पर अभियान

एमजीसीयू में एक पेड़ मां के नाम पर अभियान।

एमजीसीयू में एक पेड़ मां के नाम पर अभियान। एमजीसीयू में एक पेड़ मां के नाम पर अभियान।

### केंद्रीय विवि मोतिहारी का बीआरएबीयू के साथ करार

केंद्रीय विवि मोतिहारी का बीआरएबीयू के साथ करार।

केंद्रीय विवि मोतिहारी का बीआरएबीयू के साथ करार। केंद्रीय विवि मोतिहारी का बीआरएबीयू के साथ करार।

### केंद्रीय विवि के 50 छात्र यूजीसी-नेट में सफल

केंद्रीय विवि के 50 छात्र यूजीसी-नेट में सफल।

केंद्रीय विवि के 50 छात्र यूजीसी-नेट में सफल। केंद्रीय विवि के 50 छात्र यूजीसी-नेट में सफल।

### मोतिहारी 12-11-2024

मोतिहारी 12-11-2024।

मोतिहारी 12-11-2024। मोतिहारी 12-11-2024। मोतिहारी 12-11-2024। मोतिहारी 12-11-2024।

### मोतिहारी 15-06-2024

मोतिहारी 15-06-2024।

मोतिहारी 15-06-2024। मोतिहारी 15-06-2024। मोतिहारी 15-06-2024। मोतिहारी 15-06-2024।

### दिल्ली में 20 से 22 जुलाई तक आयोजित राष्ट्रीय एससपी में महात्मा गांधी केन्द्रीय विवि को मिला द्वितीय पुरस्कार

दिल्ली में 20 से 22 जुलाई तक आयोजित राष्ट्रीय एससपी में महात्मा गांधी केन्द्रीय विवि को मिला द्वितीय पुरस्कार।

दिल्ली में 20 से 22 जुलाई तक आयोजित राष्ट्रीय एससपी में महात्मा गांधी केन्द्रीय विवि को मिला द्वितीय पुरस्कार। दिल्ली में 20 से 22 जुलाई तक आयोजित राष्ट्रीय एससपी में महात्मा गांधी केन्द्रीय विवि को मिला द्वितीय पुरस्कार।





Dr. Ambedkar Administrative Building, M.G.C.U., Near OP Thana, Raghunathpur, Motihari



Gandhi Bhawan, M.G.C.U., Bankat, Motihari



Chanakya Parisar, M.G.C.U. Near Sadar Hospital, Motihari



Pt. Deen Dayal Upadhyaya Parisar, M.G.C.U.  
Near Pt. Ugam Pandey College Baluatal, Motihari

**Scan Me**



Website of University



Youtube Chanel of University



Fb Page of University

# महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय

# Mahatma Gandhi Central University

मोतिहारी, जिला- पूर्वी चंपारण, बिहार-845401, भारत | Motihari, Dist.- East Champaran, Bihar-845401, India

E-mail - [mgcunewsletter@mgcub.ac.in](mailto:mgcunewsletter@mgcub.ac.in)

@MGCUB2016 @mgcu\_bihar @MGCUBihar [www.mgcub.ac.in](http://www.mgcub.ac.in)